सफलता के 3 वर्ष

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनबाद, मंगलवार 01 जुलाई 2025 • आषाढ़ शुक्ल पक्ष 06, संवत 2082 • रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित • वर्ष : 3, अंक : 84 • मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

सफलता के तीन वर्ष

संघर्ष, सहयोग और संकल्प का संगम

हिंदी दैनिक शुभम संदेश ने तीन वर्षों का सफर पूरा कर लिया है. लेकिन यह तीन वर्षों की सफल यात्रा मात्र समय की गिनती नहीं, बल्कि संघर्षों, सीखों, उपलब्धियों और आप सबके अटूट सहयोग की कहानी है. जब हमने तीन वर्ष पूर्व एक सशक्त, निष्पक्ष और लोकहितकारी पत्रकारिता का संकल्प लिया था, तब रास्ता सरल नहीं था.

पत्रकारिता के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सीमित संसाधन और बदलते मीडिया परिदृश्य में अपनी पहचान बनाना किसी चुनौती से कम नहीं था. इन तीन वर्षों में हमने न केवल समाज के ज्वलंत मुद्दों को स्वर दिया, बल्कि जनसरोकारों की पत्रकारिता को प्राथमिकता दी. इस यात्रा में हमारे सुधि पाठकों ने हमारी सबसे बड़ी ताक़त बनकर साथ दिया.

आपकी प्रतिक्रियाएं, सुझाव और आलोचनाएं हमें लगातार सुधार की दिशा में प्रेरित करती रहीं. साथ ही, विज्ञापनदाताओं और वितरक बंधुओं का भी विशेष योगदान रहा, जिनके सहयोग से हमारा समाचार पत्र अधिकाधिक पाठकों तक पहुंच सका. हम यह अवसर पाकर आप सभी का हृदय से आभार प्रकट करते हैं और वचन देते हैं कि शुभम संदेश भविष्य में भी निष्पक्ष, सशक्त और जनसेवा भाव से ओतप्रोत पत्रकारिता करता रहेगा. यह तीसरी वर्षगांठ हमारे लिए केवल उत्सव नहीं, बल्कि आगामी वर्षों के लिए संकल्प लेने का वक्त है- एक बेहतर समाज, जागरूक नागरिक और उत्तरदायी पत्रकारिता की दिशा में अग्रसर रहने का संकल्प.

आपके विश्वास और साथ के लिए पुनः धन्यवाद.

शुभकामनाएं

हिंदी दैनिक शुभम संदेश के स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, वितरक बंधुओं को ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं. **-संपादक**

अब कोई और नहीं बन सकेगा 'कैप्टन कूल'

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धौनी ने अपने लिए 'कैप्टन कूल' नाम का ट्रेडमार्क लेने के लिए अर्जी दी है. भारत सरकार की बौद्धिक संपदा के रिकॉर्ड के अनुसार, धौनी ने यह अर्जी 5 जून, 2023 को दी थी. अब इस ट्रेडमार्क की स्थिति 'स्वीकृत और विज्ञापित' दिख रही है, जिसका मतलब है कि शुरुआती जांच पूरी हो गई है और अब इसे रजिस्ट्रेशन से पहले कोई भी चुनौती दे सकता है. 'कैप्टन कूल' नाम लंबे समय से धौनी के साथ जुड़ा रहा है क्योंकि दबाव भरे क्रिकेट के अहम पलों में भी वे शांत रहते थे. यह ट्रेडमार्क खेल प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करने और खेल कोचिंग सेवाओं से जुड़ी श्रेणी में रजिस्टर किया जा रहा है. बता दें कि इसी महीने, धौनी को लंदन में एक समारोह में आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था. वे यह सम्मान पाने वाले 11वें भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं. भारत के पूर्व कप्तान, जिन्होंने टीम को दो विश्व कप खिताब दिलाए, अब क्रिकेट के महान खिलाड़ियों की इस खास सूची में शामिल हो गए हैं.

नई साजिशः भारत को घेरने की तैयारी में चीन और पाकिस्तान

सार्क की जगह अब नया गुट बनाने की कोशिश में ड्रैगन!

शुभम संदेश डेस्क

दक्षिण एशिया के परिदृश्य में चीन और पाकिस्तान नया कूटनीतिक खेल करने की तैयारी में हैं. रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान और चीन एक ऐसे प्रस्ताव पर काम कर रहे हैं जिसका उद्देश्य नया क्षेत्रीय संगठन बनाना है. ये संगठन दक्षिण एशियाई देशों के संगठन सार्क को बेदखल कर स्वयं उसकी जगह ले सकता है. इस प्रोजेक्ट के पीछे चीन का दिमाग काम कर रहा है. पाकिस्तान इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट कर रहा है.

इस घटनाक्रम से परिचित राजनयिक सूत्रों के हवाले से पाक के अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने खबर दी है कि इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच वार्ता अब अग्रिम चरण में है. दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि क्षेत्रीय एकीकरण और संपर्क के लिए एक नया संगठन आवश्यक है. अखबार ने कहा कि यह नया संगठन संभावित रूप से क्षेत्रीय ब्लॉक सार्क का स्थान ले सकता है. बता दें कि सार्क में भारत, भूटान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान व श्रीलंका शामिल हैं. चीन सार्क का सदस्य नहीं, लेकिन अब नया संगठन बनाकर चीन दक्षिण एशिया के देशों पर कूटनीतिक और सामरिक प्रभाव हासिल करना चाहता है. सार्क के सभी देशों से चीन के गहरे आर्थिक और सामरिक संबंध हैं.

पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन की मीटिंग

बता दें कि हाल ही में चीन के कुनमिंग में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश के बीच एक त्रिपक्षीय बैठक हुई थी. बताया जाता है कि ये बैठक इसी संगठन को मूर्त रूप देने की कूटनीतिक पैंतरों का हिस्सा थी. इस बैठक का लक्ष्य सार्क का हिस्सा रहे अन्य दक्षिण एशियाई देशों को नए समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना था. हालांकि, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका, बीजिंग और इस्लामाबाद के बीच किसी भी उभरते गठबंधन के विचार को खारिज कर दिया था और कहा था कि यह बैठक राजनीतिक नहीं थी.

2016 से नहीं हुई सार्क की मीटिंग : बता दें कि कभी दक्षिण एशियाई देशों का शक्तिशाली संगठन रहा सार्क आज नाम मात्र का संगठन रह गया है. 2014 में काठमांडू में हुए शिखर सम्मेलन के बाद से इसका द्विवार्षिक सम्मेलन नहीं हुआ है. विदेश मामलों के सलाहकार एम तौहीद हुसैन ने कहा था, हम कोई गठबंधन नहीं बना रहे हैं. इसमें शामिल होने के लिए भारत को भी न्यौता दिया जाएगा. नए संगठन का उद्देश्य व्यापार व संपर्क बढ़ाकर भागीदारी लेना है. यह नया संगठन यह सार्क की जगह लेगा, जो भारत-पाकिस्तान विवाद के कारण लंबे समय से निलंबित है.

सार्क कब बना, कौन से देश हैं मेंबर

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग और विकास को बढ़ावा देने के लिए 1985 में स्थापित एक महत्वपूर्ण संगठन है. इसके सदस्य देश, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मालदीव और अफगानिस्तान हैं. इन देशों का उद्देश्य क्षेत्रीय एकता और समृद्धि के लिए मिलकर काम करना है. सार्क के सदस्य आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करना, गरीबी उन्मूलन, व्यापार, शिक्षा, और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में प्रगति के लिए काम करते हैं. यह संगठन क्षेत्रीय व्यापार समझौतों जैसे दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार समझौता (साफ्टा) के माध्यम से आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देता है. हालांकि, राजनीतिक तनाव, विशेष रूप से भारत-पाकिस्तान संबंधों के कारण, सार्क की प्रभावशीलता कभी-कभी सीमित हो जाती है.

दिल्ली से सीएम हेमंत सोरेन ने दी हूल विद्रोह के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को दिल्ली से ही हूल विद्रोह के अमर शहीदों सिदो-कान्हू, चांद भैरव, फूलो-झानो और अन्य को विनम्र श्रद्धांजलि दी. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा-हूल विद्रोह के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो औरअन्य वीर शहीदों और वीरांगनाओं के संघर्ष और शहादत को शत शत नमन. आजादी की लड़ाई से पहले संथाल में हूल विद्रोह के हमारे वीरों ने अंग्रेजी हुकूमत और महाजनों के शोषण और अत्याचार के खिलाफ तथा जल-जंगल जमीन की रक्षा के लिए आदिवासी अस्मिता की मशाल जलाई थी. हमारे वीर पुरुखों की यही सीख हमें हमेशा न्याय और स्वाभिमान के लिए प्रेरित करती रहेगी.

मालूम हो कि हेमंत सोरेन पिछले एक सप्ताह से दिल्ली में हैं. वहां वह अपने पिता शिबू सोरेन की देखभाल में लगे हैं. उल्लेखनीय है कि शिबू सोरेन दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं. रूटीन चेकअप के लिए लगभग 10 दिन पूर्व दिल्ली गए शिबू सोरेन की तबीयत खराब होने के बाद उन्हें गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था. उसके बाद उनकी स्थिति नाजुक हो गयी थी. कई तरह की प्रॉब्लम शुरू हो गई थी. गुरुजी की हालत स्थिर हो गयी थी. हालांकि अब बताया जा रहा है कि गुरुजी के स्वास्थ्य में मामूली सुधार हुआ है. इससे उम्मीद बंधी है कि वह जल्द स्वस्थ होकर रांची आएंगे.

हैदराबाद के रासायनिक कारखाने में विस्फोट, 12 मजदूरों की मौत

एजेंसियां। हैदराबाद

तेलंगाना के संगारेड्डी के पाशमिलाराम औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार सुबह एक रासायनिक फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट ने 12 मजदूरों की जान ले ली. हादसा सुबह सिगाची इंडस्ट्रीज की यूनिट में हुआ, जहां फार्मा संबंधी रसायन बनाए जाते थे. धमाका इतना तेज़ था कि फैक्ट्री शेड के परखच्चे उड़ गए. कुछ मजदूर धमाके के दबाव से करीब 100 मीटर दूर जा गिरे. पुलिस अधिकारी ने बताया कि पांच मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ा.

इस हादसे में घायल मजदूरों का इलाज कई अस्पतालों में चल रहा है, जिनमें से कई की हालत बेहद गंभीर है. पुलिस टीम ने घटना के बाद की मजदूरों को मलबे के नीचे से बाहर निकाल कर अस्पताल भेजा.

आसपास के इलाकों में दहशत: विस्फोट के बाद चारों ओर धुएं का गुबार फैल गया, जिससे आसपास के निवासियों को सांस लेने में परेशानी हुई. अफरातफरी की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने आस-पास के क्षेत्रों से लोगों को ऐहतियातन बाहर निकाला. कई नजदीकी इमारतों को भी नुकसान पहुंचने की सूचना है. फैक्ट्री में विस्फोट का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है. पुलिस व अग्निशमन विभाग की टीमें जांच में जुटी हैं. घटनास्थल पर भारी भीड़ और चिंता का माहौल है.

बोले तेज प्रताप - प्रेम किया तो किया, कोई गलत नहीं किया...

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप ने ही एक्स पर अपनी गर्लफ्रेंड अनुष्का यादव की तस्वीर शेयर की थी. पोस्ट भी उन्होंने ही किया था. यह बात तेज प्रताप यादव ने कही है. उन्होंने कहा कि प्रेम किया तो किया, कोई गलत नहीं किया. कोई जनता के दिल से थोड़ी निकाल देगा. तेज प्रताप ने कहा, मेरा ही पोस्ट था हमने ही डाला था जो बीत गया अब उस पर मेरा ध्यान नहीं है.

हमें अभी काम करना है. जो चुनाव आने वाला है उस पर फोकस करना है. इस सवाल पर कि क्या आपको लगता है कि आपको प्रेम करने की कीमत चुकानी पड़ी? इस पर कहा, प्रेम सब कोई करता है. सब लोग प्रेम करते हैं. प्रेम किया तो किया कोई गलत नहीं किया. कोई जनता के दिल से थोड़ी निकाल देगा. नए तरीके से काम होगा. जनता के बीच जाएंगे.

गृह मंत्री के समक्ष मंत्री ने की झारखंड के लिए विशेष आर्थिक मदद की मांग

शुभम संदेश। रांची

राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को दिल्ली में सहकारिता वर्ष पर आयोजित सहकार से समृद्धि नामक मंथन कार्यक्रम में झारखंड की सहकारिता क्षेत्र की चुनौतियों और जरूरतों को बखूबी उठाया. उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में कहा कि झारखंड इस क्षेत्र में पिछड़ा हुआ है और इसे विशेष नीति व आर्थिक मदद की जरूरत है.

मंत्री ने बताया कि राज्य में अभी 4,400 एमपीसीएस हैं, जिनमें सब आर्थिक रूप से कमजोर हैं. राज्य सरकार इन्हें 28 करोड़ रुपए वर्किंग कैपिटल के रूप में दे चुकी है. उन्होंने केंद्र से आग्रह किया कि झारखंड के कुछ चयनित एमपीसीएस को वर्किंग कैपिटल मुहैया कराकर उन्हें सुदृढ़ किया जाए. गोदाम निर्माण पर मंत्री ने कहा कि झारखंड में भंडारण क्षमता की 57% की कमी है. पैक्स के पास 10% अंशदान की भी सामर्थ्य नहीं है, ऐसे में केंद्र को 100% अनुदान देकर गोदाम बनाना चाहिए. उन्होंने एससी–एसटी को सहकारिता में उचित प्रतिनिधित्व देने और सहकारी समितियों के गठन में आरक्षण और विशेष योजना लागू करने का भी सुझाव दिया. मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बैठक में भरोसा दिलाया कि सहकारिता आंदोलन को सशक्त बनाने के लिए राज्यों की सभी व्यवहारिक जरूरतों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और ज़रूरत पड़ने पर नीतिगत बदलाव भी किए जाएंगे. कार्यक्रम में देशभर के सहकारिता मंत्री, अधिकारी, विशेषज्ञ और सहकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए.

पीएम नरेंद्र मोदी ने हूल दिवस पर आदिवासी नायकों को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली। हूल दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को आदिवासी समाज के अदम्य साहस और असाधारण पराक्रम को नमन किया. मोदी ने एक्स पर संथाली भाषा में पोस्ट में लिखा, हूल दिवस हमें अपने आदिवासी समाज के अदम्य साहस और अद्भुत पराक्रम की याद दिलाता है. संथाल क्रांति से जुड़े इस विशेष अवसर पर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के साथ ही उन सभी वीर-वीरांगनाओं का हृदय से नमन और वंदन, जिन्होंने विदेशी हुकूमत के अत्याचार के खिलाफ लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया. उनकी शौर्यगाथा देश की हर पीढ़ी को मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्रेरित करती रहेगी.

भाजपा के गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे का कांग्रेस पर फिर बड़ा हमला, किया दावा

पार्टी के 150 सांसदों को रूस से मिलती थी फंडिंग

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला. 2011 में अमेरिकी खुफिया एजेंसी की ओर से जारी एक दस्तावेज को एक्स पर साझा करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि दिवंगत कांग्रेस नेता एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से अधिक कांग्रेस सांसदों को रूस से फंडिंग मिली थी. इन सांसदों ने रूस के एजेंट के तौर पर काम किया था.

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस, भ्रष्टाचार और गुलामी. यह अवर्गीकृत गुप्त दस्तावेज 2011 में सीआईए ने जारी किया था. इसके मुताबिक दिवंगत कांग्रेस नेता एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से अधिक कांग्रेस सांसदों को सोवियत रूस ने फंडिंग की थी. ये सांसद रूस के एजेंट के रूप में काम कर रहे थे? उन्होंने कहा कि पत्रकारों का एक समूह भी उनका एजेंट था. रूस ने कुल 16,000 समाचार प्रकाशित कराए थे. इसका अमेरिकी खुफिया एजेंसी के दस्तावेज में जिक्र है. उस समय के आसपास रूसी खुफिया एजेंसियों के 1100 लोग भारत में थे, जो नौकरशाहों, व्यापारिक संगठनों, कम्युनिस्ट पार्टियों और राय निर्माताओं को अपनी जेब में रखकर भारत की नीतियों को आकार और सूचनाएं भी दे रहे थे.

उन्होंने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार सुभद्रा जोशी ने उस समय चुनाव के नाम पर जर्मन सरकार से पांच लाख रुपये लिए और वे हारने के बाद इंडो-जर्मन फोरम की अध्यक्ष बन गईं. क्या यह देश है या गुलामों, एजेंटों और बिचौलियों की कठपुतली? कांग्रेस को जवाब देना चाहिए, क्या इस पर जांच होनी चाहिए या नहीं?

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई

मनीष जायसवाल

सांसद, हजारीबाग

सेहत की बात — हर चार मिनट में स्ट्रोक से हो जाती है एक व्यक्ति की मौत

निष्क्रिय जीवनशैली और आहार में गड़बड़ी से पाइए निजात

शुभम संदेश डेस्क

स्ट्रोक एक गंभीर और जानलेवा समस्या है जिसका खतरा कम उम्र के लोगों में भी देखा जा रहा है. आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि साल 2022 में दुनियाभर में 12.2 मिलियन (1.22 करोड़) से ज्यादा स्ट्रोक के नए मामले सामने आए. स्ट्रोक दुनियाभर में मौत और विकलांगता का एक प्रमुख कारण है. वैश्विक स्तर पर, 25 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग 4 में से 1 वयस्क को अपने जीवनकाल में स्ट्रोक होने का खतरा रहता है. साल 2023 में एक रिपोर्ट में एम्स के न्यूरो-विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में हर साल स्ट्रोक के करीब 1.85 मामले सामने आते हैं. हर

चार मिनट में एक व्यक्ति की स्ट्रोक से मौत हो जाती है. लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण स्ट्रोक होने का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है. जिन लोगों का ब्लड प्रेशर अक्सर हाई रहता है उनमें स्ट्रोक और हार्ट अटैक दोनों का खतरा अधिक होता है.

स्ट्रोक की पहचान के लिए फार्मूलाः स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ब्रेन स्ट्रोक के लक्षणों को पहचानने के लिए एक फार्मूला है- फास्ट जिसके माध्यम से आसानी से पता किया जा सकता है कि किसी को स्ट्रोक हुआ है या नहीं. इन चार चीजों की तुरंत जांच करें.

- **एफ (फेस ड्रापिंग):** क्या चेहरा एक तरफ झुक गया है.
- **ए (आर्म वीकनेस):** क्या एक हाथ कमजोर है या गिर रहा है.
- **एस (स्पीच डिफिकल्टी):** क्या बोलने में दिक्कत है.
- **टी (टाइम टू काल इमरजेंसी):** यदि हां, तो तुरंत आपातकालीन सेवाओं को कॉल करें.

स्ट्रोक की समस्या को जानिए

स्ट्रोक तब होता है,जब मस्तिष्क की किसी नस में ब्लॉकेज हो जाती है या नस फटने के कारण खून का प्रवाह रुक जाता है, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं क्षतिग्रस्त होने लगती हैं. जब मस्तिष्क को पर्याप्त ऑक्सीजन और रक्त नहीं मिल पाता, तो उसकी कोशिकाएं कुछ ही मिनटों में डेड होने लगती हैं, यही स्थिति स्ट्रोक कहलाती है. यह एक मेडिकल इमरजेंसी है, जो अगर समय रहते ना पहचानी जाए, तो व्यक्ति की जान भी जा सकती है. कई मामलों में स्ट्रोक के कारण विकलांगता का भी खतरा रहता है. मेडिकल रिपोर्ट्स के अनुसार, स्ट्रोक के लक्षण अचानक और तीव्र होते हैं, लेकिन कुछ शुरुआती संकेतों पर ध्यान दे दिया जाए तो आप जानलेवा स्थिति से बच सकते हैं.

इन लक्षणों पर दें गंभीरता से ध्यान

स्ट्रोक के समय रहते पहचान के लिए सबसे पहले कुछ लक्षणों पर ध्यान दिया जाना चाहिए. स्ट्रोक की स्थिति में सिर में बहुत असहनीय दर्द की समस्या हो सकती है, ये इसका सबसे आम लक्षण है. इसके अलावा पीड़ित व्यक्ति भ्रमित हो सकता है, बोलने या किसी की बातों को समझने में कठिनाई हो सकती है. स्ट्रोक होने पर चेहरे, हाथ या पैर सुन्न हो सकते हैं, इनमें कमजोरी या लकवा जैसी समस्या हो सकती है. यदि व्यक्ति अपने दोनों हाथों को सिर के ऊपर उठाने की कोशिश करे, तो अक्सर एक हाथ कमजोर होकर नीचे गिरने लगता है. इसमें शारीरिक संतुलन भी बिगड़ जाता है, जिससे चलना कठिन हो जाता है.

राज्यपाल, मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष ने हूल दिवस पर संथाल विद्रोह के महान सेनानियों को किया नमन

शुभम संदेश। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हूल दिवस पर संथाल विद्रोह के महान सेनानियों को नमन किया है. राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार को लिखा है कि हूल दिवस' के अवसर पर संथाल विद्रोह के महान सेनानियों सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित अन्य वीर-वीरांगनाओं को कोटिशः नमन. उन्होंने कहा है कि ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध उनका संघर्ष एवं गौरवगाथाएं भावी पीढ़ियों को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष तथा मातृभूमि की सेवा के लिए सदैव प्रेरित करती रहेंगी.

वहीं मुख्यमंत्री ने हूल विद्रोह के महानायक अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो और अन्य वीर शहीदों तथा वीरांगनाओं के संघर्ष और शहादत को शत-शत नमन किया है. मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि आजादी की लड़ाई से पहले संथाल में हूल विद्रोह के हमारे वीरों ने अंग्रेजी हुकूमत और महाजनों के शोषण और अत्याचार के खिलाफ तथा जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए आदिवासी अस्मिता की मशाल जलाई थी. हमारे वीर पुरुखों की

यही सीख हमें हमेशा न्याय और स्वाभिमान के लिए प्रेरित करती रहेंगी. उन्होंने कहा है कि अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू अमर रहें. झारखंड के वीर शहीद अमर रहें. जय झारखंड. हूल जोहार.

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल ने कहा है कि संथाल परगना की पुण्यभूमि से 1855 में ब्रिटिश हुकूमत की शोषणकारी नीतियों के विरुद्ध हूल विद्रोह का उद्घोष हुआ. मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो जैसे महान आदिवासी जननायकों के नेतृत्व में संथाल समाज ने जल-जंगल-जमीन और अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए एक ऐतिहासिक चेतना का जागरण किया. उन्होंने कहा है कि अंग्रेजी शासन की नींव को हिला देने वाले, देश में पहली बार स्वतंत्रता की क्रांति का शंखनाद करने वाले शहीदों को हूल दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि.

शिबू सोरेन की बड़ी वहू सीता सोरेन ने शहीद सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

बताया क्यों दिल्ली जाकर बीमार गुरुजी को नहीं देखा

शुभम संदेश। रांची/दुमका

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन गंभीर रूप से बीमार हैं और उनका इलाज दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में चल रहा है. राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पूरे परिवार के साथ पिता के इलाज में लगे हुए हैं. इधर, उन्हें देखने और उनका हालचाल जानने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत कई बड़े-बड़े नेता अस्पताल पहुंचे, लेकिन गुरु जी की बड़ी बहू सीता सोरेन अस्पताल पहुंच कर भी उन्हें नहीं देख पाईं. उन्होंने इसके पीछे की वजह का खुलासा किया है.

इस हालत में बाबा को नहीं देख सके: हूल दिवस के मौके पर सीता सोरेन दुमका के बड़ा बांध चौक स्थित शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बाबा काफी बीमार हैं, तकलीफ में हैं. उनसे मिलने हम दिल्ली गए थे, लेकिन अस्पताल के अंदर नहीं जा पाए. हम इतनी तकलीफ में गुरुजी को देखने का साहस नहीं जुटा पाए. हम उनके परिवार की

बड़ी बहू हैं और गुरुजी हमें पिता से बढ़कर स्नेह देते हैं. ऐसे में हम उन्हें बीमार हालत में देख नहीं पाए. सीता सोरेन ने बताया कि अस्पताल में बड़े-बड़े डॉक्टरों द्वारा उनका काफी बेहतर इलाज चल रहा है.

सिदो-कान्हू के वंशजों के साथ हो रहा है अन्याय : जामा विधानसभा से तीन बार विधायक रह चुकी सीता सोरेन ने कहा कि हूल दिवस पर हम शहीद सिदो-कान्हू को याद कर रहे हैं. लेकिन साहिबगंज के भोगनाडीह में जहां सिदो-कान्हू के वंशज हैं, उनके साथ हेमंत सरकार अन्याय कर रही है. वे अपने ढंग से हूल दिवस को मनाना चाह रहे थे, लेकिन उन्हें रोका जा रहा है. आखिरकार ऐसा क्यों हो रहा है, उसके पीछे की वजह क्या है, इसे जानने के लिए हम आज भोगनाडीह जाएंगे.

गुरुजी की सलामती के लिए मंदिर में की पूजा -अर्चना : इस बीच, दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्वास्थ्य कामना को लेकर उनकी बड़ी पुत्रवधू सीता सोरेन ने सोमवार को मंदिर पहुंच कर पूजा अर्चना की. गुरुजी की बड़ी पुत्रवधू सीता सोरेन हूल दिवस के मौके पर दुमका के पोखरा चौक पर स्थापित सिदो कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पहुंची थी. उन्होंने कहा की मंदिर पहुंच कर गुरुजी की सलामती के लिए पूजा अर्चना भी की है. उन्होंने कहा कि परिवार में गुरु जी बाबा से पिता से भी बढ़ कर प्यार मिला है. बीमार हालत में उन्हें देख नहीं सकते, बस इतना ही चाहते है कि बाबा जल्द स्वस्थ्य होकर हमारे बीच लौटें.

हम सब की है प्रार्थना, बाबा जल्द ठीक हो जाएं: लुईस मरांडी

हूल दिवस के अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक लुईस मरांडी ने भी सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. उन्होंने कहा कि इन वीर शहीदों ने जो बलिदान दिया है, हमलोगों का कर्तव्य है कि हम उनके दिखाए गए मार्ग पर चलें. साथ ही उन्होंने कहा कि आज हमारे अभिभावक बाबा शिबू सोरेन गंभीर रूप से बीमार हैं. हम इन शहीदों के स्थल पर भी यह प्रार्थना कर रहे हैं कि वे जल्द से जल्द ठीक होकर आएं.

जनजातीय समाज ने हूल के जरिए उठाई थी आवाज : सुशील

रांची। आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव के नेतृत्व में 170 वीं हूल दिवस सोमवार को मनाया गया. मोरहाबादी स्थित सिद्धो-कान्हो पार्क में आज बाबा सिद्धो-कान्हो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और झारखंड के सभी वीर महापुरुषों को याद किया गया.

इस मौके पर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने कभी भी अंग्रेजी हुकूमत को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने हूल क्रांति कर अंग्रेजों की चूलें हिला दी थीं. उन्होंने बताया कि हूल के जरिए शोषण के खिलाफ आवाज उठाया गया. अंग्रेजों के 200 साल के शासन में कभी भी जनजातीय समाज ने अंग्रेजों की हुकूमत को स्वीकार नहीं किया और वे जंगल में घूमते रहे. ईस्ट इंडिया कंपनी से जंग लड़ी. जनजातीय समाज का कहना था कि मेरी जमीन, मेरा आसमान और मेरी प्रकृति, तो हम गोरे शासन को टैक्स क्यों दें.

जिला अध्यक्ष राजू उरांव ने कहा हूल के बाद शुरू अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष शुरू हुआ था. संथाल हूल एशिया का सबसे बड़ा आंदोलन था. इसमें कई गांव आंदोलन के लिए निकल पड़े थे, लेकिन जो शुरुआती आंदोलन था, वह अंग्रेजों के खिलाफ नहीं था. वह साहूकारों और महाजनों के खिलाफ था. इसके बाद जब अंग्रेजों का अत्याचार बढ़ा, तब यह हूल आंदोलन अंग्रेजों के खिलाफ भी शुरू हुआ. डीएसपीएमयू इकाई के अध्यक्ष विवेक तिर्की ने कहा कि आज की पीढ़ी को इतिहास बताने की जरूरत है.

शिबू सोरेन की स्थिति चिंताजनक, लेकिन स्थिर

गुरुजी के अच्छे स्वास्थ्य के लिए रुद्राभिषेक व हवन कर रहे समर्थक

शुभम संदेश। रांची

दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में 19 जून से दिशोम गुरु शिबू सोरेन भर्ती हैं. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद और हेमंत सरकार के कॉर्डिनेशन कमेटी के चेयरमैन शिबू सोरेन के स्वास्थ्य में मामूली सुधार के बावजूद उनकी स्थिति अभी-भी गंभीर बनी हुई है.झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन जल्द स्वस्थ हों इसके लिए सोमवार को पहाड़ी मंदिर में समर्थकों ने जहां भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया. वहीं रातू रोड स्थित आरआर स्पोर्टिंग क्लब दुर्गा मंदिर में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने मां भगवती की आराधना और हवन कर गुरुजी के शीघ्र स्वस्थ होकर झारखंड लौटने की कामना की.इस हवन में शामिल हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव और शिबू सोरेन के बेहद करीबी विनोद पांडेय मीडिया से बात करते करते बेहद भावुक हो गए. उन्होंने कहा कि हम सब की एक ही कामना है कि बाबा स्वस्थ होकर झारखंड लौटें.

दिशोम गुरु की सेहत में सुधार लेकिन स्थिति गंभीर:झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने बताया कि दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्थिति में सुधार हुआ है लेकिन अभी भी चिंताजनक बनी हुई है. उन्होंने बताया कि डॉक्टरों की टीम आईसीयू में भर्ती शिबू सोरेन का इलाज में लगी है. आज राज्य में ही नहीं बल्कि देशभर में बाबा के स्वास्थ्य को लेकर चिंता है, सब लोग उनकी कुशलता और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि उन्होंने में माता भगवती की मंदिर में गुरुजी के शीघ्र स्वस्थ हो जाने की अर्जी लगाई है और पूरी उम्मीद है कि बाबा जल्द हम लोगों के बीच होंगे.

लगातार जारी है पूजा अर्चना का दौर : पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए पूजा अर्चना का दौर जारी है. 29 जून को रांची के जगन्नाथ मंदिर में गुरुजी की तस्वीर लेकर उनके समर्थकों ने पूजा अर्चना की. वहीं डोरंडा के रिसालदार बाबा के मजार पर चादरपोशी कर उनकी कुशलता के लिए दुआएं मांगी गयी थी तो आज पहाड़ी मंदिर और देवी मंदिर में रुद्राभिषेक और हवन किये जा रहे हैं.

19 जून से अस्पताल में भर्ती हैं शिबू सोरेन:पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन 19 जून से दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं. जहां उनका इलाज अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के हेड डॉ. एके भल्ला के नेतृत्व में चल रहा है. अस्पताल प्रशासन का कहना है कि उनकी गंभीर लेकिन स्थिर बनी हुई है. विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम 81 वर्षीय आदिवासी नेता शिबू सोरेन की देखभाल कर रही है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन, पूर्व मंत्री बसंत सोरेन, दिल्ली में ही बने हुए हैं.

भोगनाडीह मामले में बोले झामुमो महासचिव विनोद पांडेय

कानून हाथ में लेने की इजाजत किसी को नहीं

शुभम संदेश। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा हूल दिवस के दिन भोगनाडीह की घटनाओं को लेकर राज्य सरकार पर लगाए गए आरोपों पर झामुमो ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने जारी प्रेस वक्तव्य में कहा है, राज्य की कानून व्यवस्था सर्वोपरि है. किसी को भी इसे हाथ में लेने की इजाज़त नहीं दी जा सकती. उन्होंने कहा, हूल दिवस के अवसर पर भोगनाडीह में श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया था, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सुनियोजित ढंग से स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश की गई. ऐसे हालात में प्रशासन ने संयम और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की, ताकि माहौल और बिगड़ने से रोका जा सके. सरकार असामाजिक तत्वों की जरूर पहचान करेगी और ऐसे लोगों का पर्दाफाश किया जाएगा. झामुमो की अगुवाई वाली सरकार में विभाजनकारी ताकतों को कभी भी सिर उठाने नहीं दिया जाएगा. ये सब भाजपा नेतृत्व वाली सरकारों में ही देखने को मिलता है.उन्होंने आगे कहा, चंद लोगों की नादानी के कारण पूरे राज्य की जनता की सुरक्षा को खतरे में नहीं डाला जा सकता. भाजपा जानबूझ कर भ्रामक प्रचार कर रही है और झूठे आरोपों के ज़रिए लोगों को भड़काने की कोशिश कर रही है. राज्य में कानून का शासन है. भाजपा को चाहिए कि वह गैर-जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका छोड़कर रचनात्मक सुझावों और जनहित के मुद्दों पर बात करे.

उन्होंने कहा, झारखंड मुक्ति मोर्चा और हेमंत सोरेन सरकार ने हमेशा आदिवासियों के इतिहास, अस्मिता और अधिकारों की रक्षा को सर्वोपरि रखा है. भाजपा का यह आरोप कि सरकार आदिवासियों की भावनाओं को कुचल रही है, पूरी तरह तथ्यहीन और दुर्भावनापूर्ण है. हूल दिवस हमारी सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है. इसका राजनीतिक उपयोग करना बेहद शर्मनाक है.

विनोद पांडेय ने दो टूक कहा, जो भी व्यक्ति या संगठन कानून को अपने हाथ में लेगा, उस पर नियमानुसार कार्रवाई होगी – चाहे वह किसी भी विचारधारा या दल से जुड़ा क्यों न हो. हम लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं, लेकिन अराजकता की इजाज़त नहीं दी जाएगी. राज्य सरकार अपने हर नागरिक की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है.

भोगनाडीह झड़प की बाबूलाल मरांडी ने की कड़ी निंदा, घटना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को भोगनाडीह में हूल दिवस के दिन आदिवासी समाज के ऊपर हुए लाठीचार्ज की घटना की कड़ी निंदा की है. उन्होंने कहा कि हूल दिवस के पावन अवसर पर भोगनाडीह में पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और आंसू गैस के प्रयोग की घटना अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है. इस बर्बर कार्रवाई में कई ग्रामीण घायल हुए हैं. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आज की यह बर्बरता अंग्रेज़ी हुकूमत के दौर की यादें ताज़ा कर दी है. हूल क्रांति की भूमि पर, छह पीढ़ियों के बाद एक बार फिर सिद्धो-कान्हू के वंशजों को अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध सड़क पर उतरना पड़ा है. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि दरअसल, घुसपैठियों की गोद में बैठी राज्य सरकार नहीं चाहती कि झारखंड का

आदिवासी समाज अपने पुरखों की वीरगाथाओं और बलिदानों से प्रेरित होकर अपनी अस्मिता और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित हो. लेकिन सरकार की यह साजिश कभी सफल नहीं होगी. जिस तरह वीर सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो ने हूल क्रांति के माध्यम से अंग्रेजी सत्ता की नींव हिला दी थी, उसी तरह आज भोगनाडीह में लाठीचार्ज की दमनकारी घटना हेमंत सरकार के पतन का कारण सिद्ध होगी.

जेएलकेएम ने सिदो-कान्हू पार्क में मनाया हूल दिवस

बाहरी तत्वों के खिलाफ संघर्ष अब भी जारी: देवेंद्रनाथ महतो

शुभम संदेश। रांची

झारखंड समेत देश के कई हिस्सों में सोमवार को हूल दिवस हर्ष और सम्मान के साथ मनाया गया. रांची स्थित सिद्धो-कान्हो पार्क में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने भव्य आयोजन किया. संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिद्धो-कान्हो, चांद-भैरव, फूलो-झानो के जयघोष के साथ श्रद्धांजलि दी. महतो ने कहा, हूल दिवस केवल स्मृति का दिन नहीं, यह हमारी प्रेरणा का दिवस है. 30 जून 1855 को भोगनाडीह से शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश हुकूमत, जमींदारों और महाजनों के खिलाफ पहला संगठित विद्रोह था. यह जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए शुरू हुई चेतना थी जो आज भी प्रासंगिक है.

उन्होंने कहा कि बाहरी तत्वों के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी है. सरकारें अब भी कॉरपोरेट हितों के लिए आदिवासी-मूलवासी जमीन और प्राकृतिक संसाधनों को बेचने का रास्ता खोल रही हैं. उन्होंने मांग की कि झारखंड में क्षेत्रीय अधिकार, आरक्षण और सम्मान को सुनिश्चित किया जाए. इस मौके पर रांची जिला अध्यक्ष आलोक उरांव, पार्वती देवी, संतोष साहू, चंदन रजक, रविंद्र दीपक, अनूप सिंह, अजहर अंसारी और प्रभाकर सहित कई संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे. बताते चलें कि हूल दिवस न केवल झारखंड में बल्कि पश्चिम बंगाल, बिहार, ओड़िशा और असम जैसे राज्यों में भी मनाया जाता है.

भोगनाडीह में लाठीचार्ज निंदनीय, सरकार का आदिवासी विरोधी चेहरा उजागर : विजय शंकर नायक

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने हूल दिवस (30 जून 2025) पर भोगनाडीह, दुमका में शांतिपूर्वक जुटे आदिवासियों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस छोड़ने की घटना की कड़ी निंदा की है. उन्होंने कहा कि यह कृत्य हेमंत सोरेन सरकार की आदिवासी विरोधी मानसिकता को उजागर करता है. सिदो-कान्हू की पवित्र जन्मभूमि पर हुई यह बर्बरता न केवल अमानवीय है, बल्कि सरकार की कथित जनजातीय सहानुभूति की पोल खोलती है. नायक ने दोषी अधिकारियों के निलंबन, स्वतंत्र जांच और सरकार द्वारा सार्वजनिक माफी की मांग की. उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज इस अन्याय को चुपचाप नहीं सहेगा और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करता रहेगा.

जेपीएससी विवाद : राज्यपाल ने आयोग को कार्रवाई के लिए कहा

पूर्व सीएम रघुवर दास के पत्र पर लिया संज्ञान

शुभम संदेश। रांची

झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा परीक्षा-2023 (जेपीएससी) में उत्तर पुस्तिकाओं की जांच को लेकर उठे सवालों पर अब राजभवन की नजर है. पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की शिकायत पर राज्यपाल ने संज्ञान लेते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है. बता दें कि परीक्षा का परिणाम एक-दो दिनों में आने की बात कही गयी है. ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि आयोग इस दिशा में क्या कदम उठाता है. राज्यपाल के आदेश पर राजभवन के अपर सचिव एके सत्यजीत द्वारा आयोग अध्यक्ष को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि रघुवर दास द्वारा प्रेम कुमार एवं अन्य परीक्षार्थियों की ओर से एक ज्ञापन प्राप्त हुआ है, जिसमें परीक्षा व मूल्यांकन प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है. दास ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है.

राजभवन ने आयोग को मूल पत्र की प्रति भेजते हुए निर्देश दिया है कि इस विषय में नियमानुसार आवश्यक कदम उठाए जाएं. माना जा रहा है कि इस निर्देश के बाद आयोग पर पारदर्शिता सुनिश्चित करने का दबाव बढ़ेगा. ज्ञात हो कि हाल ही में जेपीएससी परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक कई अभ्यर्थियों ने विरोध जताया था. अब पूर्व मुख्यमंत्री की पहल और राज्यपाल की तत्परता से यह मामला और गंभीर हो गया है.

डीयू में प्रवेश | एडमिशन के लिए बैठे छात्र हो जाएं तैयार

सीयूईटी यूजी स्कोर के आधार पर होगा दाखिला

शुभम संदेश डेस्क

अगर आप 12वीं के बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) में एडमिशन लेने की तैयारी कर रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है. सीयूईटी यूजी 2025 रिजल्ट के जारी होते ही डीयू एडमिशन 2025 प्रक्रिया की शुरुआत हो जाएगी. इस साल भी सभी अंडरग्रेजुएट (यूजी) कोर्सेज में एडमिशन केवल सीयूईटी स्कोर के आधार पर ही होगा.

सीयूईटी यूजी 2025 रिजल्ट कब आएगा

रिपोर्ट्स के अनुसार, सीयूईटी यूजी 2025 का रिजल्ट जुलाई के पहले सप्ताह तक जारी होने की संभावना है. एनटीए द्वारा स्कोरकार्ड जारी होते ही दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से सीएसएएस (कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम) पोर्टल को एक्टिव किया जाएगा.

डीयू एडमिशन प्रोसेस

रजिस्ट्रेशन: सीयूईटी रिजल्ट आने के बाद छात्रों को डीयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर सीएसएएस पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा.

चॉइस फिलिंग: छात्र अपने मनपसंद कॉलेज और कोर्स की प्राथमिकता भर सकेंगे.

सीट अलॉटमेंट: मेरिट और सीयूईटी स्कोर के आधार पर सीटें आवंटित की जाएंगी.

फीस भुगतान और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन: आवंटित सीट को स्वीकार करने के लिए तय समय पर फीस का भुगतान और डॉक्यूमेंट्स की जांच आवश्यक होगी.

यूजी एडमिशन 2025: योग्यता और जरूरी शर्तें

सीयूईटी यूजी 2025 परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है.
उम्मीदवार का 12वीं पास होना जरूरी है.
हर कोर्स की कट-ऑफ या न्यूनतम स्कोर की शर्तें अलग-अलग हो सकती हैं, जिसकी जानकारी डीयू की आधिकारिक वेबसाइट पर दी जाएगी.
आवश्यक दस्तावेजों की सूची
सीयूईटी यूजी 2025 का स्कोरकार्ड
10वीं और 12वीं की मार्कशीट
कैटेगरी सर्टिफिकेट (यदि लागू हो)
पासपोर्ट साइज फोटो
पहचान पत्र (आधार कार्ड आदि)

सीयूईटी क्यों है अनिवार्य
दिल्ली यूनिवर्सिटी ने साल 2022 से सीयूईटी (कॉमन यूनिवर्सिटी इंटरेंस टेस्ट) को सभी अंडरग्रेजुएट एडमिशन के लिए जरूरी कर दिया है. इसका उद्देश्य है –
सभी छात्रों को बराबर अवसर देना
एडमिशन प्रक्रिया को पारदर्शी और मेरिट आधारित बनाना
डीयू एडमिशन 2025 पोर्टल लिंक
जैसे ही सीएसएएस पोर्टल एक्टिव होगा, छात्र du.ac.in या admission.uod.ac.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे.

शराब घोटाला में आरोपी विनय सिंह को फिलहाल कोर्ट से राहत नहीं

रांची। गिरफ़्तारी के डर से फरार चल रहे आईएएस विनय चौबे के करीबी और रांची के चर्चित ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह की अग्रिम जमानत याचिका पर रांची एसीबी की विशेष अदालत में सुनवाई हुई. सोमवार की सुनवाई के दौरान एसीबी ने केस डायरी जमा करने के लिए समय मांगा. समय मांगे जाने के आग्रह को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है. साथ ही अदालत ने विनय सिंह के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई है. पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश नहीं मिलने से विनय सिंह की मुश्किलें और बढ़ गई हैं, क्योंकि उसके खिलाफ एसीबी ने वारंट ले लिया है. दरअसल शराब घोटाला की अब तक जांच में एसीबी ने विनय सिंह को नोटिस देकर पूछताछ के लिए बुलाया था. लेकिन अब तक विनय सिंह एसीबी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए हैं.

निलंबित आईएएस विनय चौबे पर टूटा एक और कहर

शराब घोटाले के बाद अब जमीन घोटाला!

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में शराब घोटाले के मामले में पहले से जेल में बंद पूर्व उत्पाद आयुक्त और निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं. अब वे हजारीबाग ज़िले की 2.75 एकड़ खासमहाल ज़मीन घोटाले में भी फंस सकते हैं. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी में है और इसके लिए राज्य सरकार से अनुमति मांगी गई है.

क्या है ज़मीन घोटाले का मामला

यह मामला वर्ष 2008 से 2010 के बीच का है, जब विनय चौबे हजारीबाग के उपायुक्त थे. आरोप है कि इस दौरान खासमहाल की 2.75 एकड़ ज़मीन को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 23 निजी व्यक्तियों के नाम निबंधित कर दिया गया. एसीबी की प्रारंभिक जांच (पीई), जो वर्ष 2015 में हुई थी, में यह स्पष्ट हुआ था कि यह ज़मीन 1948 में सेवायत ट्रस्ट को 30 साल की लीज पर दी गई थी, जिसकी अवधि 1978 में समाप्त हो गई थी. इसके बाद भूमि जस की तस पड़ी थी. लेकिन 2008-2010 के बीच फर्जी दस्तावेजों के ज़रिए जमीन की प्रकृति बदल कर उसे निजी लोगों को बेच दिया गया.

आईएएस विनय चौबे पर क्या हैं आरोप: विनय चौबे पर आरोप है कि उन्होंने लीज नवीनीकरण के आवेदन से जानबूझकर ट्रस्ट का नाम हटवाया. इसके बाद जमीन को 23 निजी व्यक्तियों के नाम निर्बंधित कर दिया गया, जिससे करोड़ों की संपत्ति का हेरफेर हुआ. इस दौरान झारखंड हाईकोर्ट के 2005 के आदेश की अवहेलना भी हुई, जिसमें साफ कहा गया था कि ट्रस्ट की भूमि को अन्य किसी को हस्तांतरित नहीं किया जा सकता.

एसीबी की अगली कार्रवाई: एसीबी ने अब राज्य सरकार के कैबिनेट निगरानी एवं सचिवालय विभाग को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की अनुमति के लिए फाइल भेजी है. साथ ही, एसीबी ने चौबे से जुड़ी सभी लंबित जांचों की फाइलें दोबारा खोलनी शुरू कर दी हैं.

मौजूदा स्थिति : विनय कुमार चौबे इस समय रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार में शराब घोटाले के सिलसिले में बंद हैं. इस ज़मीन पर आज बहुमंजिला इमारतें खड़ी हो चुकी हैं. शराब घोटाले के बाद अब भूमि घोटाले में फंसे विनय चौबे पर कानून का शिकंजा और कसता जा रहा है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

03

धनबाद, मंगलवार 01 जुलाई 2025, आषाढ़ शुक्ल पक्ष 06, संवत 2082

युवा शटलर आयुष शेट्टी ने जीता पहला खिताब

विविध

पेज 07

साहेबगंज में हूल दिवस पर ग्रामीण और पुलिस के बीच झड़प, पांच जवान घायल

आक्रोशितों ने जमकर चलाये तीर और पत्थर, पुलिस ने अपने बचाव में आंसू गैस छोड़े, डीसी-एसपी समेत कई आधिकारी पहुंचे

शुभम संदेश। साहेबगंज

सोमवार को साहिबगंज जिले के बरहेट प्रखंड स्थित सिद्धू-कान्हू की जन्मस्थली भोगनाडीह में हूल दिवस के अवसर पर संताल ग्रामीणों और पुलिस के बीच झड़प हो गई. यह विवाद सिद्धू-कान्हू प्रतिमा के चाहरदीवारी पार्क के गेट का ताला खोलने को लेकर शुरू हुआ. सूत्रों के अनुसार सिद्धू-कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू और वहां के आदिवासी समाज के लोगों ने पार्क में ताला लगा दिया था और जिला प्रशासन को ताला खोलने से रोक रहे थे. इसी मामले को लेकर जिला प्रशासन और वंशजों के बीच तीखी बहस हुई, जो जल्द ही झड़प में बदल गई.

तीर और गोली चलने की खबर, जवान घायल : सूत्रों से खबर है कि संतालों के तीर से दो जवान जख्मी हुए हैं, जबकि पुलिस ने भी गोली और आँसू गैस के गोले छोड़े हैं. भोगनाडीह में स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी. हताहतों की वास्तविक संख्या अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन सूत्रों के अनुसार पुलिस के दो जवान तीर से जख्मी हुए हैं और कुछ अन्य जवान घायल हो गए. पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए आंसू गैस का प्रयोग किया है और गोली चलने की भी अपुष्ट खबरें हैं.

कार्यक्रम के आयोजन को लेकर विवाद

विगत कुछ दिनों से प्रशासन और ग्रामीणों के बीच हूल दिवस के कार्यक्रम के आयोजन को लेकर खींचतान चल रही थी. सिद्धू-कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू स्थानीय स्टेडियम में 30 जून को हूल दिवस के मौके पर कार्यक्रम करना चाहते थे. उन्होंने इसकी लिखित सूचना प्रशासन को दी थी, लेकिन प्रशासन ने कार्यक्रम करने की इजाजत नहीं दी. इसके बाद ग्रामीण नाराज हो गए और प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया. ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए प्रशासन ने मौखिक रूप से कार्यक्रम करने की इजाजत दी, लेकिन प्रशासन द्वारा देर रात उनके मंच को नुकसान पहुंचाया गया. मंडल मुर्मू का कहना है कि उन्होंने प्रशासन से लिखित परमिशन देने का आग्रह किया था, बावजूद इसके उनके कार्यक्रम में बाधा डाली जा रही थी. उन्होंने कहा कि गांव के मांझी और समस्त ग्रामीण उनके साथ हैं. इसी रस्साकशी के बीच जुटे ग्रामीणों ने प्रशासन द्वारा बनाए गए मंच को भी नुकसान पहुंचाया.

लाठीचार्ज में कई जख्मी

लाठीचार्ज में कई ग्रामीण और पुलिसकर्मी घायल हुए हैं. जैप 9 के जवान रमेश कुमार पासवान (40), छोटे लाल कुमार (46), संजय कुमार यादव (47), मृत्युंजय कुमार (55), श्याम सुंदर यादव (38) के घायल होने की सूचना है. सभी का बरहेट सीएचसी में इलाज चल रहा है. हंगामा कर रहे सिद्धू-कान्हू मुर्मू हूल फाउंडेशन के समर्थकों का कहना है कि देर रात उनके कार्यक्रम का पंडाल प्रशासन द्वारा खोल दिया गया, जिससे नाराज समर्थकों ने हंगामा शुरू कर दिया. वहीं, घटना के बाद भोगनाडीह में भारी संख्या में पुलिस तैनात कर दी गई है. मौके पर डीआईजी के साथ ही डीसी हेमंत सती, एसपी अमित कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी पहुंच गए हैं. हालांकि, अब स्थिति सामान्य है. ताला खुलने के बाद लोग पार्क पहुंचे और सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव व फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. गौरतलब है कि सिद्धू-कान्हू हूल फाउंडेशन व आतु मांझी बैसी ने हूल दिवस पर भोगनाडीह में कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मांगी थी. मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए अनुमति नहीं दी गई थी, इसके बाद भी संगठन की ओर से वहां पंडाल का निर्माण कराया जा रहा था.

सीता सोरेन मौके पर पहुंचीं

इधर, भाजपा नेत्री सीता सोरेन भी मौके पर पहुंचीं. उन्होंने उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों को काफी खरी-खोटी सुनाई. मौके पर बड़ी संख्या में जवानों की तैनाती की गई है. ग्रामीणों के साथ हुई लाठीचार्ज में लगभग सभी पुलिस वालों को चोटें आई हैं. आज 'हूल दिवस' के अवसर पर भोगनाडीह में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह विधायक चंपाई सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने वाले थे. इस हंगामे के बाद कार्यक्रम होगा या नहीं, इस संबंध में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिली है.

प्रशासन की हठधर्मिता से घटना : बाबूलाल

गिरिडीह। भोगनाडीह में हूल दिवस कार्यक्रम से पहले हुए बवाल पर नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इस घटना को प्रशासन की हठधर्मिता का परिणाम बताया है. गिरिडीह स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सरकार और प्रशासन चाहते तो ऐसी घटना को टाला जा सकता था. उन्होंने बताया कि उन्होंने पूरी घटना की जानकारी ली है और यह पता चला है कि परिवार और गांव के लोग पहले पूजा करने जा रहे थे. चूंकि गांव और परिवार के लोगों द्वारा पूजा करने के बाद ही आगे का कार्यक्रम होता है, लेकिन वहां के प्रशासन ने उनकी बात नहीं सुनी, जिससे बात बढ़ गई और लाठीचार्ज करना पड़ा.

एसपी से की बात, परिसर में राजनीतिक कार्यक्रम न हो : बाबूलाल मरांडी ने बताया कि उन्होंने इस मामले को लेकर साहेबगंज के एसपी से बात की है, जिन्होंने बताया कि हालात नियंत्रण में हैं. मरांडी ने कहा कि 1855 के हूल दिवस को हम याद करते हैं, और ऐसे में प्रशासन और सरकार को यह तय करना चाहिए कि परिसर के दो से तीन किलोमीटर के अंदर न तो कोई सरकारी कार्यक्रम होना चाहिए और न ही किसी राजनीतिक दल का कार्यक्रम. कोई भी व्यक्ति जाए और सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर फूल चढ़ाए और वापस आ जाए. इसके अलावा, यदि कोई मेला लगता हो तो उसे लगने दिया जाए. बाबूलाल ने कहा कि चूंकि 30 जून को गांव के लोग और उनके परिवार के लोग पहले पूजा करते हैं, फिर बाकी लोग पूजा करें, ताकि यह संघर्ष समाप्त हो. उन्होंने दोहराया कि आज की घटना को प्रशासन चाहता तो टाला जा सकता था. उन्होंने कहा कि गांव में प्रतिमा है, तो पहला हक परिवार व गांव के लोगों का बनता है.

ब्रीफ खबरें

सुंदरम स्टील से चोरी तीन गिरफ्तार

बोकारो। बालीडीह औद्योगिक क्षेत्र स्थित सुंदरम स्टील कंपनी से चोरी किए गए 14 टन स्पंज आयरन पिलेट्स से लदा एक ट्रक बालीडीह पुलिस ने बरामद कर लिया है. इस मामले में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. कंपनी के मालिक अनुराग सिंघानिया ने 28 जून 25 को बालीडीह थाना में लिखित शिकायत दी थी कि उनकी कंपनी के कुछ स्टाफ द्वारा स्पंज आयरन की चोरी कर उसे बेचा गया है, जिससे कंपनी को काफी आर्थिक नुकसान हुआ है. मामले को लेकर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की. जाँच के दौरान, कांड के प्राथमिकी अभियुक्त गोपाल भंडारी और मुकेश रवानी को गिरफ्तार किया गया. पूछताछ में उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया.

चार दिनों तक शराब दुकानें बंद

धनबाद। झारखंड में नई शराब नीति लागू होनी है.शराब बेच रही कंपनी का टेंडर भी खत्म हो चुका है. नई नीति लागू करने में दो से तीन महीने का समय लग सकता है. तब तक उत्पाद विभाग खुद शराब बेचेगा. कंपनी से हैंड ओवर और टेक ओवर में भी 3 से 4 दिन का दिन का समय लग सकता है. इसे लेकर धनबाद में सोमवार की रात 10 बजे से 3 से 4 दिन तक सभी 140 शराब दुकाने बंद रहेगी. धनबाद सहायक उत्पाद आयुक्त रामलीला रवानी ने कहा कि उपायुक्त के निर्देश पर आज से तीन से चार दिन तक शराब दुकान बंद की गई है. हैंड ओवर-टेक ओवर के बाद जिले में 38 दुकानें खोली जाएंगी.

सालुकचापड़ा में डायरिया का कहर

♦ दर्जन भर पीड़ित, चार एसएनएमएमसीएच में भर्ती ♦ स्वास्थ विभाग की टीम ने किया दौरा, बांटी दवाइयां

शुभम संदेश। कालुबथान

कलियासोल प्रखंड अंतर्गत सालुकचापड़ा पंचायत के जोलाहाडीह गांव के काशीडीह टोला में तीन दिनों से डायरिया थमने का नाम नहीं ले रहा है. डायरिया पीड़ितों ने स्थानीय चिकित्सक से इलाज कराया पर कोई फ़ायदा नहीं हुआ. तब पीड़ित के परिजनों ने 108 एम्बुलेंस बुलाकर एसएनएमएमसीएच धनबाद भर्ती हो रहे हैं. तीन दिन पहले 55वर्षीय सोनाराम टुडू का स्थिति को देखते हुए भर्ती कराया गया. शुक्रवार को 32वर्षीय दर्शनी किस्कु को भर्ती कराया गया. सोमवार की दोपहर को 45वर्षीय मन्टु किस्कु एवं 55वर्षीय परमेश्वर मुर्मू को एसएनएमएमसीएच धनबाद में भर्ती कराया गया है. फिलहाल चारों की स्थिति में सुधार है.समाजसेवी सुरेश दास तथा ग्रामीणों की सूचना पा कर सीएचसी प्रभारी संजय कुमार ने अविलंब एक मेडिकल टीम बनाकर काशीडीह टोला भेजा. टीम ने जोलाहाडीह के काशीडीह टोला पहुंच कर सभी को जांच उपरांत दवाएं,आरएस घोल तथा चार कुआं पर बिलिचिंग पाउडर छिड़का गया. यहां डायरिया फैलने का कारण बरसात का मौसम तथा दूषित पानी माना जा रहा है. सभी टोला वासी को समझाया गया की पानी को उबालकर पीएं, साफ सुथरा रहें, बांसी खाना न खाएं आदि बातें कहीं. टोला में ही 15 वर्षीय मामती किस्कु,13वर्षीय सरस्वती मुर्मू, 4वर्षीय रोहित टुडू,22वर्षीय सूरज मनी किस्कु, आदी का इलाज गांव में ही चल रहा है. टीम में सीएचसी डाक्टर जयन्त टुडू,सीएचओ श्रुति कुमारी, एएनएम बंदना रानी मंडल, सहिया सबिता कर,दुलाली माराण्डी, सहिया सुमित्रा मुर्मू एमपी डब्लू इन्द्रजित मोदक आदि शामिल थे.

टोला में एमात्र कुआं

टोला में बहुत ही पुराना एक मात्र कुआं हैं. ग्रामीणों का कहना है कि एक मात्र कुआं बरसात के पानी से भरकर खराब हो गया है जो पीने लायक नहीं है .पीने के पानी के लिए लगभग एक किलोमीटर दूर जाना पड़ता हैं .पीने के पानी के लिए एक चापाकल भी नहीं है .

तकनीकी विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव

विधायक बबलू महतो ने बलियापुर में बनाने की रखी मांग

शुभम संदेश। धनबाद

सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने धनबाद के उपायुक्त को पत्र लिखकर बलियापुर प्रखंड के सवाईगढ़ा मौजा में एक तकनीकी विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा है. इस प्रस्ताव में उन्होंने बलियापुर अंचल में विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए आवश्यक सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता का जिक्र किया है. विधायक के अनुसार, इस पहल से क्षेत्र में उच्च तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे. जमीन का विवरणः मौजा-सवाईगढ़ा, हाल सर्वे खाता नंबरः 39, शॉट नंबर-160, कुल रकबा-23.97 एकड़ । चंद्रदेव महतो ने अपने पत्र में बताया कि प्रस्तावित विश्वविद्यालय के लिए बिहार सरकार की अनाबाद जमीन उपलब्ध है, जो इस परियोजना के लिए उपयुक्त है. उन्होंने उपायुक्त से इस दिशा में त्वरित कार्रवाई करने और झारखंड सरकार को प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया है. झारखंड सरकार ने बजट में पास किए प्रस्तावः झारखंड सरकार ने अपने 2025-26 के बजट में धनबाद, जमशेदपुर और दुमका में तीन नए तकनीकी विश्वविद्यालयों की स्थापना का प्रस्ताव रखा है, जैसा कि वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने विधानसभा में बजट पेश करते समय घोषणा की थी.

एक्सक्लूसिव

धनबाद जैसे औद्योगिक क्षेत्र में तकनीकी विश्वविद्यालय की स्थापना से न केवल स्थानीय युवाओं को उच्च शिक्षा के अवसर मिलेंगे, बल्कि कोयला और खनन उद्योग से संबंधित तकनीकी नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा. इससे क्षेत्र में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है.

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जरूरी है तकनीकी विश्वविद्यालयः विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि बलियापुर में तकनीकी विश्वविद्यालय की स्थापना से क्षेत्र का शैक्षिक और आर्थिक परिदृश्य बदल सकता है. यह युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और झारखंड को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा.

निरसा के बबलू की मौत के पीछे बड़ी साजिश

आसनसोल में आग लगने से हुई मौत पर उठ रहे सवाल, परिजनों ने किया दावा

- स्कार्पियो, इनोवा समेत लाखों के जेवरात गायब

शुभम संदेश। आसनसोल

पश्चिम बंगाल आसनसोल साऊथ पुलिस फाड़ी अंतर्गत आसनसोल नगर निगम के वार्ड संख्या 57 स्थित फतेहपुर स्वागतम रेसीडेंसी के हाउस नंबर बी2 में शनिवार देर रात एक भीषण अग्निकांड की घटना घटी थी. घटना के वक्त घर में चार लोग मौजूद थे. चार लोगों में झारखंड धनबाद जिले के निरसा निवासी कोयला व्यवसासी बबलू सिंह व उनकी एक तथाकथित पत्नी शिल्पी चटर्जी, शिल्पी के माता-पिता भी थे. शिल्पी को छोड़कर सभी की मौत हो गई. दुर्गापुर के किसी निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है. तीन शवों आसनसोल जिला अस्पताल पॉस्मार्टम के लिये भेज दिया. घटना के बाद से इलाके के लोगों मे दहशत का माहौल है. हर कोई यह जानना चाहता है की बबलू सिंह के घर में ऐसा क्या हुआ कि अचानक से आग लगी और पूरा घर चपेट में आ गया और पल भर में ही सबकुछ ख़त्म हो गया. फोरेंसिक टीम नहीं पहुंची है. घर के बाहर और अंदर सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए हैं, इनमें कैद फुटेज पुलिस और फोरेंसिक टीम को जाँच में काफी मदद कर सकते हैं. घटना के बाद बबलू के परिजन निरसा से आसनसोल जिला अस्पताल पहुंचे और उन्होंने पोस्टामार्टम के बाद बबलू के शव को अपने साथ निरसा ले गए. **शेष पेज 11 पर**

सड़क किनारे फेंके जा रहे बायो-मेडिकल वेस्ट, जान से खिलवाड़

- लापरवाही से संक्रमण फैलने का रहता है खतरा

शुभम संदेश। धनबाद

कोयलांचल में निजी अस्पताल व क्लिनिक से निकलने वाले बायो मेडिकल कचरा शहरवासियों के लिए खतरा बन गया है. निजी अस्पतालों व क्लीनिकों में बायो वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर गंभीरता नहीं बरती जा रही है. कचरे को सड़क किनारे फेंका जा रहा है. बरवाअड्डा-कुर्मिडीह सड़क मार्ग पर भी जगह-जगह मेडिकल कचरे बिखरे पड़े हैं. दरअसल, शहर में दर्जनों से अधिक निजी क्लीनिक व अस्पताल के साथ लैब संचालित हो रहे हैं. इनके कचरों को जहां-तहां फेंक दिया जा रहा है. इन कचरों से खतरनाक बीमारियों के संक्रमण से इंकार नहीं है और सीधे तौर पर जान से खिलवाड़ है. निजी अस्पताल व नर्सिंग होम से बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण के लिए प्रोसेसिंग प्लांट को कचरा देना है लेकिन दर्जनों से अधिक निजी अस्पताल व लैब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आदेश का उल्लंघन कर कचरा जहां-तहां फेंक रहे हैं. मेडिकल बायो वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट के मार्केटिंग प्रबंधक की मानें तो एक्ट के अनुसार जिन निजी क्लीनिक व लैब में आपरेशन थिएटर चलता है, वहां ईटीपी संयंत्र लगाना अनिवार्य है. एक से डेढ़ लाख रुपये में ईटीपी संयंत्र लगाया जा सकता है. शहर में करीब 40 निजी क्लीनिक में यह संयंत्र लगाए गए हैं. जहां नहीं लगा है वैसे लैब से ब्लड का सैंपल व आपरेशन थिएटर का तरल पदार्थ व मेडिकल कचरा नाले में प्रवाहित होता है. इससे आम लोगों में संक्रमण का खतरा बना रहता है. हालांकि राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने ईटीपी और मेडिकल कचरा निस्तारण का सख्त निर्देश दिया है. इसके तहत जुर्माना के साथ संस्थान बंद करने का भी प्रावधान है.

कई नर्सिंग होम फैला रहे बीमारी

बरवाअड्डा-कुर्मिडीह मार्ग में लंबे समय से कुछ अज्ञात नर्सिंग होम व क्लीनिक संचालकों द्वारा मेडिकल वेस्ट खुले में फेंका जा रहा है. सड़क किनारे बड़ी मात्रा में फेंकी इंजेक्शन, दवाइयां, स्ट्रेचर के बेड तक कभी भी देखी जा सकते हैं. आम नागरिकों के अलावा जानवरों का आना-जाना लगा रहता है. ऐसे में यह मेडिकल बेस्ट किसी के भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है .बायो मेडिकल वेस्ट से एचआइवी, हेपटाइटिस, टिटनेस, निमोनिया तथा अन्य तरह के संक्रामक रोगों का खतरा बना रहता है.

500 किमी तक के सफर में कोई वृद्धि नहीं, 501 से 1500 किमी के लिए 5 रुपये की वृद्धि

ट्रेन सेवाओं के मूल किराए में संशोधन आज से प्रभावी

शुभम संदेश। नई दिल्ली

रेल मंत्रालय ने यात्री सेवाओं की वित्तीय स्थिरता को बढ़ाने और किराया संरचना को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से यात्री ट्रेन सेवाओं के मूल किराए में संशोधन किया है. यह नया किराया मंगलवार से प्रभावी होगा. संशोधित किराए भारतीय रेलवे सम्मेलन संघ (आईआरसीए) द्वारा जारी अद्यतन यात्री किराया तालिका पर आधारित है.

किराया संशोधन की मुख्य बातें : उपनगरीय सेवाओं में कोई बदलाव नहीं किया गया है. उपनगरीय एकल यात्रा किराए और सीजन टिकटों (उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों) में कोई वृद्धि नहीं की गई है. *सामान्य गैर-एसी श्रेणियों (गैर-उपनगरीय ट्रेनों) के लिए सेकेंड क्लास में प्रति किलोमीटर आधा पैसा वृद्धि हुई है लेकिन 500 किमी तक के सफर में कोई वृद्धि नहीं है. 501 से 1500 किमी के लिए 5 रुपये की वृद्धि हुई है. 1501 से 2500 किमी के लिए 10 रुपये की वृद्धि, 2501 से 3000 किमी के लिए 15 रुपये की वृद्धि हुई है.

स्लीपर क्लास : प्रति किलोमीटर 0.5 पैसा वृद्धि हुई है. फर्स्ट क्लास के सफर में प्रति किलोमीटर 0.5 पैसा वृद्धि हुई है. मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों (गैर-एसी) के लिए सेकेंड क्लास में प्रति किलोमीटर 01 पैसा वृद्धि, स्लीपर क्लास के लिए प्रति किलोमीटर 01 पैसा वृद्धि, फर्स्ट क्लास में प्रति किलोमीटर 01 पैसा वृद्धि हुई है. एसी श्रेणियों (मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों) के लिए एसी चेयर कार,एसी 3-टियर/3-इकोनॉमी, एसी 2-टियर,और एसी फ र्स्ट/ ए ग्ज ीक्य ूटिव क्लास/एग्जीक्यूटिव अनुभूति में प्रति किलोमीटर 02 पैसा वृद्धि हुई है.

किराया संसोधन इन ट्रेनों पर लागू

यह किराया संशोधन राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, तेजस, हमसफर, अमृत भारत, महामना, गतिमान, अंत्योदय, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, एसी विस्टाडोम कोच, अनुभूति कोच और सामान्य गैर-उपनगरीय सेवाओं सहित प्रीमियर और विशेष ट्रेन सेवाओं पर भी लागू होगा.

अन्य शुल्कों में कोई बदलाव नहीं

आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिभार और अन्य शुल्कों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. जीएसटी लागू नियमों के अनुसार लिया जाएगा. किराया राउंडिंग सिद्धांत मौजूदा नियमों के अनुसार रहेंगे. संशोधित किराए 01.07.2025 को या उसके बाद बुक किए गए टिकटों पर लागू होंगे। इस तिथि से पहले जारी टिकट मौजूदा किराए पर मान्य रहेंगे. पीआरएस, यूटीएस और मैनुअल टिकटिंग सिस्टम को तदनुसार अपडेट किया जा रहा है. रेल मंत्रालय ने सभी जोनल रेलवे को संशोधित किराया संरचना के सुचारू कार्यान्वयन के लिए निर्देश जारी किए हैं. सभी स्टेशनों पर किराया प्रदर्शन को अपडेट करने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं.

कुम्हार बस्ती के विस्थापन विवाद पर त्रिपक्षीय वार्ता, सभी शर्तों पर बनी सहमति

शुभम संदेश। कतरास

बीसीसीएल एरिया-04 के कांटापहाड़ी में संचालित एएमपीएल आउटसोर्सिंग माइंस के विस्तार को लेकर उत्पन्न गतिरोध को सोमवार को आयोजित त्रिपक्षीय वार्ता के माध्यम से सुलझा लिया गया.

दरअसल, माइंस के समीप स्थित केशलपुर कुम्हार बस्ती, जो कि लगभग 100 वर्ष पुरानी है, उसके विस्थापन को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और बीसीसीएल प्रबंधन के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा था. कई बार यह विवाद हिंसक झड़पों में भी तब्दील हो चुका था. इसके अलावा, ग्रामीणों को पिछले दो दशकों से लगातार भूधसान की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी जान पर हमेशा खतरा मंडराता रहा है. इन सभी मुद्दों के समाधान हेतु कतरास पुलिस निरीक्षक मुकेश चौधरी की मध्यस्थता में बीसीसीएल प्रबंधन और ग्रामीणों के बीच त्रिपक्षीय वार्ता रामकनाली ओपी परिसर में आयोजित की गई. वार्ता के दौरान कुम्हार बस्ती के विस्थापन के लिए सोमवार से ही भूमि आवंटन प्रारंभ करने पर सहमति बनी. साथ ही विस्थापितों को विद्यालय, स्वास्थ्य सुविधा सहित सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने का भी आश्वासन दिया गया. विगत तनावपूर्ण स्थितियों के दौरान दर्ज मुकदमों पर पुनर्विचार करने पर भी दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी.

वार्ता के बाद कतरास पुलिस निरीक्षक मुकेश चौधरी और बीसीसीएल एरिया-04 के माइनिंग जीएम संजय सिंह ने बताया कि ग्रामीणों से सहमति प्राप्त होने के उपरांत माइंस विस्तार और प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर दिया जाएगा. साथ ही विस्थापन की प्रक्रिया भी अविलंब शुरू होगी. वहीं, ग्रामीणों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की वार्ता पहले भी कई बार हो चुकी है. हालांकि, आज की वार्ता से उम्मीदें जगी हैं, लेकिन जब तक विस्थापन की प्रक्रिया पूरी नहीं होती और सभी शर्तों को पूरा नहीं किया जाता, तब तक इसे पूर्ण सफलता नहीं माना जा सकता.

निरसा के भलजोरिया में भागवत कथा

निरसा। निरसा के भलजोरिया रोड में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन, सोमवार को कथावाचक उत्तम कृष्ण शास्त्री (वृंदावन) ने महात्मा विदुर की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया. कथावाचक ने कहा कि भगवान भक्त के प्रेम के भूखे होते हैं. उन्होंने कहा कि जब भगवान श्रीकृष्ण हस्तिनापुर आए, तो उन्होंने दुर्योधन के स्वादिष्ट भोज्य पदार्थों को ठुकराकर, विदुर जी के घर प्रेमपूर्वक साग का भोग लगाया. इससे यह स्पष्ट होता है कि भगवान भाव के भूखे होते हैं, पदार्थों के नहीं. उन्होंने यह भी कहा कि निष्काम प्रेमी भगवान को अत्यंत प्रिय होते हैं और मानव जीवन में निष्काम भक्ति को ही सर्वोच्च स्थान देना चाहिए. कार्यक्रम में आचार्य मनीष शर्मा ने पूजा-अर्चना संपन्न कराई. मुख्य यजमान के रूप में मधुसूदन गोराई और उनकी पत्नी संध्या रानी गोराई उपस्थित थे. कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे, जिन्होंने कथा का रसपान कर आत्मिक शांति का अनुभव किया.

डीएवी बनियाहीर में पर्यावरण स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

शुभम संदेश। झरिया

सोमवार को डीएवी बनियाहीर स्कूल परिसर में बीसीसीएल, लोदना क्षेत्र संख्या 10 के सौजन्य से बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विद्यालय मे बच्चों के लिए एक चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित की गयी. इस कार्यक्रम में लगभग चार सौ छात्र -छात्राओं ने भाग लिया. पर्यावरण संरक्षण व आधारभूत संसाधनों का संरक्षण विषय पर चित्रांकन प्रतियोगिता हुई. उपर्युक्त विषय पर छात्र -छात्राओं ने बड़ा ही सारगर्भित चित्र बनाकर प्रकृति संरक्षण में हमारी भूमिका को रेखांकित किया. बच्चों ने इस चित्रांकन प्रतियोगिता में अपने कौशल विवेक का प्रदर्शन किया. इस अवसर पर प्राचार्य सैयद एजाज़ अहमद ने उपस्थित शिक्षक और छात्र -छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का सरक्षण, संवर्धन अति आवश्यक हैं,तभी हमारा भविष्य और अस्तित्व सुरक्षित रहेगा.इस अवसर पर बीसीसीएल लोदना क्षेत्र संख्या 10 के सहायक कार्मिक प्रबंधक दीपक कुमार सिंह और राजभाषा विभाग, वरिष्ठ लिपिक श्री विश्वनाथ धीवर विशेष रूप से उपस्थित रहे.

ब्रीफ खबरें

झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग बना परेशानियों का सबब

चासनाला। चासनाला केके गेट स्थित झरिया सिंदरी मुख्य मार्ग इन दिनों बरसात के कारण जान लेवा साबित हो रहा है. बताते चले की ज्यादा बरसात होने के कारण पानी का बहाव सड़क पर होता है, जिससे आने जाने वाले सभी वाहनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. पैदल चलना भी दुश्वार हो चुका है. वाहन एक तरफा ही इस जगह से निकलना चाहते है. सड़क भी पानी के बहाव से कटता जा रहा है. जिस कारण कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की संभावना सड़क पर बनी रहती है. यह मार्ग पर लोगों के लिए परेशानियों का सबब बन गया है. जब की इसी सड़क मार्ग से अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों का आना जाना लगा रहता है.

मुहर्रमः तेतुलमारी में शांति समिति की बैठक

तेतुलमारी। तेतुलमारी थाना के प्रांगण में सोमवार को मुहर्रम त्योहार को लेकर शांति समिति सदस्यों की थाना प्रभारी विवेक चौधरी के अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में निर्णय लिया गया कि त्योहार के मौके पर निकलने वाली मुहर्रम के जुलूस को शांति व सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर सभी शांति समिति के सदस्यों को अपनी भागीदारी निभानी होगी. तजिया को लेकर कर्बला तक आने जाने के दौरान सभी लोग सहयोग करेंगे. बैठक में अवर निरीक्षक दुर्गेश सिंह, तुरण टोपनो, निर्वतमान पार्षद छोटू सिंह व बिरजू बाउरी, मुखिया अशोक ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि नरेश महतो, उपेंद्र प्रजापति, प्रेमा पांडेय, मदन ठाकुर, चंदन महतो, मनोज निषाद, राजू मल्लाह, बिक्रम निषाद, मो मोईन, मो नासिर आदि उपस्थित थे.

विस्थापितों ने प्रबंधन से की सामुदायिक भवन की मांग

चासनाला। भौंरा 4 नंबर के विस्थापितों ने सोमवार को बीसीसीएल ईजे एरिया के महाप्रबंधक से मुलाकात कर सामुदायिक भवन की व्यवस्था किए जाने की मांग की. विस्थापितों का कहना है कि उन्हें भौंरा भगत सिंह पार्क के समीप आवास में बसाया गया था, और उस समय बीसीसीएल प्रबंधन ने आश्वासन दिया था कि उन्हें एक सामुदायिक भवन या क्लब की सुविधा प्रदान की जाएगी. हालांकि कई साल बीत जाने के बावजूद इस वादे को अब तक पूरा नहीं किया गया है, जिससे स्थानीय लोग नाराज और आक्रोशित हैं. प्रतिनिधिमंडल ने महाप्रबंधक को एक मांग पत्र सौंपा और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सामुदायिक भवन की व्यवस्था नहीं की गई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी बीसीसीएल प्रबंधन की होगी. इस मौके पर ऊषा देवी, मनीषा कुमारी, प्रीति कुमारी, अंजली कुमारी, गीता देवी, रेशमी कुमारी, राधा कुमारी, पूनम सोनकर, प्रभा देवी और कृष्णा कुमार सहित अन्य स्थानीय निवासी उपस्थित थे.

सेवानिवृति पर डीआरएम ने किया सम्मानित

गोमो। खेसमी गांव निवासी गोमो रेलवे स्वस्थ केन्द्र में कार्यरत रेलकर्मी कर्मी महरू ठाकुर सोमवार रेलवे से सेवानिवृत्त हुए. उनके सेवानिवृति पर धनबाद रेल मंडल प्रबंधक अखिलेश कुमार मिश्रा द्वारा सम्मानित किया गया. रेलवे से सेवानिवृत्त के पश्चात अपने परिवार के साथ सकुशल एवं स्वस्थ रहने का शुभकामनाएं दी. गोमो रेलवे के पूर्व यार्ड मास्टर बी सी मंडल सहित गोमो रेलवे स्वास्थ केन्द्र कर्मियो ने भी स्वस्थ जीवन की कामना की है.

सीआईएसएफ की मौजूदगी में कोलियरी अभियंता की पिटाई

खास बातें

- दोनों पक्षों ने की तेतुलमारी थाना में शिकायत
- विरोध में अधिकारी संगठन ने इलाके के बिजली आपूर्ति को किया बाधित

शुभम संदेश। कतरास

बीसीसीएल एरिया-4 की वेस्ट मोदीडीह परियोजना में उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई जब कोलियरी इंजीनियर रितेश कुमार के साथ श्रमिक कॉलोनी के कुछ युवकों ने मारपीट कर दी. विरोध में अधिकारी संगठन ने इलाके के बिजली आपूर्ति को बाधित कर दिया. इस घटना के दौरान सीआईएसएफ के जवान मौके पर मौजूद होने के बावजूद मूकदर्शक बने रहे. वहीं युवकों ने अधिकारी पर गाली गलौज और जान मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है. मामले को लेकर दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ थाना में शिकायत की है.

इंजीनियर के खिलाफ पुलिस से शिकायत

इंजीनियर की पिटाई के मामले में वेस्ट मोदीडीह कोलियरी निवासी संजीत सिंह ने इंजीनियर रितेश कुमार सिंह के खिलाफ गाली-गलौज व मुकदमे में फंसाने, जान मारने की धमकी देने की लिखित शिकायत तेतुलमारी पुलिस को दी है. संजीत ने अपनी शिकायत में लिखा है कि बीते रात बिजली काटने पर हमने इंजीनियर रितेश कुमार सिंह को जब फोन किया तो उन्होंने अभद्रता करते हुए गाली-गलौज करते हुए मुझे झूठे मुकदमे में फसाने तथा धनबाद जाने पर जान मारने की धमकी दी.

घटना के संबंध में भुक्तभोगी इंजीनियर रितेश कुमार ने बताया कि क्षेत्र में विद्युत मरम्मत कार्य के लिए अंगारपथरा स्थित कोलियरी सब-स्टेशन से अस्थायी रूप से बिजली आपूर्ति रोकी गई थी. इसके बाद वेस्ट मोदीडीह श्रमिक कॉलोनी से लगभग 15 की संख्या में युवक सब-स्टेशन पहुंचे और पहले अमर्यादित व्यवहार करते हुए बहस करने लगे. विरोध करने पर उन्होंने उनके साथ मारपीट की.

घटना के बाद अधिकारी वर्ग में काफी आक्रोश है. पीड़ित इंजीनियर ने दोषियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की है. वहीं, अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं होती, क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की जाएगी.

भुक्तभोगी ने सीआईएसएफ की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं. उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पहले ही सीआईएसएफ को दे दी गई थी. सूचना के आधार पर सीआईएसएफ के जवान घटनास्थल पर पहुंचे जरूर, लेकिन उन्होंने कोई हस्तक्षेप नहीं किया और पूरी घटना के दौरान मूकदर्शक बने रहे.

मुहर्रम में आग और ट्यूबलाईट खेल पर मनाही

चासनाला। मुहर्रम के मद्देनजर पाथरडीह थाना परिसर में सोमवार को शांति समिति की एक बैठक आयोजित की गई. अध्यक्षता थाना प्रभारी अंशु कुमार झा तथा संचालन डीके तिवारी ने किया. बैठक में मुहर्रम पर्व भाईचारा के साथ शांतिपूर्ण ढंग से मनाने का निर्णय लिया गया. बैठक को सम्बोधित करते हुए थाना प्रभारी ने कहा कि मुहर्रम का अखाड़ा निर्धारित रूट से ही आने जाने की छूट होगी. जिला प्रशासन की गाईड लाईन पालन करते हुए मुहर्रम का अखड़ा निकाली जाएगी. जुलूस अखाड़ा के दौरान आग खेल एवं ट्यूब फोड़ने का अखाड़ा प्रदर्शन नहीं किया जाएगा. किसी भी शरारती तत्वों के बहकावे में आकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी करवाई की जाएगी. बैठक में सहायक अवर निरीक्षक दिलीप तिवारी, रामजी रवि, एस, तिर्की के अलावें अखाड़ा दल,नागरिकों में हारून शाह कादरी, नूर आलम, मो अकबर,हीरा नोनिया,मिस्टर मुबारक, सुधीर सिंह, सुभाष शर्मा, चीकू महतो, रज्जप अंसारी, बिनोद सिंह, संजीत सिंह, आसिम अंसारी, सलीम अंसारी, जावेद अंसारी, तालीम अंसारी, आदि उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

यात्री सुविधा के लिए सलाहकारी समिति संग रेल अधिकारियों की बैठक

महुदा। महुदा रेलवे स्टेशन स्थित सीवाईएम कार्यालय में सोमवार को महुदा रेलवे सलाहकार समिति के सदस्यों ने महुदा रेलवे के अधिकारियों के साथ मिलकर बैठक की. बैठक में महुदा स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को बढ़ाने तथा नए ट्रेनों के ठहराव आदि से संबंधित मांगों को चर्चा हुई. सलाहकार समिति के सदस्य सह भाजपा जिला उपाध्यक्ष धनेश्वर महतो ने कहा कि पुर्व में जो मांग पत्र दिया गया था, उसे ही फिर से भेजा गया है. रेल प्रबंधन ने अभी तक पूर्व की मांगों को पुरा नहीं किया है. इस संबंध में रेलवे अधिकारी चंद्र भूषण कुमार ने बताया कि बैठक में जो भी चर्चा हुई है उसे शीघ्र ही रेल प्रबंधन के समक्ष पहुंचाया जायेगा और उसका निराकरण करने का प्रयास किया जायेगा. स्मरण रहे कि इससे पुर्व के बैठक में सलाहकार समिति के सदस्यों ने महुदा रेलवे स्टेशन पर आनंद विहार, शालीमार एक्सप्रेस एवं नई दिल्ली से पुरी तक राजधानी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग किया था. इसके अलावे कई गाड़ियों के फेरे बढ़ाने, स्टेशन में यात्री सुविधाओं से संबंधित मांग पत्र रेलवे प्रबंधन सौंपा गया था. परंतु एक साल बित जाने के बाद भी इस पर रेल प्रबंधन ने कोई पहल नहीं किया. मौके पर सीआई चंद्र भुषण कुमार, एसएमआर एन के सिह, हरिलाल दास, जगेश्वर महतो आदि मौजूद थे.

3 जुलाई को मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर

झरिया। मारवाड़ी युवा मंच झरिया शाखा द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत गुरुवार, 3 जुलाई 2025 को मुफ़्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाना है. शिविर लाइफ लाइन हॉस्पिटल, सब्जी पट्टी, झरिया में प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगी. शिविर में जनरल हेल्थ एजामिनेशन, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और ब्लड ग्रुपिंग जैसी आवश्यक स्वास्थ्य जाँचें बिल्कुल निःशुल्क की जाएंगी. शाखा अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि सेवा ही संगठन का मूल मंत्र है. स्वास्थ्य के प्रति सजग समाज ही समृद्ध समाज की नींव रखता है. यह शिविर इसी दिशा में एक प्रयास है. मैं सभी नागरिकों से आग्रह करता हूं कि वे इस स्वास्थ्य सेवा का लाभ अवश्य उठाएं. लाइफ लाइन हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. ओ. पी. अग्रवाल ने कहा कि स्वस्थ शरीर ही सच्चा धन है. ऐसे आयोजन हमें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का अवसर देते हैं. विशेषकर महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों से अनुरोध है कि वे इस अवसर का भरपूर लाभ लें. मौके पर कार्यक्रम संयोजक दिनेश शर्मा ने बताया कि सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं. विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उपलब्ध रहेगी. स्वास्थ्य शिविर लाइफ लाइन हॉस्पिटल, झरिया के सौजन्य से आयोजित होगा. मंच ने आम जन से स्वास्थ्य की जांच शिविर का लाभ लेने की अपील की.

लोको पायलटो ने बनायी आंदोलन की रणनीति

गोमो। गोमो रेलवे के नियंत्रण कक्ष (क्रू लॉबी) में लोक पायलटों ने सोमवार को धनबाद रेल मंडल अलरसा कमिटी की बैठक कर रेल की तानाशाही नीतियों के खिलाफ चरणबद्ध विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया. कार्यकर्ताओं ने आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई. तय कार्यक्रम के अनुसार आगामी 9 जुलाई को क्रू लांबी में दो घन्टे धरना प्रदर्शन, 14 से 20 जुलाई तक बैच लगा कर विरोध सप्ताह, 25 जुलाई को मंडल कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन, एक अगस्त को 24 घन्टे का भूख हड़ताल करने का निर्णय लिया. अलरसा के जोनल संयुक्त सचिव आरआर प्रजापति ने बताया कि वर्तमान सरकार रेल कर्मचारियों के साथ तानाशाह रवैया अपनाए हुए हैं, रेल कर्मचारी शोषित हो रहे है. विभिन्न समस्याओं को लेकर बीते सालों से लगातार धरना प्रदर्शन कर सुधार की मांग की जा रही है, परंतु रेल सरकार पहल नहीं कर रही है. बाध्य हो सिलसिले वार विरोध प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ा रहा है.

पुरस्कार वितरण के साथ स्वच्छता पखवाड़ा संपन्न

निरसा बाजार। ईसीएल मुगमा क्षेत्र में चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा का समापन सोमवार को हुआ. समापन के दौरान निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता को ईसीएल मुगमा महाप्रबंधक ओपी चौबे ने सर्टिफिकेट व उपहार देकर सम्मानित किया. निंबध प्रतियोगिता में प्रथम साउथ प्वाइंट अकादमी के तनु कुमारी, द्वितीय न्यू शारदा अकादमी के रानो कुमारी , तृतीय न्यू पोपुलरअकादमी मुगमा के मनीषा कुमारी ने बाजी मारी. वहीं चित्रकांन प्रतियोगिता के सीनियर ग्रुप में प्रथम साउथ प्वाइंट अकादमी के स्मृती बाउरी, द्वितीय न्यू शारदा अकादमी के श्रुति कुमारी, तृतीय न्यू शारदा के रिषुराज ने बाती मारी. जुनियर ग्रुप में प्रथम न्यू शारदा अकादमी के खुशबु मुर्मू, द्वितीय महिमा कुमारी, तृतीय आरोही कुमारी सफल् हुए. प्रतियोगिता में मुगमा क्षेत्र के न्यू शारदा अकादमी, न्यू पोपुलर अकादमी, मुगमा व साउथ प्वांइट अकादमी के 60 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था. मौके पर ईसीएल ईसीएल मुगमा के पर्सनल मैनेजर बाबुलाल पांडेय, आनंदी चौहान, बबलू सिंह, जीवन बाउरी, विभाष मंडल उपस्थित थे.

निरसा क्षेत्र में धूमधाम से मना हूल दिवस

निरसा। निरसा क्षेत्र में हूल दिवस धूमधाम से मनाया गया. उक्त अवसर पर विभिन्न संगठनों द्वारा वीर सिदो-कान्हू,फूलो झानो की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनके बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया. सिदो कान्हू सेवा संस्था बेनागोड़िया की ओर से सिदो कान्हू छात्रावास प्रांगण स्थित सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. उक्त अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी हूल दिवस की प्रासंगिकता एवं पृष्ठभूमि को संबोधित करते हुए विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि वर्तमान समय में हूल दिवस की प्रासंगिकता और बढ़ जा रही है. आदिवासियों के जल जंगल एवं जमीन को हड़प्पा जा रहा है. आदिवासियों को अपनी पहचान कायम रखनी चाहिए. वहीं बड़ाईगढा सिद्धू कान्हू आदिवासी युवा मंच द्वारा हूल दिवस के अवसर पर आदिवासी पोशाक का फैशन शो, आदिवासी सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. विजेता प्रतिभागियों को विधायक अरूप चटर्जी ने सम्मानित किया.विचार संगोष्ठी को रामकनाली पंचायत के मुखिया सुकलाल मरांडी, श्रीकांत लाल टुडू, संजय कुमार मरांडी, ज्योति लाल मरांडी, सोनालाल मुर्मू, साहेब लाल टुडू, नकुल टुडू, बिनोद बिहारी हांसदा, जगदीश टुडू, प्रदीप मरांडी, लखीन्द्र मरांडी, हीरालाल टुडू, कल्याणी मरांडी, संतोष रविदास, परेश रविदास, राम दास ,परेश टुडू, शिवलाल सोरेन, मंटू मुर्मू इत्यादि ने भी अपने विचार रखें.

संकल्प एजुकेशन राजगंज में हूल दिवस का आयोजन

शिक्षा जगत में भी एक हूल की आवश्यकता : सहदेव महतो

शुभम संदेश। कतरास

सोमवार को विनोद बिहारी महतो जनजातिय कन्या उच्च विद्यालय राजगंज में हूल दिवस का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संस्थापक सचिव शंकर किशोर महतो ने सिद्धू कानू के चित्र पर मल्यार्पण कर किया. उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में सर्वप्रथम संथाल के प्रणेता के रूप में सिद्धू कानू के नेतृत्व में संघर्ष का आरंभ 30 जून 1855 को किया गया था. इस स्वतंत्रता संग्राम में सिद्धू कानू चाँद भैरव सहित सैकड़ो लोगों ने बलिदान दिया. संकल्प एजुकेशन के निदेशक सह जय धरती मां फाउंडेशन के जिला सचिव सहदेव महतो ने कहा कि आज शिक्षा का जो दुर्दशा है उसे ठीक करने के लिए शिक्षा जगत में भी एक हूल की आवश्यकता है जिससे गरीबों का जीवन परिवर्तित हो सके. कार्यक्रम में मुख्य रूप से संकल्प एजुकेशन के निदेशक सहदेव महतो, शिक्षक संतोष कुमार महतो, शुभम बाउरी ,इंद्र नारायण महतो, अयोध्या प्रसाद महतो ,रामेश्वर महतो, जितेंद्र प्रसाद महतो, शिव शंकर शर्मा, प्रिया देवी ,काजल देवी ,लक्ष्मी देवी, आशा देवी ,सुलेखा देवी ,गणिता देवी एवं संकल्प एजुकेशन तथा विनोद बिहारी महतो जनजातिय कन्या उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

झारखंड के वीर सपूतों सिद्धो और कान्हू का बलिदान नहीं भूला सकते: शत्रुघ्न महतो

शुभम संदेश। कतरास

भाजपा कतरास मंडल के द्वारा शाखाटाड में धूमधाम से हूल दिवस मनाया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो उपस्थित थे. सर्वप्रथम महापुरुषों के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. अपने संबोधन में विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि 30 जून 1855 को अंग्रेजी हुकूमत और ज़मींदारों के खिलाफ प्रथम आदिवासी विद्रोह का बिगुल फूंकने वाले झारखंड के वीर सपूतों सिद्धो और कान्हू के बलिदान को कभी भी भूलाया नहीं जा सकता है. हूल दिवस पर संथाल विद्रोह के अमर सेनानियों सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो एवं अन्य सभी ज्ञात-अज्ञात वीर-वीरांगनाओं ने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और हमें यह सिखाया कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष ही सच्ची देशभक्ति है. उनकी शौर्य गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को सदैव देशसेवा और आत्मबलिदान के पथ पर प्रेरित करती रहेंगी. कार्यक्रम के दौरान आदिवासी नृत्य संगीत का आयोजन किया.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कतरास भाजपा मंडल अध्यक्ष सूर्यदेव मिश्रा ने किया. मौके पर सुभाष राय, महेश पासवान, सूर्य देव मिश्रा, राजेश स्वर्णकर, श्रीकांत चटर्जी, अशोक उरांव, शुभम उरांव, कोका उराव, सुकरो देवी, चंदन मोदक, कृष्णा भुईयां, अशोक उराव, लकी महतो, संजय साहू, रामकुमार साहू, बबलू मिश्रा, विनय पासवान, रघुनाथ हजारी, मनोज लाल, उषा पटवा, कंचन चौरसिया, जानकी देवी, रीना देवी, आरती पासवान, रेखा देवी, रविंद्र विजन, नितेश सिंह, नितेश मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि विवेक हजारी, मुकेश भट्ट, रवि प्रसाद, भागीरथ महतो, संजय अग्रवाल, भोला शर्मा, प्रदीप गुप्ता, बिजेंदर मिश्रा, मुकेश झा, पिंटू दे ,सरोज विश्वकर्मा, समीर चक्रवर्ती, अर्जुन महतो सहित अन्य मौजूद थे.

संजय उद्योग की ब्लास्टिंग से मोहली बस्ती में हंगामा

- ग्रामीणों पर हमला, पुलिस जांच में जुटी

शुभम संदेश। मधुबन

बीसीसीएल के बरोरा एरिया-वन स्थित संजय उद्योग प्राइवेट लिमिटेड आउटसोर्सिंग परियोजना में सोमवार को हुई हैवी ब्लास्टिंग से एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया. फुलारीटांड़ स्थित मोहली बस्ती में ब्लास्टिंग के कारण उड़कर आए पत्थर के टुकड़े कई घरों पर गिरे, जिससे घरों की एलवेस्टर शीट में छेद और दीवारों में दरारें आ गईं. सौभाग्यवश कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ.इस घटना से आक्रोशित मोहली बस्ती के दर्जनों महिला-पुरुष संजय उद्योग के साइट पर पहुंचकर विरोध जताने लगे, जहां उनकी साइट इंचार्ज वीरेंद्र गोप से कहासुनी हो गई. ग्रामीणों का आरोप है कि वीरेंद्र गोप ने फुलारीटांड़ और आसपास के क्षेत्रों से पोषित गुंडों को बुलाकर लाठी-डंडों से हमला करवाया. बाद में सभी पीड़ित मधुबन थाना पहुंचे और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की.

सूचना मिलने पर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने मोहली बस्ती जाकर स्थिति का जायजा लिया. ग्रामीणों का कहना है कि पहले ब्लास्टिंग से पहले सायरन बजाया जाता था, पर अब बिना सायरन के ब्लास्टिंग की जाती है, जिससे खतरा बढ़ गया है. साथ ही कोयला खनन की वजह से पानी की स्तर नीचे चला गया है, जिससे कुएं और चापाकल सूख चुके हैं.

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जब-जब वे साइट प्रबंधन से शिकायत करने जाते हैं, तो उन पर हमला करवाया जाता है. उन्होंने बीसीसीएल से पुनर्वास और मुआवजे की मांग की है. साइट के महाप्रबंधक गौरी शंकर प्रसाद ने बताया कि दोपहर करीब ढाई बजे 25-30 ग्रामीण हाथ में लाठी-डंडा लेकर साइट पर गाली-गलौज करने पहुंचे और कर्मचारियों से उलझ गए. उन्होंने वीरेंद्र गोप पर लगे आरोपों को नकारते हुए कहा कि वह छुट्टी पर हैं और बीमार चल रहे हैं.

बीसीसीएल प्रबंधन का कहना है कि अधिकांश रैयत परिवारों को पहले ही दूसरे स्थान पर पुनर्वासित किया गया है, पर कुछ परिवार अपनी मर्जी की जगह बसाने की जिद पर अड़े हैं, जो संभव नहीं है.

हूल दिवस पर मंत्री रामदास सोरेन ने भोगनाडीह में वीर शहीदों को किया नमन

शुभम संदेश। साहिबगंज

सोमवार को बरहेट प्रखंड में झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा निबंधन विभाग के मंत्री रामदास सोरेन ने हूल दिवस समारोह के मुख्य कार्यक्रम में हिस्सा लिया. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 1855 में आज ही के दिन भोगनाडीह से अमर वीर शहीद सिद्धू-कान्हू के नेतृत्व में आदिवासियों ने अन्याय, शोषण और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था. उन्होंने कहा कि आज पूरा देश अपने इन महानायकों को नमन कर रहा है.

शहीदों के संघर्ष से प्रेरणा लेने का आह्वान : मंत्री सोरेन ने कहा कि यह प्रेरणा दिवस है और हमसभी को अपने अमर शहीद सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के इतिहास, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर अपने समाज और राज्य को मज़बूत बनाने का संकल्प लेना चाहिए. उनके आदर्शों के अनुरूप झारखंड को संवारना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी. मंत्री ने कहा कि झारखंड वीरों और शहीदों की धरती है. इस प्रदेश के कोने-कोने से अनेकों महानायक निकले हैं, जिन्होंने अन्याय-शोषण तथा गुलामी को स्वीकार नहीं किया. उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा, सभ्यता और जल, जंगल, जमीन बचाए रखने के लिए लंबा संघर्ष किया. ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उलगुलान कर अंग्रेजों की जड़ें हिला दीं. अपने संकल्प पर अडिग रहते हुए वे शहीद हो गए. इन पूर्वजों के बलिदान का ही परिणाम है कि आज हम सुरक्षित हैं.

सरकार की योजनाओं और विकास का जिक्र : मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार की नीतियाँ, कार्यक्रम और योजनाएँ घर-घर तक पहुँच रही हैं, जिससे राज्य विकास की राह पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आदिवासियों, मूलवासियों, गरीबों, मजदूरों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को सशक्त बना रही है. अपनी इन व्यवस्थाओं को मजबूत कर ही हम राज्य को नई दिशा और दशा दे सकते हैं. मंत्री ने जोर दिया कि सरकार की अनेकों योजनाएं हैं, जिनका लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है, चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, उद्योग, खेल या कोई अन्य सेक्टर हो. उन्होंने लोगों से इन योजनाओं से जुड़कर खुद को सशक्त बनाने के साथ-साथ राज्य के विकास में भागीदार बनने का भी आह्वान किया.

वंशजों का सम्मान और श्रद्धांजलि : इस अवसर पर झारखंड सरकार के मंत्री और अन्य अतिथियों द्वारा मुख्य मंच पर सिद्धू-कान्हू के वंशजों बड़ा मंडल मुर्मू, भादो मुर्मू, छोटू मुर्मू, ऐन्जेला किस्कू, सोनामुनी सोरेन, भागवत मुर्मू, प्रधान मुर्मू एवं अन्य को उपहार देकर सम्मानित किया गया. इससे पहले, मंत्री, सांसद और विधायक ने पंचकठिया स्थित शहीद स्थल एवं भोगनाडीह पार्क में सिद्धू-कान्हू को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर मौजूद प्रमुख व्यक्तियों में सांसद राजमहल विजय कुमार हांसदा, विधायक बोरियो धनंजय सोरेन, विधायक राजमहल मोहम्मद ताजुद्दीन, जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू, पंकज मिश्रा, उपायुक्त हेमंत सती, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, डीडीसी सतीश चंद्रा, अपर समाहर्ता गौतम भगत, परियोजना पदाधिकारी संजय कुमार समेत कई पदाधिकारी शामिल थे.

गोड्डा में हूल दिवस पर डीसी-एसपी ने वीर सपूत सिद्धू-कान्हू को किया नमन

गोड्डा। स्थानीय कारगिल चौक, गोड्डा के समीप हूल दिवस के अवसर पर उपायुक्त अंजली यादव और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने वीर सपूत सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया. कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने बताया कि सिद्धू-कान्हू ने आदिवासी तथा गैर-आदिवासियों को अंग्रेज व महाजनों के अत्याचार से आज़ाद कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. सिद्धू-कान्हू ने वर्ष 1855-56 में ब्रिटिश सत्ता, साहूकारों, व्यापारियों व ज़मींदारों के अत्याचारों के खिलाफ विद्रोह की शुरुआत की थी, जिसे संथाल विद्रोह या हूल आंदोलन के नाम से जाना जाता है. इस मौके पर उप विकास आयुक्त दीपक कुमार दुबे, डिविजनल फॉरेस्ट ऑफ़िसर पवन बाघ, अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, जिला सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी अभय कुमार झा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण राम, नगर प्रशासक आशीष कुमार, जिला खेल पदाधिकारी डॉ. प्राण महतो, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक दीपक कुमार, अंचलाधिकारी ऋषि राज सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं जिला नजारत विभाग के कर्मीगण मौजूद थे.

हूल दिवस पर डीसी-एसपी ने बोकारो पुलिस लाइन में शहीदों को दी श्रद्धांजलि

बोकारो। सोमवार को हूल दिवस के अवसर पर उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह ने सेक्टर 12 स्थित पुलिस लाइन के शहीद बेदी पर पुष्प अर्पित कर हूल क्रांति के महानायक सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, संथाल विद्रोह के सभी वीर सेनानियों और शहीद पुलिस जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया. इस मौके पर डीसी ने कहा कि वर्ष 1855 में शुरू हुआ संथाल हूल विद्रोह भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक अत्यंत प्रेरणादायक अध्याय है. यह आंदोलन न केवल ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक था, बल्कि सामाजिक अन्याय और शोषण के खिलाफ उठी जनजातीय चेतना की एक सशक्त अभिव्यक्ति भी थी. उन्होंने कहा कि सिद्धू-कान्हू और उनके साथियों ने अद्वितीय साहस, संगठन और आत्मबल के साथ संघर्ष किया. उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सत्य, स्वतंत्रता और न्याय की राह पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा. वहीं, डीसी-एसपी ने आमलोगों से आह्वान किया कि वे हूल क्रांति के मूल्यों को आत्मसात करते हुए समाज में समानता, सद्भाव और न्याय की भावना को आगे बढ़ाएं.

झामुमो जिला कार्यालय में मना हूल दिवस, शहीदों को किया नमन

गिरिडीह। हूल दिवस के अवसर पर सोमवार को झामुमो जिला कार्यालय में भी हूल दिवस मनाया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने की. इस अवसर पर संजय सिंह ने कहा कि हूल दिवस मनाने की परंपरा 1855 से शुरू हुई थी. आज ही के दिन, 170 साल पहले, दुमका के भोगनाडीह गांव में सिद्धू, कान्हू और चांद भैरव के नेतृत्व में हूल क्रांति की शुरुआत हुई थी. यह आंदोलन शुरू में शोषक महाजनों के खिलाफ था, जो बाद में क्रूर पुलिसिया दमन के बाद ब्रिटिश शासन के खिलाफ क्रांति में बदल गया. इस क्रांति में 20 हजार लोगों ने बलिदान दिया था. झारखंड के इन्हीं वीर सपूतों के बलिदान को हर साल 30 जून को हूल दिवस मनाकर नमन किया जाता है. इसे संथाल हूल भी कहा जाता है. इस कार्यक्रम में प्रमिला मेहरा, राकेश सिंह रॉकी, मो. जाकिर, कृष्ण मुरारी शर्मा, अभय सिंह, राकेश रंजन, मो. तूफान, राकेश कुमार सिंह (तुन्ना), मो. डब्लू, बृजमोहन तुरी, आनंद मिश्रा, राहुल कुमार, शिवम आजाद, मो. महबूब, अनूप सिंह, अनवर अंसारी, रामदेव वर्मा, मो. नूरुल, मो. नसीम, अनुभव सिंह, लेखो मंडल सहित कई साथी उपस्थित रहे.

पीरटांड़ के मोनाटांड में हूल दिवस समारोह

गिरिडीह। आदिवासी एकता समिति द्वारा गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र के पीरटांड़ प्रखंड के मोनाटांड में हूल दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इसमें भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेश साव ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की. कार्यक्रम की शुरुआत सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा की विधिवत पूजा-अर्चना और पारंपरिक नृत्य से हुई. इस अवसर पर कमेटी के सदस्यों ने सुरेश साव का गर्मजोशी से स्वागत किया. सुरेश साव ने पीरटांड़ प्रखंड की सभी पंचायतों के आदिवासी समाज के प्रमुख नेताओं को सम्मानित भी किया. इस मौके पर बिट्टू टुडू, संतोष सोरेन, विमल सोरेन, जालेश्वर बेसरा, बीरबल किस्कू, सुरेंद्र बेसरा, सरकल हेम्ब्रम, मिरू लाल मुर्मू, राजेश टुडू, शंभू सिंह, अतवारी हेम्ब्रम, अंबुज मोदक, रिंकी देवी, राजेश जायसवाल, राजेश गुप्ता, इनोद साव, प्रदीप शर्मा, जगदीश साव सहित कई लोग मौजूद रहे.

कांग्रेस कमिटी ने सिद्धू-कान्हू को किया याद

गोड्डा। स्वतंत्रता की लड़ाई में अंग्रेजों के खिलाफ बिगुल फूंकने वाले शहीद आदिवासी भाइयों सिद्धू-कान्हू को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धापूर्वक याद किया गया. कारगिल चौक स्थित सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा आजादी के महानायक अमर शहीद सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. माल्यार्पण कार्यक्रम में मुख्य रूप से राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य हाजी इकरारूल हसन आलम, राजीव मिश्रा, कुंदन ठाकुर, सोनी सिंह, सुशीला देवी, जितेंद्र यादव, शंकर सिंह, प्रियव्रत झा, इब्राहिम अंसारी सहित अन्य ने भी श्रद्धांजलि देते हुए वीर पुरुष सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. इस अवसर पर कांग्रेस सोशल मीडिया ज़िला चेयरमैन इफ्तेखार अंसारी भी मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

कूलिंग पॉन्ड से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

बोकारो। सेक्टर नौ के बसंती मोड़ स्थित कूलिंग पॉन्ड से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है. घटनास्थल पर पहुंचे हरला थाना इंस्पेक्टर अनिल कश्यप ने बताया कि मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट या जख्म के निशान नहीं मिले हैं, इसलिए यह हत्या प्रतीत नहीं हो रहा है. मौत का असली कारण क्या है, यह जांच के बाद ही बताया जा सकेगा. उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है. आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है, ताकि मृतक की पहचान की जा सके.

वरीय महिला कर्मचारी सविता देवी सेवानिवृत्त

बोकारो। डीएवी सेक्टर-4 में पिछले 35 वर्षों से कार्यरत वरीय महिला कर्मचारी सविता देवी सोमवार को अपनी सेवाकाल पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गईं. इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा उन्हें शॉल, स्मृति चिन्ह और अन्य उपहार देकर सम्मानित किया गया. प्राचार्य एस.के. मिश्रा ने अपनी सेवाओं के दौरान उनकी निष्ठा और कार्य के प्रति लगनशीलता के लिए उन्हें धन्यवाद दिया. साथ ही, उन्होंने सेवाकाल के बाद उनके सुखमय और निरोग जीवन की कामना की.

मिनी कपूर बनीं रोटरी मिडटाउन की अध्यक्ष

बोकारो। रोटरी इंटरनेशनल के नए वर्ष की शुरुआत एक जुलाई से हो रही है और इसी के साथ रोटरी क्लब ऑफ बोकारो मिडटाउन कपल्स ने अपने नए सत्र की घोषणा कर दी है. रोटेरियन मिनी स्टीफन कपूर को अध्यक्ष, मोहित अग्रवाल को सचिव और उमा त्रेहान को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है. यह नई टीम सेवा और समाज कल्याण की दिशा में नए संकल्पों के साथ कार्य करेगी.

विधायक का आज लगेगा जनता दरबार

जमुआ (गिरिडीह)। देवरी प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार 1 जुलाई को जमुआ की बीजेपी विधायक डॉ. मंजू द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया है. इस दौरान जनता की समस्याओं को सुनकर उनका तुरंत समाधान किया जाएगा. जनता दरबार में अंचल और प्रखंड कार्यालय के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहेंगे, जहाँ विधायक डॉ. मंजू लोगों की समस्याओं से रूबरू होंगी.

तंबाकू निषेध जागरुकता अभियान

बोकारो। डीएवी सेक्टर-4 में सोमवार को तंबाकू निषेध जागरुकता अभियान चलाया गया, जिसका उद्देश्य बच्चों को तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसानों और उसके दुष्परिणामों से परिचित कराना था. इस दौरान विभिन्न नशीले पदार्थों से बचाव के उपाय भी बताए गए. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एस.के. मिश्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम आज की युवा पीढ़ी और समाज के अन्य आयु वर्गों के लोगों को नशे से दूर करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया. उन्होंने जोर दिया कि स्वास्थ्य विकास की कुंजी है और एक स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करता है.

शिवप्रिया इस्पात उद्योग के घायल श्रमिक की मौत

- परिजन को मिला 15 लाख मुआवजा

शुभम संदेश। बोकारो

बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवप्रिया इस्पात उद्योग में रविवार सुबह हुए हादसे में गंभीर रूप से घायल श्रमिक अखिल कुमार (पिता अजीत कुमार कश्यप, ग्राम बंगा, प्रखंड पेटरवार) का उपचार के दौरान रविवार देर रात बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में निधन हो गया. जिला प्रशासन की पहल पर श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार और थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह की देख-रेख में मृतक श्रमिक के परिजनों को वर्कमैन कंपनसेशन एक्ट 1923 के तहत 15 लाख रुपये की मुआवजा राशि और अंतिम संस्कार हेतु तत्काल सहायता के रूप में 50 हजार रुपये दिए गए. उधर, उपायुक्त अजय नाथ झा ने दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत श्रमिक के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है. उल्लेखनीय है कि शिवप्रिया इस्पात उद्योग में उत्पादन के दौरान रविवार सुबह ब्लास्ट फर्नेस में अचानक विस्फोट हो गया था, जिसमें दो श्रमिक बुरी तरह झुलस गए थे. घटना की सूचना मिलते ही घायलों को बीजीएच लाया गया, जहाँ उपचार के दौरान अखिल कुमार ने देर रात दम तोड़ दिया. वहीं, एक अन्य श्रमिक का उपचार अभी भी जारी है. भाजपा नेता विवेक सिंह ने उद्योग के प्रोपराइटर से फोन पर संपर्क कर घायलों को उचित इलाज और उनके परिवार की देखरेख संबंधित बात की. विवेक ने मृत श्रमिक के प्रति संवेदना भी व्यक्त की.

जिला प्रशासन ने जोसेफ को उपलब्ध कराया खाद्यान्न

बोकारो। चास प्रखंड के बिरसा बासा निवासी जोसेफ की भूख और संकट से जुड़ी खबर मीडिया में प्रसारित होते ही उपायुक्त अजय नाथ झा ने तत्काल इसका संज्ञान लिया. उनके निर्देश पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) ने जोसेफ को तुरंत खाद्यान्न सामग्री उपलब्ध कराई, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा न हो. उपायुक्त ने स्पष्ट कहा है कि जिले में कोई भी व्यक्ति भूख से पीड़ित न हो, इसके लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सजग और संवेदनशील है. उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जरूरतमंदों की पहचान कर उन्हें समय पर सहायता उपलब्ध कराई जाए. उपायुक्त ने आम जनता से अपील की है कि यदि उनके आस-पास कोई जरूरतमंद या असहाय व्यक्ति हो, तो संबंधित प्रखंड कार्यालय या नियंत्रण कक्ष को तत्काल सूचना दें, ताकि उसे आवश्यक सहायता प्रदान की जा सके.

न्यूज अपडेट

खड़े ट्रक से स्कूटी टकराई, युवक की मौत

डुमरी। निमियाघाट थाना क्षेत्र के हेठनगर के समीप जीटी रोड पर रविवार रात एक खड़े ट्रक से एक स्कूटी की हुई टक्कर में स्कूटी में सवार युवक की मौत हो गई. वहीं स्कूटी में सवार युवती गंभीर रूप से घायल हो गई. युवती का इलाज धनबाद के एक निजी अस्पताल में चल रहा है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के गाल्होबार निवासी विवेक मिश्रा और उसी गांव की सुमन कुमारी स्कूटी से धनबाद की ओर से डुमरी की ओर जा रहे थे. इसी दौरान हेठनगर के समीप सड़क पर खड़े एक ट्रक के पीछे स्कूटी की टक्कर हो गयी. इस दुर्घटना में विवेक मिश्रा और सुमन कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को 108 एम्बुलेंस से एसएनएमसीएच इलाज के लिये भेज दिया, जहां विवेक मिश्रा 22 की मौत हो गई. वहीं गंभीर हालत को देखते हुए परिजनों ने सुमन को एसएनएमसीएच से धनबाद के एक निजी अस्पताल ले जाया गया. जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. घटना के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया.

चास रोटरी की नई कमेटी गठित, डिंपल बनीं अध्यक्ष

बोकारो। एक जुलाई से रोटरी क्लब चास की नई टीम डिंपल कौर के नेतृत्व में कार्यभार संभालेगी. अध्यक्ष पद पर डिंपल कौर, सचिव के रूप में श्वेता रस्तोगी और कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी आनंद अग्रवाल को दी गई है. निदेशक मंडल में संजय बैद, बिनोद चोपड़ा, मुकेश अग्रवाल, पूजा बैद, डॉ. परिंदा सिंह, डॉ. श्रवण, डॉ. सुमन, मंजीत सिंह, विपिन अग्रवाल, कुमार अमरदीप, बिनय सिंह, हरबंस सिंह, केंडी टबोडा को शामिल किया गया है. नरेंद्र सिंह को जिला 3250 की जिलापाल नम्रता द्वारा सहायक मंडलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है. नवनिर्वाचित अध्यक्ष डिंपल कौर ने कहा कि वह और उनकी टीम एक सकारात्मक सोच के साथ जरूरतमंद लोगों के जीवन में परिवर्तन और जागरुकता लाने का प्रयास करेगी. निवर्तमान अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा एवं सचिव मुकेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से नई टीम को बधाई देते हुए कहा कि डिंपल कौर के नेतृत्व में रोटरी क्लब चास सेवा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा.

ललमटिया कोलियरी के पांच कर्मचारी सेवानिवृत्त

ललमटिया। सोमवार को ईसीएल की राजमहल परियोजना अंतर्गत ललमटिया कोलियरी में कार्यरत पांच कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने पर उनके सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई. राजमहल परियोजना के एरिया कार्यालय में ईसीएल के परचेज विभाग से सेवानिवृत्त हुए बिमलेश कुमार सिंह को समारोहपूर्वक विदाई दी गई. राजमहल परियोजना के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक चरणजीत सिंह ने उन्हें माला पहनाकर और उपहार देकर सम्मानित किया. इस अवसर पर कार्मिक प्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि सरकारी सेवा में एक दिन सभी को सेवानिवृत्त होना पड़ता है और यह क्षण दुखदाई होता है. राजमहल परियोजना के ओसीपी कार्यालय के सभागार में ईसीएल के चार अन्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी समारोहपूर्वक सम्मान के साथ महाप्रबंधक सतीश मुरारी ने विदाई दी. उन्होंने सेवानिवृत्त अधिकारियों को माला पहनाकर और उपहार देकर सम्मानित किया. सेवानिवृत्त होने वालों में बिमलेश कुमार सिंह, विनोद कुमार जायसवाल, मकसूद आलम, सुकुमार लोहार, बच्चा मुर्मू शामिल हैं. इस मौके पर ओसीपी मैनेजर ओपी चौधरी, कार्मिक प्रबंधक ओबीसी, प्रवीण पंडित, प्रेमलाल मुर्मू, विजय कुमार, रामनाथ पंडित सहित कई अन्य उपस्थित थे.

डाक सेवा की गाड़ी से 54 पेटी शराब जब्त, चालक गिरफ्तार

शुभम संदेश। बोकारो

शराब माफिया बिहार में अवैध शराब पहुंचाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं. सोमवार को बालीडीह पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक डाक सेवा की गाड़ी से भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की है, जिसे बिहार में खपाने की योजना थी. शराब को चालाकी से डाक वाहन में लोड कर बिहार भेजने की कोशिश की जा रही थी, ताकि पुलिस को चकमा दिया जा सके. लेकिन, सतर्क पुलिस टीम ने समय रहते वाहन को पकड़ लिया. पुलिस ने बताया कि गाड़ी में 54 पेटी पंजाब निर्मित विभिन्न ब्रांडों की शराब लदी हुई थी. पुलिस ने वाहन चालक को मौके से गिरफ्तार कर लिया है और उससे गहन पूछताछ जारी है. प्रारंभिक पूछताछ में यह सामने आया है कि शराब की खेप एक संगठित गिरोह के निर्देश पर भेजी जा रही थी. इस बरामदगी के बाद पुलिस अब पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है. वहीं, शराब माफियाओं के खिलाफ आगे की कार्रवाई के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है.

मुख्य सचिव और नगर विकास मंत्री ने उसरी वाटरफॉल का लिया जायजा

शुभम संदेश। गिरिडीह

राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी और नगर विकास मंत्री सुदिव्य सोनू, डीसी रामनिवास यादव, एसपी डॉ. विमल कुमार, डीएफओ मनीष तिवारी, डीडीसी स्मृति कुमारी सहित कई अधिकारी सोमवार को गिरिडीह-धनबाद रोड स्थित उसरी वाटरफॉल पहुँचे. उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया. मुख्य सचिव और मंत्री ने वाटरफॉल का जायजा लिया और इसकी प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की. इसके बाद मुख्य सचिव खंडोली डैम पर्यटन स्थल भी गईं, जहाँ उन्होंने खंडोली डैम की पेयजल आपूर्ति योजना का भी अवलोकन किया.

उसरी वाटरफॉल में पर्यटन की अपार संभावनाएं : पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कहा कि उसरी वाटरफॉल में पर्यटन की ढेर सारी संभावनाएं हैं, खासकर इकोटूरिज्म की तो बेहद अधिक हैं. उन्होंने बताया कि सूबे के मंत्री वाटरफॉल में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं और कई बड़े प्रोजेक्ट लाने की तैयारी में हैं.

सम्मेद शिखर मधुबन पर समीक्षा की आवश्यकता : वहीं, जैन समाज के तीर्थस्थल सम्मेद शिखर मधुबन को लेकर मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कुछ भी कहने से इनकार करते हुए कहा कि अभी मधुबन को लेकर समीक्षा किया जाना जरूरी है कि और क्या बेहतर प्लान किया जा सकता है, क्योंकि मधुबन खुद में बहुत सुंदर है. इस दौरान एडिशनल कलेक्टर विजय सिंह विरुआ सहित कई अन्य अधिकारी भी वाटरफॉल में मौजूद थे.

हूल दिवस पर दहेज मुक्त 'आदर्श विवाह'

श्याम नंदन सिन्हा

डुमरी (गिरिडीह)। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह के प्रतीक हूल दिवस के अवसर पर डुमरी में एक दहेज मुक्त विवाह (आदर्श विवाह) का आयोजन किया गया. यह विवाह अनुमंडल कार्यालय परिसर स्थित जिला परिषद के गेस्ट हाउस प्रांगण में संपन्न हुआ. पुरोहित अशोक पासवान ने विवाह संपन्न कराया. वर पक्ष और वधू पक्ष का स्वागत बिगन महतो झुमर टीम द्वारा झुमर गायन से किया गया. आदर्श विवाह के लिए वर पक्ष की ओर से पंडाल और अन्य व्यवस्था की गई थी. बगोदर थाना क्षेत्र के घंघरी निवासी और भाकपा माले नेता पुरन महतो व द्रौपदी देवी के छोटे पुत्र धनंजय कुमार महतो का विवाह डुमरी थाना क्षेत्र के कल्हाबार निवासी स्वर्गीय कैलाश महतो व मसोमात मोहनी की दूसरी पुत्री कुमारी आरती के साथ हुआ. श्री महतो ने बताया कि इस विवाह में कन्या पक्ष से वर पक्ष ने न तो कोई दहेज लिया और न ही कोई साजो-सामान. उन्होंने कहा कि कन्या पक्ष को विवाह के लिए कोई भी राशि खर्च नहीं करनी पड़ी. उन्होंने दहेज रूपी कुरीति और अनावश्यक तामझाम को समाप्त करने का संदेश देने के उद्देश्य से अपने पुत्र का दहेज मुक्त विवाह किया. उन्होंने समाज के प्रबुद्धजनों से भी ऐसे विवाह के लिए आगे आने की अपील की, ताकि दहेज व अन्य खर्चीली दिखावटी शादियों का प्रचलन बंद हो और बेटियों को जन्म लेने से पहले ही मारने की सोच पर भी अंकुश लगे. उन्होंने कहा कि बेटियाँ बोझ नहीं, बल्कि घर की खुशहाली व संपन्नता की प्रतीक होती हैं. शाम 5 बजे से शुरू हुए इस आदर्श विवाह उत्सव में पूर्व विधायक विनोद सिंह, पूर्व विधायक राजकुमार यादव, शिक्षाविद अशोक यादव, बीस सूत्री अध्यक्ष डेगलाल महतो, सामाजिक कार्यकर्ता दुर्योधन महतो सहित क्षेत्र के दर्जनों प्रबुद्ध जन और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे. इस दौरान माले नेता परमेश्वर महतो, मुखिया नूरुद्दीन अंसारी, झाएकिमयू केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो, युवा कांग्रेस के जिला महासचिव गुड्डु मलिक, माले प्रखंड सचिव नागेश्वर महतो, पुरोहित अशोक पासवान, भाजपा नेता निर्मल जायसवाल, कुविमो के कार्यकारी केंद्रीय अध्यक्ष थानेश्वर महतो, रामचंद्र महतो, जगरनाथ ठाकुर आदि सैकड़ों महिला-पुरुष व जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे.

हीरोडीह को नया प्रखंड बनाने की प्रशासनिक तैयारी शुरू

- धोथो पंचायत के ग्रामीण ने किया विरोध

शुभम संदेश। जमुआ (गिरिडीह)

हीरोडीह को नया प्रखंड बनाने की प्रशासनिक तैयारियां चल रही है, जिसमें जमुआ और देवरी प्रखंड के कई पंचायत शामिल किए जा रहे हैं. जमुआ प्रखंड के जिन पंचायतों को हीरोडीह में शामिल किया जा रहा है, उनमें शाली, बदडीहा 1, चुंगलखार, रेम्बा, पाण्डेयडीह, पालमो, और धोथो शामिल हैं. हालांकि, जमुआ प्रखंड मुख्यालय से धोथो पंचायत के कुछ गांव नजदीक होने के कारण वहां के स्थानीय ग्रामीण हीरोडीह प्रखंड से जुड़ना नहीं चाहते हैं. धोथो पंचायत के सैनअहरी, कवईटांड, दोनवाघाट, कोठवाटांड, दरियाडीह, लाहांगिया, कारोडीह और नऊवाशेर के निवासी आंदोलन करने को तैयार हैं. ग्रामीण हर हाल में जमुआ प्रखंड में ही रहने के लिए आंदोलन करेंगे. उनका कहना है कि भौगोलिक दृष्टि से भी यह क्षेत्र जमुआ प्रखंड के लिए ही उपयुक्त है और शेष पंचायतों के लोग भी जमुआ में ही रहने की सहमति जता रहे हैं. ग्रामीण मनोज वर्मा, अधीर वर्मा, जागेश्वर महतो, कैलाश यादव, जितेंद्र सिंह, यैनुल अंसारी, असगर अंसारी, शंकर यादव, पिंटू मंडल, दामोदर वर्मा, राजेंद्र वर्मा, टिकैत वर्मा सहित कई लोगों ने इस कदम का विरोध जताया है.

जमुआ को अनुमंडल बनाने की मांग फिर हुई तेज

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ को अनुमंडल बनाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ रही है. सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद एसरार आलम ने इसके लिए एक सर्वदलीय कमेटी बनाने की अपील की है. उन्होंने कहा कि जमुआ, देवरी और तिसरी प्रखंडों को मिलाकर एक नया अनुमंडल बनाया जाना चाहिए. यह मांग पिछले 30 वर्षों से उठ रही है और अब एक बार फिर इसकी आवाज बुलंद हो रही है. एसरार आलम ने तर्क दिया कि यहां की भौगोलिक स्थिति और जनसंख्या एक अनुमंडल के लिए पूरी तरह उपयुक्त है. वर्तमान में लोगों को अनुमंडल कार्यालय जाने के लिए 50 से 60 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है. इससे समय, पैसा और मेहनत तीनों की बर्बादी होती है. उन्होंने बताया कि 2011 की जनगणना के अनुसार, इन तीनों प्रखंडों की कुल आबादी लगभग 5 लाख 60 हजार थी. अब यह संख्या बढ़कर साढ़े 6 लाख तक पहुंचने का अनुमान है.

ब्रीफ खबरें

रांची-बनारस-रांची एक्सप्रेस में बढ़ा एक स्लीपर कोच

धनबाद। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर उनके सुगम आवागमन हेतु दिनांक 01.07.25 से रांची से खुलने वाली गाड़ी सं. 18611 रांची-बनारस एक्सप्रेस एवं दिनांक 02.07.25 से बनारस से खुलने वाली गाड़ी सं. 18612 बनारस-रांची एक्सप्रेस ट्रेन को 06 शयनयान श्रेणी कोचों के स्थान पर 07 शयनयान श्रेणी कोचों के साथ चलाया जाएगा जिसके परिणामस्वरूप तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 01 कोच, शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 06 कोच होंगे.

बरवाअड्डा में शांति समिति की बैठक

बरवाअड्डा। मुहर्रम के मद्देनजर सोमवार को बरवाअड्डा थाना में थाना प्रभारी रजनीकांत की अध्यक्षता में बैठक हुई. डीएसपी शंकर कामती शामिल हुए. बैठक में जनप्रतिनिधियों, शांति समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ शांतिपूर्ण तरीके से मुहर्रम संपन्न कराने के लिए चर्चा की गयी. जनप्रतिनिधियों एवं सदस्यों ने जीटी रोड खरनी से पंडुकी तक सर्विस लेन में अवैध पार्किंग पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की.

अंतरजिला ट्रक चोर गिरोह का पर्दाफाश, दस लाख नकद समेत भारी मात्रा में सामान बरामद

- दो ट्रकों के कटे हुए पार्ट्स सहित कटर मशीन, सिलेंडर आदि जब्त
- कुल छह गिरफ्तार, अन्य के लिए छापामारी जारी

शुभम संदेश। गोविंदपुर

गोविंदपुर पुलिस ने अंतर-जिला ट्रक चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने इनके पास से 10 लाख 5 हजार नकद, दो ट्रकों के कटे हुए पार्ट्स, तीन कटर मशीन, एक एलपीजी सिलेंडर, एक ऑक्सीजन सिलेंडर, तीन कटिंग साइलेंसर, और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं. यह गिरोह धनबाद के विभिन्न क्षेत्रों से ट्रक चोरी कर उन्हें पाकुड़ जिले में ले जाकर पार्ट्स में काटकर स्क्रैप के रूप में बेचता था. इस गिरोह के तीन सदस्य पहले ही 16 जून को गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं. उनकी निशानदेही पर गोविंदपुर पुलिस ने बलियापुर और पाकुड़ में छापेमारी कर गिरोह के तीन और सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें मंगलवार को जेल भेजा जाएगा. डीएसपी शंकर कामती और थाना प्रभारी विष्णु प्रसाद रावत ने बताया कि इस गिरोह से जुड़े अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं.

धनबाद में चोरी कर पाकुड़ में रजीबुल को ट्रक बेचता था गिरोह

गोविंदपुर थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीएसपी शंकर कामती और थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर विष्णु प्रसाद रावत ने बताया कि थाना क्षेत्र में ट्रक चोरी से संबंधित तीन प्राथमिकी—कांड संख्या 238/2025 (दिनांक 2 मई 2025), कांड संख्या 283/2025 (दिनांक 1 जून 2025), और कांड संख्या 306/2025 (दिनांक 14 जून 2025) दर्ज की गई थीं. इनमें से कांड संख्या 306/2025 के तहत 16 जून को कार्रवाई कर तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर ट्रक भी बरामद किया गया था. गिरफ्तार अपराधियों में श्यामलाल महतो, पिता स्व. रघु महतो, अजय कुमार महतो, पिता श्यामलाल महतो, निवासी बाघमारा, सरैया भीठा, बाबूलाल महतो, पिता अमृतलाल महतो, निवासी समलापुर, थाना पाथरडीह, बलियापुर शामिल है. पूछताछ में इन अपराधियों ने बताया कि गिरोह का मास्टरमाइंड मुख्तार अंसारी, पिता कुर्बान अली अंसारी, निवासी दूधिया, बलियापुर तथा दिलीप ठाकुर उर्फ विवेक बनर्जी, पिता अजीत मुखर्जी, निवासी सिंदूरपुर, बलियापुर थाना क्षेत्र हैं. यह गिरोह चोरी के ट्रकों को पाकुड़ के रजीबुल शेख, पिता आबुल कासिम शेख, निवासी पृथ्वीनगर, थाना नगर को बेच देता था. टीम ने बलियापुर में मुख्तार अंसारी और दिलीप ठाकुर को गिरफ्तार करने के बाद पाकुड़ में स्थानीय पुलिस के सहयोग से रजीबुल शेख को उसके दोमंजिला मकान से पकड़ा. उसके कबाड़ी गोदाम में छापेमारी के दौरान ट्रक संख्या जेएच-10एबी-6648 और जेएच-09पी-6361 के कटे हुए पार्ट्स, नकद राशि, वाहन के दस्तावेज, डीजल टंकी, ड्राइविंग सीट, एयर बॉक्स, इंजन, डिफेंडर, एलपीजी व ऑक्सीजन सिलेंडर, कटिंग बॉडी पार्ट्स और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर थाना प्रभारी विष्णु कुमार रावत के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया, जिसमें दरोगा शैलेन्द्र कुमार, दिनेश कुमार मेहता, सुमन कुमार और आरक्षी गणेश महतो शामिल थे.

श्रावणी मेला में बाबा विश्वनाथ सेवा समिति लगाएगी सेवा शिविर

कांवड़ियों की सेवा में जुटेगी धर्म चक्र समिति

शुभम संदेश। धनबाद

श्रावणी मेला के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा विश्वनाथ सेवा समिति द्वारा देवघर में कांवड़ियों की सेवा के लिए शिविर लगाया जाएगा. रविवार को भूली स्थित लाल भवन में आयोजित बैठक में इस वर्ष की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया. बैठक में समिति के दर्जनों सक्रिय सदस्यों ने भाग लिया. समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि देवघर श्रावणी मेला के दौरान लगने वाले शिविर में कांवड़ियों के इलाज, पेयजल, नाश्ता तथा भोजन की व्यवस्था की जाएगी. इस सेवा कार्य में आसनसोल की धर्म चक्र सेवा समिति भी अपना सक्रिय योगदान देगी. यह शिविर बांका (बिहार) के पटनिया मोड़ में 11 जुलाई से प्रारंभ होगा. बैठक में बताया गया कि शिविर में चिकित्सा टीम के साथ साथ भोजन बनाने व वितरण के लिए स्वयंसेवकों की भी तैनाती की जाएगी. शिविर में थके-हारे कांवड़ियों को विश्राम के लिए पर्याप्त स्थान और प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा भी दी जाएगी. समिति के सदस्यों ने कहा कि यह सेवा कार्य श्रद्धालुओं के प्रति समर्पण और सामाजिक सहयोग का प्रतीक है, और हर वर्ष इसे और बेहतर करने का प्रयास किया जाता है. बैठक में प्रमुख रूप से निशिकांत शुक्ल, श्रीप्रकाश सिंह, जीतेन्द्र पाण्डेय, मुकेश लाल यादव, शंकर दयाल सिंह, लाल्टू पाण्डेय सहित दर्जनों लोग मौजूद थे.

जिला चालक संघ की जिला कमेटी गठित

बरवाअड्डा। ऑल झारखंड दैनिक चालक संघ के तत्वाधान में धनबाद जिला चालक संघ ने बैठक कर जिला कमेटी का गठन किया. प्रदेश संरक्षक, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष,प्रदेश सचिव, प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं संघ संस्थापक के उपस्थित में संपन्न हुआ. प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जिला कमिटी सदस्यों व पदाधिकारियों के निर्विरोध निर्वाचित होने की घोषणा की गई. धनबाद जिला के सभी विभागों से कुल 130 चालक उपस्थित हुए एवं 10 सूत्री मांगों पर अगले बैठक में निर्णय लेने की घोषणा की गई है.

गैंगस्टर प्रिंस खान के भाई ऋतिक के घर की कुर्की जब्ती

- भूली पुलिस ने दो मुकदमों में कोर्ट के आदेश पर की कुर्की जब्ती की कार्रवाई

शुभम संदेश। धनबाद

कोर्ट के आदेश पर धनबाद पुलिस ने सोमवार को कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के भाई ऋतिक खान के घर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की. यह कार्रवाई भूली ओपी पुलिस की टीम द्वारा की गई. ऋतिक खान का मकान वासेपुर के कमर मुखदमी रोड में स्थित है. जहां पुलिस की टीम सुबह से ही भारी संख्या में पहुंची और घर में मौजूद सामानों को सूचीबद्ध करते हुए जब्ती की प्रक्रिया पूरी की.भूली ओपी प्रभारी ने अभिनव कुमार ने बताया कि पुलिस ने ऋतिक खान के घर पर कुर्की की नोटिस पहले भी चिपकाई थी. जिसमें उसे कोर्ट में समर्पण करने का समय दिया गया था. लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाने के कारण अब कुर्की-जब्ती की कार्रवाई अमल में लाई गई.बताया कि ऋतिक खान के खिलाफ वर्ष 2019 में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए थे. दोनों ही आर्म्स एक्ट के तहत आते हैं. ऋतिक पर अवैध हथियार रखने और गैंग से जुड़े आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहने का आरोप है. इन्हीं मामलों में फरार रहने के कारण ऋतिक को भगोड़ा घोषित कर दिया गया था.पुलिस की टीम ने ऋतिक के मकान में प्रवेश कर वहां मौजूद फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, दस्तावेज और अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुओं को जब्त किया है. इस दौरान स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन पुलिस ने शांति और सख्ती के साथ पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया.

भाजपा ने हूल दिवस पर संथाल विद्रोह के नायकों को दी श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। धनबाद

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) धनबाद महानगर ने आज हूल दिवस के अवसर पर महानगर अध्यक्ष श्रवण राय की अध्यक्षता में हीरापुर डी.एस. कॉलोनी मोड़, फूलों-झानों चौक और बरमसिया पुल, सिद्धों-कान्हू चौक पर संथाल विद्रोह के नायकों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. यह आयोजन मोदी सरकार के 11 गौरवशाली वर्षों और विकसित भारत के अमृत काल के उपलक्ष्य में 5 जून से 30 जून तक चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के तहत किया गया. धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि 30 जून 1855 को सिद्धों-कान्हू, चाँद-भैरव और फूलों-झानों ने अंग्रेजी हुकूमत व महाजनी प्रथा के खिलाफ हूल क्रांति शुरू की थी. यह विद्रोह भोगनाडीह जैसे छोटे आदिवासी गांव से शुरू होकर आजादी की लड़ाई का प्रतीक बना. उन्होंने संथाल विद्रोह के सभी वीरों को नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया. महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि 170 साल पहले संथाल की धरती पर इन नायकों ने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका, जब अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत कम थी. प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सत्येंद्र कुमार और चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि इन नायकों की गौरव गाथाएं भावी पीढ़ियों को अन्याय के खिलाफ संघर्ष और मातृभूमि की सेवा के लिए प्रेरित करती रहेंगी. संजीव अग्रवाल और रमेश राही ने बताया कि सिद्धों-कान्हू, चाँद-भैरव और फूलों-झानों ने तीर-धनुष जैसे पारंपरिक हथियारों के साथ संथाल समुदाय को एकजुट कर अंग्रेजों का मुकाबला किया. कार्यक्रम में चंद्रशेखर सिंह, संजीव अग्रवाल, सत्येंद्र कुमार, रमेश राही, वीरेंद्र हांसदा, मानस प्रसून, विष्णु त्रिपाठी, पंकज सिन्हा, अभिमन्यु कुमार, नरेंद्र त्रिवेदी, परेश मुर्मू, विजय हांसदा, बच्चा गिरी, अमित मुर्मू, किशोर मंडल, संजय कुशवाहा, निर्मल प्रधान, दुर्गा टुडू, रूमकी गुप्ता, शिल्पी घोष सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे.

हूल दिवस पर जूटा आदिवासी समाज

टुंडी। टुंडी प्रखंड के कई गांवों में हूल दिवस मनाया गया. इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए. हूल दिवस के अवसर पर लगभग 100 गांवों के आदिवासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. जांताखूंटी बालिका बिहार में आयोजित कार्यक्रम में झामुमो जिलाध्यक्ष लखी सोरेन, विधायक निजी सचिव बसंत महतो, अध्यक्ष फुलचंद किस्कू, इंद्रलाल बास्की,कामेश्वर सिंह बेसर हेम्ब्रम, शक्ति हेम्ब्रम,कमल टुडू आदि मौजूद थे. वहीं टुंडी के संग्रामडीह पंडुंगरी गांव में आयोजित कार्यक्रम में हजारों की भीड़ जुटी. आयोजित कार्यक्रम में आगंतुकों ने सिद्धु कान्हो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया. सभी ने महान क्रान्तिकारी आन्दोलनकारी को नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी व नये युवाओं को संगठित होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया. इस मौके पर आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर मुख्य रूप से जिप सदस्य दिब्या बास्की, जिप सदस्य प्रतिनिधि गुरुचरण बास्की, मुखिया सनोदी देवी, समेल मुर्मू, लखीन्द्र हांसदा, हराधन मराण्डी, रमसु मुर्मू, सुनिल मुर्मू आदि मौजूद थे.

आसनसोल

महिला स्वावलंबन के नाम पर 1.5 करोड़ की ठगी

- पुरुलिया की 328 महिलाएं बनीं शिकार
- आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग तेज

शुभम संदेश। पुरुलिया

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के काशीपुर थाना क्षेत्र की चार पंचायतों की सैकड़ों महिलाओं के साथ करोड़ों की ठगी का मामला सामने आया है. महिला स्वावलंबन के नाम पर बार-बार हो रही धोखाधड़ी से महिलाओं में भारी आक्रोश है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, आद्रा थाना क्षेत्र के बाघाडबा गांव निवासी अभिजीत नारायण मोनी नामक व्यक्ति पर आरोप है कि उसने एक फर्जी स्वयंसेवी संस्था (एनजीओ) के नाम पर काशीपुर थाना क्षेत्र के कालीदाहा, मनिहारा, गौरांगड़ी और बरारा अंचल की लगभग 328 गरीब और असहाय महिलाओं को स्वयं सहायता समूह में काम दिलाने का झांसा देकर ठग लिया. महिलाओं का आरोप है कि उनके नाम और पहचान पत्रों का उपयोग कर अभिजीत ने बैंकों से भारी-भरकम ऋण (लोन) लिया और फिर उस राशि को फोन-पे और गूगल-पे जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से अपने निजी खातों में ट्रांसफर कर लिया. ठगी की कुल राशि करीब 1.5 करोड़ रुपये आंकी जा रही है. शुरुआती स्तर पर महिलाओं ने अपनी शिकायत ग्राम पंचायत में दर्ज कराई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. इसके बाद, 18 जून को महिलाओं ने काशीपुर थाना में लिखित शिकायत दी. हालांकि, अब तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है. इसी कारण, 23 जून को दर्जनों महिलाओं ने थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और चेतावनी दी कि यदि आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर ठगी की राशि वापस नहीं कराई गई, तो वे बड़े आंदोलन की राह पर उतरेंगी. इस पूरे घटनाक्रम से प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं. एक ओर सरकार महिला जागरूकता और स्वावलंबन के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन यह सुनिश्चित करने में विफल है कि जिले में कार्यरत एनजीओ वैध हैं या फर्जी. नतीजतन, लगातार फर्जी संस्थाओं के जरिए गरीब महिलाओं के साथ धोखाधड़ी की घटनाएं सामने आ रही हैं.

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रदर्शन

कुल्टी। कुल्टी ट्रैफिक पुलिस कार्यालय में तैनात एक सीपीवीएफ जवान अनीश अहमद पर नौकरी दिलाने के नाम पर करीब 30 युवक-युवतियों से ठगी करने का गंभीर आरोप लगा है. मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है. सोमवार को ठगी का शिकार हुए कई युवक-युवतियां कुल्टी ट्रैफिक पुलिस कार्यालय पहुंचकर नौकरी की मांग करने लगे. आरोप है कि अनीश अहमद ने सीपीवीएफ में नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवाओं से पैसे वसूले. ठगी का शिकार हुए युवाओं ने बताया कि उन्हें ड्यूटी चार्ट भी दिया गया था, जिस पर एडीपीसी और कुल्टी ट्रैफिक पुलिस का स्टांप लगा हुआ है. इस आधार पर उनका कहना है कि उन्हें नौकरी मिलनी चाहिए. घटना के बाद से आरोपी अनीश अहमद फरार है. मामले को गंभीरता से लेते हुए एसीपी ट्रैफिक टाउन विश्वजीत साहा ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है. उन्होंने बताया कि प्रत्येक शिकायतकर्ता से अलग-अलग पूछताछ की जा रही है और ड्यूटी चार्ट व स्टांप की वैधता की भी जांच की जा रही है. एसीपी ने कहा कि यदि शिकायतकर्ताओं द्वारा आरोपी के खिलाफ औपचारिक मामला दर्ज कराया जाता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी. सूत्रों के अनुसार, अब तक लगभग 17 पीड़ितों ने लिखित शिकायत कुल्टी ट्रैफिक पुलिस कार्यालय में दर्ज कराई है. ठगी का शिकार हुए अन्य लोग अब इस मामले को लेकर कुल्टी थाना में एफआईआर दर्ज कराने और आरोपी की गिरफ्तारी व नौकरी की मांग करने की तैयारी में हैं.

स्थानीय को नौकरी के लिए युवा कांग्रेस ने किया घेराव

शुभम संदेश। बर्नपुर

सेल-आईएसपी (इस्को स्टील प्लांट) में स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिए जाने की मांग को लेकर सोमवार को पश्चिम बर्दवान जिला युवा कांग्रेस द्वारा पूर्व निर्धारित हल्ला बोल अभियान के तहत रैली निकाली गई और आईएसपी के निदेशक प्रभारी (डीआईसी) कार्यालय का घेराव किया गया. आंदोलन का नेतृत्व पश्चिम बर्दवान जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष रवि यादव के साथ प्रसेनजीत पुईतंडी, शाह आलम, पार्षद एस.एम. मुस्तफा सहित अनेक नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे. कांग्रेस नेताओं ने इस दौरान कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में इस्को स्टील प्लांट के आधुनिकीकरण के लिए 18,000 करोड़ की राशि आवंटित की गई थी. अब सेल द्वारा 36,000 करोड़ की अतिरिक्त राशि के साथ दूसरे चरण का आधुनिकीकरण किया जा रहा है. बावजूद इसके, स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है. नेताओं ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में बाहरी राज्यों के युवाओं को नियुक्त किया जा रहा है, जबकि स्थानीय योग्य बेरोजगारों को नजरअंदाज किया जा रहा है. इसके पीछे कुछ दलालों की मिलीभगत बताई जा रही है, जो नौकरी के बदले रिश्वत लेकर लोगों की नियुक्ति करवा रहे हैं. इस संदर्भ में कांग्रेस द्वारा पश्चिम बर्दवान जिले में एक रोजगार अभियान चलाया गया, जिसके तहत एक QR कोड जारी कर आवेदन मांगे गए थे. अब तक इस माध्यम से जिले भर से 5,000 से अधिक बेरोजगार युवाओं के आवेदन प्राप्त हो चुके हैं. कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि इस्को स्टील प्लांट में स्थानीय बेरोजगार युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार नौकरी दी जाए, और नौकरी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं भ्रष्टाचारमुक्त बनाया जाए.

लॉ कॉलेज में बलात्कार के विरोध में एआईडीएसओ का प्रदर्शन

शुभम संदेश। पुरुलिया

कसबा लॉ कॉलेज में छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना के विरोध में तथा घटना में शामिल तृणमूल से जुड़े बदमाशों को कड़ी सजा देने की मांग को लेकर छात्र संगठन एआईडीएसओ पुरुलिया दक्षिण जिला कमेटी की ओर से पुरुलिया के मानभूम मोड़ पर विरोध प्रदर्शन किया गया. इस विरोध सभा में पुरुलिया दक्षिण सांगठनिक जिला समिति के कोषाध्यक्ष बिपिन माझी और जिला सचिव मंडल के सदस्य कृष्णा सहिस ने संबोधित किया. सभा से तृणमूल छात्र परिषद के पूर्व नेता और घटना में शामिल लोगों को कड़ी सजा देने, कॉलेजों में धमकी की संस्कृति को रोकने, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, कॉलेजों में लोकतांत्रिक माहौल बहाल करने के लिए छात्र परिषद के चुनाव कराए जाने आदि की मांग की गई. इस निंदा सभा में पुरुलिया दक्षिण आयोजन जिला समिति के अध्यक्ष तन्मय महापात्र, जिला सचिव भवतारण कुमार, जिला कोषाध्यक्ष बिपिन माझी और अन्य उपस्थित थे.

विवाह की वर्षगांठ पर गोशाला में पत्नी का तुला दान

बराकर। बराकर के प्रतिष्ठित व्यवसाई रमेश अग्रवाल उर्फ विनोद ने विवाह की 44 वी वर्षगांठ पर पत्नी मीरा देवी का बराकर पिंजरा पोल सोसाइटी गौशाला में तुलादान करवाया. तुलादान का सनातन में बहुत बड़ा महत्व है. उन्होंने बताया कि सनातन धर्म में गौ सेवा से बढ़कर कुछ भी नहीं है और आज उनके लिए बहुत खास दिन है. इसलिए उन्होंने गो सेवा से प्रेरित होकर अपने विवाह के वर्षगांठ पर गोवंशों के लिए खाद्य सामग्री का तुलादान करवाया. बराकर पिंजरा पोल सोसाइटी गौशाला का सदस्य होने के साथ उनका परिवार संस्था का संस्थापक सदस्य भी है. गोशाला के सहयोग के लिए समाज के सभी लोग आगे आए और गोवंश की सेवा करें.

सीएम की तस्वीर पर विवाद टीएमसी का थाने में प्रर्दशन

शुभम संदेश। कुल्टी

सीएम ममता बनर्जी की तस्वीर पर पैर रखकर वीडियो को फेस बुक पर वायरल करने की घटना के विरोध में कुल्टी ब्लॉक युवा तृणमूल ने थाने में जताया विरोध. आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की. इस संबंध में कुल्टी ब्लॉक तृणमूल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष विमान दत्तो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने रविवार को कुल्टी थाना प्रभारी से लिखित शिकायत करते हुए आरोपी एम तंतूबाई की गिरफ्तारी की मांग की. शिकायत के आलोक में पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया और कुछ देर बाद फेसबुक से फोटो और वीडियो डिलीट कर के उसे छोड़ दिया. जिसके बाद बीजेपी कार्यकर्ताओं ने एम तंतूबाई को माला पहनाकर जश्न मनाया. फिर से वही फोटो के साथ तृण्मुल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष को धमकी दी जाती है. इसके बाद सोमवार को विवाद फिर बढ़ गया. युवा टीएमसी ब्लॉक अध्यक्ष के नेतृत्व में कुल्टी थाना के सामने विरोध प्रर्दशन किया गया. कुल्टी ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी दुलाल ने थाना प्रभारी से शिकायत कर युवक की फिर से गिरफ़्तारी की मांग की. कहा कि कार्रवाई नहीं हुई तो वार्ड संख्या 17 में तृणमूल कांग्रेस की और पथ सभा का आयोजन करेंगे.

डिसरगढ़ में मनाया गया हूल दिवस

शुभम संदेश। सांकतोड़िया

आदिवासी जुमीट गाऊंटा कुल्टी ब्लॉक द्वारा सोमवार को आसनसोल नगरनिगम के 105 नंबर वार्ड के डिसरगढ़ किलबर्न मोड़ स्थित सिद्धू कान्हू की मूर्ति के समक्ष 30 जून को हूल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया. उल्लेखनीय है कि यह सिद्धू कान्हू के नेतृत्व में वर्ष 1855 के संथाल विद्रोह की वर्षगाँठ को चिन्हित करता है. इसके पूर्व रविवार को संगठन द्वारा क्षेत्रीय भागों में एक मोटरसाइकिल रैली निकाली गई थी. सोमवार की संध्या भारी वर्षा के बीच ही आयोजित कार्यक्रम में नेताओं ने लोगों को हूल दिवस के बारे में लोगों को संक्षेप में जानकारी दी. उन्होंने आदिवासी समुदाय को आज के परिप्रेक्ष्य में अपनी संतानों को शिक्षा के लिए जागरूक करने को कहा. उन्होंने अपने सारे व्यसन बुराईयों को त्यागने एवं समाज को उन्नति की राह पर अग्रसर होने की सलाह दी. कहा हमारा समाज आज भी कहीं न कहीं उपेक्षित प्रताड़ित है. इन सबसे उबरने के एक ही रास्ता है जागरुकता. इसके शिक्षा अति आवश्यक है. उन्होंने समाज के लोगों को संवेदनशील जागरुक होने को कहा.

हुल दिवस सभी के लिए गर्व का दिन : स्वप्न

पुरुलिया। पुरुलिया जिले के काशीपुर के माजरामुरा एसएसके परिसर में आदिवासी समुदाय के लोगों के साथ हुल दिवस मनाया गया. जानकारी के अनुसार इस दिन विशेष पूजा-अर्चना के साथ-साथ माजरामुरा मोड़ पर शहीद सिद्धू और कान्हु की प्रतिमा पर ध्वजारोहण और माल्यार्पण कर पूरे सम्मान के साथ इस दिवस को मनाया गया. जहां काशीपुर के पूर्व विधायक एवं पुरुलिया जिला परिषद सदस्य स्वपन बेलथोरिया एवं पुरुलिया जिले के प्रमुख समाजसेवी सौमेन बेलथरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. इस अवसर पर काशीपुर पंचायत समिति अध्यक्ष कविता नाग, काशीपुर ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों के प्रधान तथा आदिवासी समुदाय के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे. हूल दिवस मनाते हुए प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता सौमेन बेल्थारिया ने कहा कि हम सबने मिलकर इस ऐतिहासिक दिन को मनाया. हुल दिवस का दिन सभी के लिए बहुत गर्व का दिन है.

मच्छरों ने घर में मचा रखा है आतंक, इन चीजों के धुएं से भागेंगे कोसों दूर

बदलते मौसम में यदि आपके घर में भी मच्छरों ने आतंक मचाना शुरु कर दिया है तो आज हम आपको इन्हें भगाने के कुछ तरीके बताने जा रहे हैं। जिनको आप भी फॉलो करके घर के मच्छरों का सफाया कर सकती है।

बदलते मौसम और बारिश में अक्सर मच्छरों का आतंक शुरु हो जाता है और इनकी संख्या में तेजी से इजाफा होने लगता है। आप घर के अंदर हो या बाहर हर जगह मच्छर आपको परेशान करने लगते हैं। रात में बिस्तर पर सोने पर मच्छर आपकी नींद खराब कर देते हैं। कभी-कभी तो पूरी रात आपको नींद खराब हो जाती है। ऐसे में इन मच्छरों के बीच रहना बेहद मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा मच्छर डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियां भी फैलाते हैं। ऐसे में हमें इन्हें जल्द से जल्द भगाने के उपाय करने पड़ते हैं। अन्यथा इनका प्रकोप बढ़ता चला जाता है। मच्छर ज्यादातर गंदगी और जिस जगह पर पेड़-पौधे होते हैं वहां पनपते हैं। ऐसे में बहुत लोग इनको भगाने के लिए मॉस्किटो कॉइल, कीटनाशक का छिड़काव, मिट्टी का तेल और कई चीजों का यूज कर देते हैं, जो कि हमारी सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इनसे निकलने वाला धुआं हमारा स्वास्थ्य खराब कर सकता है। लेकिन इसके बाद भी कभी-कभी मच्छर भागने का नाम नहीं लेते हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ प्राकृतिक उपाय बताने जा रहे हैं। यह तरीके आपके घर से मच्छरों को भगाने में मदद कर सकते हैं। आइए जानें इनको करने का तरीका जिसको करने से मच्छर कोसों दूर भागेंगे।

नीम की पत्तियों का धुआं

नीम की पत्तियां कीटनाशक भगाने में मदद करती हैं। ऐसे में इस पेड़ की लकड़ी और टहनियां मच्छरों को भगाने में मदद करती है। यदि आपके घर में मच्छरों का ज्यादा आतंक बढ़ गया है तो आपके जिस भी कमरे में भी मच्छर ज्यादा हो वहां आप सूखी हुई नीम की पत्तियां किसी मिट्टी के बर्तन में रखकर जला दें और उस कमरे को कुछ देर के लिए बंद कर दें। जब सभी पत्तियां जल जाएंगी और आप दरवाजा खोलेंगी तो सभी मच्छर गायब मिलेंगे। नीम की पत्तियों का धुआं वैसे तो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं होता है, लेकिन फिर भी जिस जगह आप उसको जलाएं वो कोशिश करें की नहीं बैठें।

गोबर के उपलों का धुआं

आपने अक्सर गांव में चूल्हे जलते देखे होंगे। ऐसे में जिस जगह चूल्हा जलता हैं वहां मच्छर बाकि जगह के मुकाबले कम होते हैं। दरअसल, चूल्हा जलाने में गोबर के उपलों का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में आप भी अपने घर में गाय के गोबर के उपले जला सकती हैं। इसके धुएं से भी मच्छर भागने लगते हैं। आप उपले के साथ कपूर की गोलियांरखकर भी जला सकती हैं। कुछ लोग इसका प्रयोग लोबान आदि बनाने के लिए भी करते हैं।

गर्मी की छुट्टियों के बाद बच्चा स्कूल जाने में करे आनाकानी, तो अपनाएं ये टिप्स

गुलाई का महीना आ गया है। गुलाई का मतलब है कि गर्मियों की छुट्टियां खत्म और अब फिर से स्कूल जाने का समय। ऐसे में बच्चों के लिए स्कूल दोबारा जाना थोड़ा मुश्किल भरा होता है। इसलिए हम आपको कुछ तरीके बता रहे है जिनकी मदद से आपका बच्चा स्कूल जाने में आनाकानी नहीं करेगा।

गर्मियों की छुट्टियां बच्चों के लिए मौज-मस्ती का समय होती हैं, जहां वे बिना किसी नियम के जीते हैं। लेकिन जैसे ही जुलाई का महीना शुरू होने वाला होता है, कई बच्चों को वापस स्कूल जाने और टाइम टेबल मानने में मुश्किल होती है। यह बदलाव बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता के लिए भी तनाव भरा होता है। रिसर्च बताती है कि छुट्टियों के बाद पढ़ाई से मिला ब्रेक बच्चों की सीखने की रफ्तार को धीमा कर सकता है। इससे बच्चा चिड़चिड़ा और कम आत्मविश्वासी हो जाता है, और उसे स्कूल जाने का मन नहीं करता।

गर्मियों की छुट्टियां खत्म होते ही बच्चों के मन में आता है कि फिर से होमवर्क करना होगा, दोस्तों के साथ खेलना बंद हो जाएगा और सुबह जल्दी उठना पड़ेगा। इन सभी बातों को सोचकर बच्चे कई बार स्कूल जाने में आनाकानी करने लगते हैं। ऐसे में माता-पिता को उनका साथ देना होता है। आज हम आपको कुछ तरीके बता रहे हैं जिनकी मदद से आप बच्चे को खुशी-खुशी स्कूल जाने के लिए राजी कर सकते हैं।

बच्चे की दिनचर्या को धीरे-धीरे ठीक करें

- अगर गर्मी की छुट्टियों में बच्चा देर रात तक जागने और सुबह देर तक सोने का आदी हो चुका है, तो स्कूल खुलने के पहले ही दिन सुबह 6 बजे जागना उसके लिए मुश्किल होगा। इसलिए माता-पिता को बच्चे के सोने और खाने का समय धीरे-धीरे बदलना शुरू कर देना चाहिए, ताकि स्कूल खुलने तक बच्चा उस रूटीन में ढल जाए।
- आप हर 2-3 दिन में सोने और उठने का समय 15 मिनट पहले कर दें। बच्चे को हर दिन 15 मिनट कोई किताब पढ़ने को दें। उसे अपना बैग तैयार करने और यूनिफॉर्म पहनने के लिए बढ़ावा दें। इससे बच्चा धीरे-धीरे स्कूल के हिसाब से ढलने लगेगा और उसे स्कूल खुलने के बाद तनाव महसूस नहीं होगा।

बच्चे से प्यार से और खुलकर बात करें

जब स्कूल फिर से खुलने वाले होते हैं, तो बच्चा थोड़ा परेशान महसूस करता है, उसे समझ नहीं आता कि क्या करे। ऐसे में अगर माता-पिता उससे प्यार से बात करते हैं और उसके मन की बात जानने की कोशिश करते हैं, तो उसे सहारा मिलता है। आप बच्चे से पूछ सकते हैं कि स्कूल खुलने वाला है, क्या तुम खुश हो या डरे हुए हो? आप बच्चे को अपनी कोई कहानी सुनाकर उसे हिम्मत दे सकते हैं। जब आप बच्चे की भावनाओं को समझते हुए उसे समझाते हैं, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और स्कूल वापस जाने का डर थोड़ा कम हो जाता है।

स्कूल वापसी को मजेदार और जाना-पहचाना बनाएं

अगर आपका बच्चा स्कूल जाने को बोरिंग मानता है, तो आपको इसे मजेदार बनाना चाहिए। आप कुछ नया कर सकते हैं।

- आप बच्चे को उसका पसंदीदा बैग, लंचबॉक्स चुनने का मौका दे सकते हैं।
- स्कूल खुलने से पहले आप उसकी बात स्कूल के दोस्तों से करवा सकते हैं और उनसे मिलने भी जा सकते हैं।
- आप जून से ही जुलाई कैलेंडर के साथ एक एक्टिविटी कर सकते हैं, जिसमें हर दिन के साथ स्टीकर लगाना होगा ताकि स्कूल शुरू होने की उलटी गिनती बच्चे को रोमांचक लगे।
- बच्चे को आप रोजाना स्कूल वापसी को लेकर अच्छी बातें बता सकते हैं, ताकि वह डर की जगह सकारात्मक चीजें सोच सके।

स्कूल की आदतें धीरे-धीरे वापस लाएं

गर्मियों की छुट्टी के बाद अचानक से स्कूल मोड में आना बच्चों के लिए तनाव भरा हो सकता है। लेकिन, अगर आप कुछ दिन पहले से ही घर पर ही कुछ एक्टिविटीज या पढ़ाई शुरू कर देते हैं, तो बच्चे का दिमाग दोबारा से सीखने के लिए तैयार हो जाता है।

- आप उसे हर दिन कहानी की किताब पढ़कर सुना सकते हैं, मैथ्स की पहेलियां हल करवा सकते हैं।
- आप बच्चे के लिए घर पर स्कूल जैसी स्टडी टेबल लगा सकते हैं, जिसमें उसके स्कूल का सारा सामान रख सकते हैं और उससे कह सकते हैं कि तुम मानो कि तुम स्कूल में हो।
- अगर हो सके तो बच्चे को स्कूल खुलने से पहले एक बार स्कूल घुमाने ले जाएं ताकि वह अपनी क्लासरूम को पहचान सके और डरे नहीं।

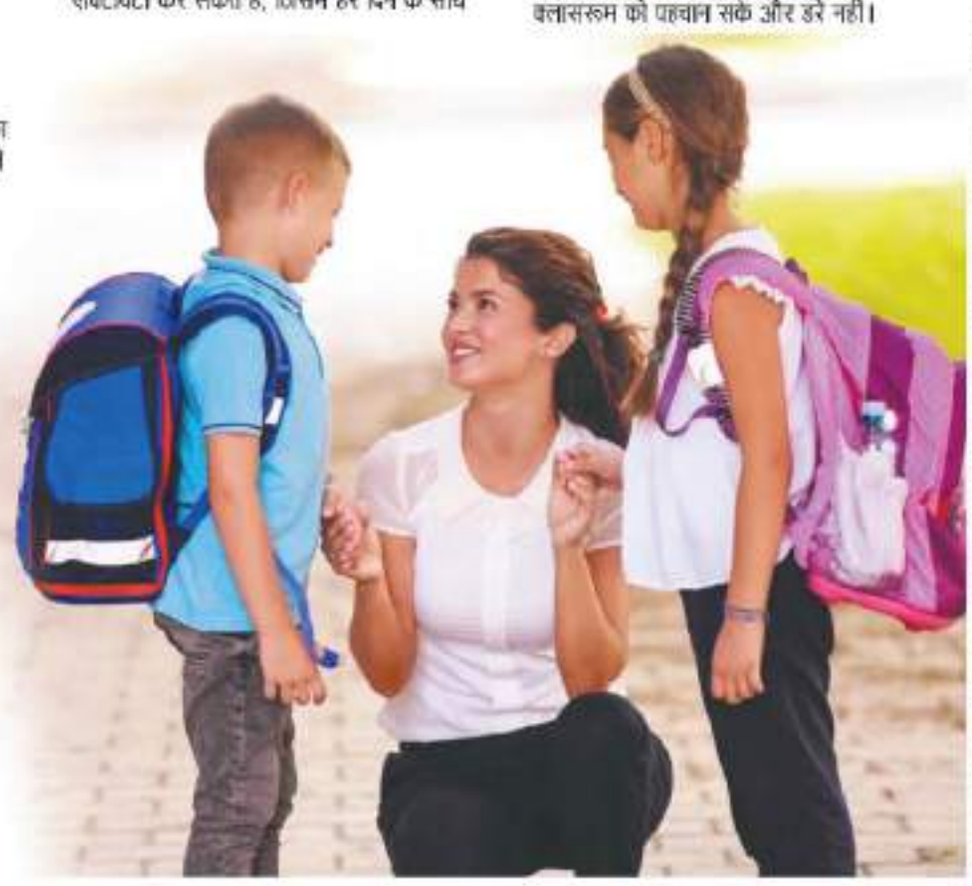

मानसून के बीच बीजों की मदद ऐसे ग्रो करें वेजिटेबल प्लांट्स

अगर आप गार्डनिंग के शौकीन हैं तो आपको पता ही होगा कि हर मौसम में सब्जियों के खेती अलग होती है। कुछ पौधे गर्मी के मौसम में ठीक तरीके से उगते हैं तो वहीं कुछ पौधे ठंड व बरसात के मौसम में अच्छी तरह से ग्रो करते हैं। अगर आप मानसून के मौसम में अपने बगीचे में सब्जी के पौधे उगाने का प्लान कर रहे हैं लेकिन आपको समझ नहीं आ रहा है कि इस सीजन किन वेजिटेबल की प्लांट्स को लगाना उचित रहेगा।

मानसून के मौसम बीज की मदद से ऐसे ग्रो कर सकते हैं प्लांट्स

हम सभी अक्सर अपने बगीचे में किसी भी पौधे को लगाने के लिए सीड्स, कलम या फिर बेबी प्लांट्स का उपयोग करते हैं। इसके बिना इन्हें ग्रो कर पाना मुश्किल भरा काम है। पौधे न सिर्फ मन को खुश करते हैं बल्कि उस एरिया को भी खूबसूरत बनाता है जहां ये लगे होते हैं। चलिए जानते है इस मौसम में उगने वाले पौधे के बारे में पूरी जानकारी।

टमाटर के लिए

- इसे उगाने के लिए ऐसी जगह चुनें जहां टमाटर के पौधों को 5-6 घंटे तक डायरेक्ट सूरज की किरणें मिल सकें।
- इस प्लांट को आप 21 से 27 डिग्री के बीच के तापमान में उगा सकते हैं।
- बीजों को गमले के मिश्रण में लगभग 1/4 इंच गहराई पर तथा 3-4 इंच की दूरी पर बोएं।
- अच्छी ग्रोथ के लिए पौधे में हल्दी खाद डालें।

खीरा के लिए

- खीरा उगाने के लिए ऐसी जगह चुनें जहां पर इसके पौधे को भरपूर धूप मिल सके।
- नम और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी का चयन करें।
- बीजों को लगभग 1 इंच गहराई पर तथा 2-3 इंच की दूरी पर पंक्ति में बोएं।
- अगर आप घर में खीरे का पौधा उगाना चाहते हैं, तो पौधों को ट्रेलिस से सहारा दें।

ऐसे ग्रो करें मूली का पौधा

- मूली के पौधे को कम धूप पसंद होती है,इसलिए ऐसी जगह चुनें जहां पर छाया के साथ हल्की धूप भी मिल सके।
- बीजों को ढीली और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में लगाएं। लेकिन उससे पहले मिट्टी की सतह को साफ कर लें।
- बीजों को 1/2 इंच गहराई पर और 2 इंच की दूरी पर बोएं। ये 5 दिनों के बाद अंकुरित होने लगते हैं।

बीज की मदद से कैसे ग्रो करें मिर्च का पौधा

- मिर्च के प्लांट को हल्की धूप और छाया की जरूरत होती है। ऐसे में सही जगह का चुनाव करना बड़ा टास्क होता है,
- इसके लिए एक ऐसा कंटेनर चुनें जो 3-4 इंच गहरा हो और उसके नीचे के हिस्से में छेद करें।
- अब बीजों को लगभग 1 इंच की गहराई में लगाएं।
- मिर्च के कंटेनर को ऐसी जगह पर रखें जहां 5-6 घंटे धूप मिले।
- अपने पौधों को प्रतिदिन पानी दें और उनकी देखभाल करें।

बरसात में गुड़हल की ऐसे करें देखभाल

बरसात के मौसम में बारिश की बूंदें फूलों पर गिरती हुई बेहद ही खूबसूरत लगती है। इस मौसम में गुड़हल के पौधे पर नई कलियां और फूल खिलते हैं। अगर आप हर डाल पर गुच्छे में मोटे-मोटे फूल और कलियां देखना चाहती हैं, तो यह लेख आपके लिए कारगर साबित हो सकता है।

बरसात के मौसम में गुड़हल के पौधे पर नई-नई कलियां और फूल खिल सकते हैं। लेकिन आपने इस दौरान खास ध्यान नहीं रखा, तो पेड़ पर खिले फूल भी गिरने लगते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में इस पौधे पर फूल खिलना बाकी दिनों से कम हो जाते हैं। अब ऐसे में अगर आप मिट्टी की गुड़ाई और छंटाई कर देते हैं, जो पौधे में नई-नई पत्तियां आना शुरू हो जाती है। बारिश में इस पौधे पर कीड़े लगने, कलियां खराब होने और फंगस लगने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में गार्डनिंग के शौकीन लोग अक्सर परेशान हो जाते हैं कि अपने गुड़हल के पौधे को फूलों से लहलहाता हुआ कैसे रखें। इस दौरान अमूमन लोग सोचते हैं कि अब महंगे केमिकल फर्टिलाइजर या ढेरों तरह की खाद खरीदने की जरूरत पड़ेगी। लेकिन आपको बता दें कि आप घर के रसोई में मौजूद कुछ जरूरी चीज और गोबर से तैयार जादुई देसी नुस्खे से इसे हरा-भरा और स्वस्थ रख सकती है। यह तरीका न केवल पूरी तरह से नेचुरल है बल्कि आपकी जेब पर भी भारी नहीं पड़ेगा। चलिए इस लेख में जानिए कि पौधे में नई कलियां और फूल कैसे पाएं।

गुड़हल पौधे के लिए खाद कैसे बनाएं?

गुड़हल के पौधे में डालने के लिए आलू के छिलके, गोबर,नीम खली और लकड़ी की राख से खाद बनाकर तैयार कर सकती हैं। इस खाद में मौजूद सभी चीजे प्राकृतिक है। ऐसे में इसका पौधे पर किसी भी प्रकार का कोई गलत प्रभाव नहीं पड़ेगा। बता दें कि आलू के छिलके में पोटेशियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व होते है, जो पौधे में फूलों की उपज को बढ़ाते है। साथ ही मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार लाने का काम करता है, जिससे पौधे की जड़े मजबूत होती है। वहीं नीम खली और लकड़ी की राख पौधे में कीटों के प्रकोप को खत्म करता है। बारिश के दौरान पौधे पर कीटों, मिलीबग और रोगों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे में यह उसे बचाने का काम करता है। वही गाय या भैंस के गोबर से तैयार खाद में नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते है जो गुड़हल के पौधे के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

कैसे करें गुड़हल के पौधे में खाद का इस्तेमाल?

सबसे पहले एक बर्तन, बाल्टी या डलिया लें। इसके बाद आलू के छिलके सुखाकर उनका बारीक पाउडर बना लें। अब इसमें आलू के छिलके का पाउडर, एक मुट्ठी नीम खली, एक मुट्ठी गोबर की खाद और एक मुट्ठी लकड़ी की राख डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इस मिश्रण को गुड़हल के पौधे में 2 मुट्ठी डालकर फैलाए। बची हुई खाद को स्टोर करके रख लें। इसका उपयोग महीने में 3-4 बार पौधे में कर सकते है। ऐसा करने से पौधे को सभी जरूरी पोषण प्राप्त होंगे, जिससे पौधे में कलियां और नए फूल खिल सकते हैं।

मंथन

रिम्स-2 योजना, विकास बनाम विस्थापन की दोधारी चुनौती

राजधानी रांची में प्रस्तावित रिम्स-2 अस्पताल परियोजना झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के 'सपने' के रूप में प्रचारित किया जा रहा है. स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इसे जनहित में ऐतिहासिक कदम बताया है और स्पष्ट किया है कि यह योजना किसी भी हाल में रोकी नहीं जाएगी. इसके अंतर्गत नगड़ी क्षेत्र में 110 एकड़ भूमि पर 700 बेड वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज विकसित किया जाना है. अनुमानित लागत 1074 करोड़ रुपए है, जो राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में अब तक का एक बड़ा निवेश माना जा रहा है. बेशक, बेहतर चिकित्सा सुविधाओं और मेडिकल शिक्षा के विस्तार की दिशा में यह एक सार्थक प्रयास है. राज्य के लोगों को इससे इलाज के लिए बाहर जाने से मुक्ति मिलेगी और युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के अवसर मिल सकते हैं. लेकिन जिस तरह जमीन अधिग्रहण के विवादों के बीच आगे बढ़ाया जा रहा है, वह सरकार की नीयत और नीति-दोनों पर सवाल खड़े करता है. ग्रामीणों का विरोध यह संकेत देता है कि उन्हें भरोसे में नहीं लिया गया. खेत की मिट्टी काट कर सड़क पर धान बोना सिर्फ सांकेतिक विरोध नहीं, बल्कि उनकी बेबसी और असहमति का प्रतीक है. सरकार को समझना होगा कि विकास की कोई भी योजना तब तक टिकाऊ नहीं हो सकती, जब तक वह संवेदनशील और न्यायपूर्ण न हो. जन संवाद, पुनर्वास और वैकल्पिक समाधान के बिना ऐसी परियोजनाएं सामाजिक टकराव को ही जन्म देती हैं. रिम्स-2 का सपना तभी साकार होगा, जब वह जनता की सहमति और सहभागिता से जुड़े.

नजरिया

बारिश की तबाही: राहत कार्यों में तत्परता बनाएं प्राथमिकता

पूर्वी सिंहभूम के चाकुलिया प्रखंड अंतर्गत कालियाम पंचायत क्षेत्र में हुई मूसलधार बारिश ने जो तबाही मचाई है, वह न सिर्फ प्राकृतिक आपदा का उदाहरण है, बल्कि प्रशासनिक तत्परता की एक बड़ी कसौटी भी बन चुकी है. आखुआपाड़ा, सालखान बेसरा और सानडांगरी जैसे गांवों में घरों में तीन फीट तक पानी भर जाना, प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों का डूब जाना, अनाज व जरूरत की चीजों का नष्ट हो जाना-यह बताता है कि बुनियादी ढांचे और पूर्व आपदा-प्रबंधन योजनाओं में गंभीर कमी रही है. जिस तरह से पुल-पुलिया डूब गए हैं, डायवर्सन बह गए हैं और संचार संपर्क पूरी तरह टूट चुका है, वह चिंता का विषय है. कालियाम और सोनाहातू पंचायत के बीच संपर्क टूटना राहत कार्यों को और अधिक जटिल बना रहा है. प्रशासन के लिए यह जरूरी हो गया है कि पहले संपर्क बहाल करने के उपाय किए जाएं ताकि राहत सामग्री प्रभावित क्षेत्रों तक समय पर पहुंचाई जा सके. मुखिया दासो हेंब्रम की उपस्थिति और संवेदनशीलता स्वागतयोग्य है, लेकिन अब जरूरत जमीनी कार्यवाही की है. प्रशासन को तत्काल आपदा राहत टीम भेजनी चाहिए, साथ ही खाद्य सामग्री, चिकित्सा सुविधा और अस्थायी आश्रय केंद्रों की व्यवस्था करनी चाहिए. यह समय प्रशासनिक चूक या वादों का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से आगे आकर पीड़ितों को राहत पहुंचाने का है. वरना बारिश के साथ बह गया जनजीवन, प्रशासनिक संवेदनहीनता का स्थायी प्रतीक बन जाएगा.

महाभारत बाद के 36 साल की कृष्ण कथा

डॉ मयंक मुरारी

द्वारिका का सूर्यास्त उपन्यास कृष्ण को समझने का बढ़िया साधन है.

कृष्ण देव हैं. कृष्ण के देवत्व का राह पता है? महाभारत के विनाश के बाद अगले यादवकुल के विनाश तक. श्रीकृष्ण के जीवन का 36 साल! क्या हुआ, कैसा अनुभव रहा? इस काल में श्री कृष्ण करीब सारा समय द्वारिका में ही रह रहे हैं. युद्ध के बाद वे अपने प्रिय सखा अर्जुन से कभी हस्तिनापुर में नहीं मिले. महाभारत युद्ध के बाद आखिर श्रीकृष्ण क्या कर रहे थे. उनके मनोभाव में क्या था? यह यादव के अपने स्वर्णिम काल के अथाह अंत की एक दुखद कहानी है. गांधारी का शाप फिर महर्षि कश्यप द्वारा शापित. दीर्घ आयु के अंतिम वर्षों में एक परिवार के बुजुर्ग जैसे निवृत्ति वाला जीवन संघर्ष करते हैं, ऐसा ही होगा. यदि हम श्री कृष्ण के मानव स्वरूप का दर्शन करना चाहते हैं, उनके देवत्व के साथ जुड़ी कथा के सहभागी होना चाहते है, तो एक किताब द्वारिका का सूर्यास्त भारतीय साहित्य का बेहतरीन उपन्यास है. एक इंसान जो अपने जीवन के उतरार्द्ध काल में कर्म से देवत्व को धारण करता है फिर अपने भूतकाल से व्यथित होता है. एक सामान्य मानवी जैसे उनकी वेदना है, दुःख है, कष्ट है, दैवी शक्ति का कोई जिक्र नहीं है.

दिनकर जोशी ने द्वारिका का सूर्यास्त लिखा है.सोमनाथ के समुद्र तट पर स्थित जंगल. अंतिम वेला में कृष्ण टहल रहे थे.वे कहते है कि मेरे दर्शन करते समय पलकें झपकने के कारण जो जरा सा व्यवधान पड़ता है, उसे सहन न कर सकने के कारण गोपियां नयनों के देव की निंदा करती है. उन्ही गोपियों का त्याग कर आज मैं कितना दूर आ गया हूं . (श्रीमद. 10.31.15). श्री कृष्ण विलय की घटना समग्र सृष्टि में अब तक की सबसे बड़ी दुःख, पीड़ा भरी एवं करुण घटना है. श्रीकृष्ण और रुक्मिणी संवाद है. रुक्मिणी कहती हैं- मुझे राधा की नहीं, लेकिन माता देवकी से ईर्ष्या होती है, उनके समग्र स्त्रीत्व से. कृष्ण कहते हैं कि एक सत्य जो दुनिया ने नहीं जाना, उसे प्रकट करता हूं देवी. कृष्ण कहते हैं- माता देवकी और उनका पुत्र श्रीकृष्ण दुनिया के सबसे दुर्भाग्यशाली माता और पुत्र है. माता देवकी को आठ-आठ पुत्र हुए, लेकिन किसी भी संतान को वह हृदय से लगाकर अपना दूध नहीं पिला सकीं. हर नवजात संतान का जन्म, उसे दुख और भय से भर देता. लेकिन इस प्राकृतिक अधिकार से भी मैं वंचित रहा.श्रीकृष्ण को जीवन के उत्तरार्द्ध में इसका बोध होता है. सवाल भी उठता है,पहले क्यों बोध नहीं हुआ? इसके लिए जन्म के साथ कृष्ण को समय कहां मिला? श्रीकृष्ण के जीवन के अंतिम पल. पैर के तलवे में बाण लगा, बहेलिया विलाप करने लगा. श्रीकृष्ण सांत्वना देते हैं-तुम तो शाप को फलीभूत होने के निमित्त बने हो. मन पर कोई बोझ न रखना. शेष जीवन कर्म संपन्न करने के पश्चात तुम्हारी भी ऊर्ध्व गति हो. उनको याद आता है-माता गांधारी का शाप, महर्षि कश्यप का शाप और अपने वंश एवं अपने लोग का मद एवं अहंकार. इसमें उनका कहां दोष था?

कृष्ण चिंतन करते हैं- उनका जीवन ही मृत्यु की परछाई में आगे बढ़ा. जन्म के बाद घुटनों पर चलना शुरू किया कि पूतना पहुंच गयी. इसके बाद शकटासुर, बकासुर, धेनुकासुर, कालियानाग आदि से खुद को बचाया, गोकुलवासियों को निर्भयता का संदेश दिया. लेकिन जब गोकुल छोड़ने का समय आया, जीवन पर कंस रूपी विपत्ति आयी, तो कोई साथ नहीं था. न गोकुलवासी और न ही मथुरावासी. आज भी मन व्यथित हो जाता है कि श्री कृष्ण पर उनके परिवार के यादवों ने चोरी का इल्जाम लगाया था. द्वारिका के सूर्यास्त में वर्णन है कि अंतिम चरण में ऊधव जी और कृष्ण जब आखिरी बार द्वारिका में मिले तो संवाद में वह बड़े ही भावुक हो गए. श्री कृष्ण से उनकी चरण पादुका मांगते हैं ताकि अपने शेष जीवन में भी उन्हें श्री कृष्ण का स्पर्श मिले. एक बहेलिया का तीर उनके महाप्रयाण का कारण बन जाता है. और उसके पूर्व द्वारिका में कहां कुछ बचता है, सब उनकी आंखों के सामने खत्म होता है. काशीनाथ सिंह के उपन्यास उपसंहार में कृष्ण को भगवान के रूप में नहीं बल्कि मानवीय भावनाओं और भ्रांतियों वाले राजा के रूप में दर्शाया गया है. उपसंहार को पढ़कर पता चलता है कि कृष्ण को युद्ध के बाद अवसाद और दुःख का सामना करना पड़ा था, उनके द्वारिका के संस्थापकों में से एक, इंद्र की अमरावती से भी सुंदर ढंग से बनाया गया था वह द्वारिका और यादवकुल का नाश कैसे होता है?

यह भी कि जिस न्याय और धर्म की स्थापना के लिए इतना बड़ा युद्ध हुआ था. क्या उसकी स्थापना हो पाई थी? या फिर वो सिर्फ एक मिथ्या बन कर रह गयी? महाप्रयाण के पूर्व की घटना है. कृष्ण और नारद के मध्यम सह प्रश्न उठता है कि सामान्य को असामान्य का वितरण यानी अपने जनों यथा सत्यभाभा, बलराम, उग्र सेन, अक्रूर या कृतवर्मा को आपने कृष्णत्व का अंश प्रदान किया. जिस संयम और ऐश्वर्य रूपी संस्कार का आमजन को संवर्द्धन करना होता है, वह सब उन्हें सहज ही प्राप्त हो गया. क्या यह ठीक था? नारदमुनि कहते हैं कि इसी कारण ये सारे पूर्णता को प्राप्त नहीं कर सके. कृष्ण तो कोई एक ही बनता है. जगत में एक ही पूर्ण होता है, जो अर्जुन जैसे के विषाद को योग में बदल देने की क्षमता रखता है. कुंती के मन के दुख को खुद ही दिशा देता है. माता गांधरी के श्राप को सहज स्वीकार करता है और अपनी प्रिय साथी राधा को वचन देकर अंतहीन इंतजार की यात्रा पर छोड़ देता है. बड़े-बड़े ज्ञानी क्या करने योग्य है और क्या नहीं करना चाहिए. इसके बारे में सही निर्णय नहीं ले पाते हैं. कर्म मार्ग पर चलते वे इससे परे हटाने का संदेश नहीं देते हैं. वे गीता में कहते हैं कि हरेक श्रेष्ठ पुरुष को लोक का ध्यान रखते हुए लोकयात्रा में कर्म करना होता है. वे कहते हैं कि यद्यपि मेरे लिए कुछ भी करने की जरूरत नहीं है, लेकिन श्रेष्ठ पुरुष जो करते है, उसे लोक में अनुसरण किया जाता है.

इसलिए सदैव कर्म करना चाहिए. भारतीय जीवन में कर्म के विचार ने संपूर्ण जीवन को जोडे हुए हैं. यही कर्म का प्रवाह है और जीवन में श्रीकृष्ण का केंद्रीय प्रवाह भी है. यह कर्म का प्रवाह ही बंधन से मुक्त करता है और मुक्ति की ओर ले जाता है.

श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं कि हरेक श्रेष्ठ पुरुष को लोक का ध्यान रखते हुए लोकयात्रा में कर्म करना होता है. वे कहत हैं कि यद्यपि मेरे लिए कुछ भी करने की जरूरत नहीं है, लेकिन श्रेष्ठ पुरुष जो करते हैं, उसका लोक में अनुसरण किया जाता है.

आज का इतिहास

1781: हैदर अली और ब्रिटिश सेना के बीच युद्ध.
1862: कलकत्ता उच्च न्यायालय का उद्घाटन.
1879: भारत में पोस्टकार्ड की शुरुआत.
1955: इंपीरियल बैंक का राष्ट्रीयकरण कर इसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का नाम दिया गया.
1964: भारतीय औद्योगिक विकास बैंक की स्थापना.
1975: तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 20 सूत्री कार्यक्रम का ऐलान किया.
1991: वारसा संधि भंग की गई.
1995: अमेरिका ने ताइवान पर लागू प्रतिबंध हटाए.
1997: हॉन्गकॉन्ग ने 156 वर्ष के ब्रिटिश शासन के बाद चीन का अधिकार स्वीकार किया.
2000: लार्ड्स के 100वें ऐतिहासिक टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को हराया.
2006: शतरंज खिलाड़ी परिमार्जन नेगी सबसे कम उम्र के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने.
2017: भारत में अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण सुधार के रूप में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू किया गया.

अपने बुद्धि बल से हम हर कमी से पार सकते हैं...

चिंतन

विश्व के महानतम दार्शनिक सुकरात एक बार अपने शिष्यों के साथ बैठे चर्चा कर रहे थे. तभी वहां अजीबो-गरीब वस्त्र पहने ज्योतिषी पहुंचा. वह सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हुए बोला, मैं ज्ञानी हूं,मैं किसी का चेहरा देख उसका चरित्र बता सकता हूं. बताओ तुममें से कौन मेरी इस विद्या को परखना चाहेगा? शिष्य सुकरात की तरफ देखने लगे. सुकरात ने उस ज्योतिषी से अपने बारे में बताने के लिए कहा. ज्योतिषी उन्हें ध्यान से देखने लगा. सुकरात बड़े ज्ञानी तो थे लेकिन देखने में सामान्य थे, बल्कि कुरूप कहना कोई अतिशयोक्ति न होगी. ज्योतिषी उन्हें कुछ देर निहारने के बाद बोला, तुम्हारे चेहरे की बनावट बताती है कि तुम सत्ता के विरोधी हो, तुम्हारे अंदर द्रोह करने की भावना प्रबल है. तुम्हारी आंखों के बीच पड़ी सिकुड़न तुम्हारे अत्यंत क्रोधी होने का प्रमाण देती है. ज्योतिषी ने इतना ही कहा था कि वहां बैठे शिष्य ये बातें सुनकर गुस्से में आ गए और उस ज्योतिषी को तुरंत वहां से जाने के लिए कहा.

पर सुकरात ने ज्योतिषी को बात पूर्ण करने के लिए कहा. ज्योतिषी बोला, तुम्हारा बेडौल सिर और माथे से पता चलता है कि तुम लालची हो, ठुड्डी तुम्हारे सनकी होने की तरफ इशारा करती है. इतना सुन सुकरात प्रसन्न हुए. ज्योतिषी को इनाम दिया. शिष्यों ने सुकरात से पूछा, गुरुजी, आपने ज्योतिषी को इनाम क्यों दिया, जबकि उसने जो कुछ भी कहा वो सब गलत है?

नहीं पुत्रों, ज्योतिषी ने जो कुछ भी कहा वो सब सच है, उसके बताये सारे दोष मुझमें हैं, मुझे लालच है, क्रोध है, और उसने जो कुछ भी कहा वो सच है, पर वह एक बहुत ज़रूरी बात बताना भूल गया, उसने सिर्फ बाहरी चीजें देखीं पर मेरे अंदर के विवेक को नही आंक पाया, जिसके बल पर मैं इन सारी बुराइयों को अपने वश में किये रहता हूं , बस वह यहीं चूक गया, वह मेरे बुद्धि के बल को नहीं समझ पाया!

सुकरात ने अपनी बात पूर्ण की. मित्रों, यह प्रेरक प्रसंग बताता है कि बड़े से बड़े इंसान में भी कमियां हो सकती हैं, पर यदि हम अपनी बुद्धि का प्रयोग करें, तो सुकरात की तरह ही उन कमियों से पार पा सकते हैं.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #MondayMotivation
2. #SocialMediaDay
3. Shiprocket SHIVIR
4. #ResignRamalingaReddy
5. #BiographyByVivaanKarulkar
6. #KRamp
7. उत्तम स्वास्थ्य
8. देवी पासी
9. Karnataka Needs BikeTaxis
10. Helping Hands

बहुरंग

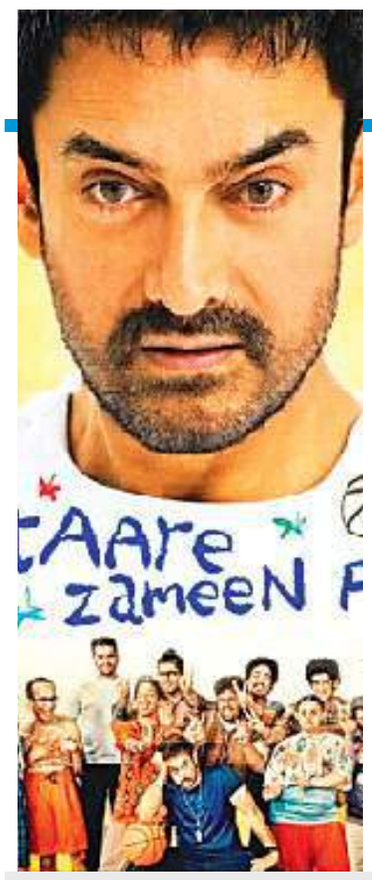

'सितारे जमीन पर' की सफलता पर आमिर खान ने दर्शकों का जताया शुक्रिया

अभिनेता आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' इन दिनों दर्शकों के बीच खूब सराही जा रही है. रिलीज़ के बाद से ही यह फिल्म चर्चा में बनी हुई है. सिर्फ आम दर्शक ही नहीं, बल्कि फिल्मी सितारे भी इस फिल्म की जमकर तारीफ कर रहे हैं. अब खुद आमिर खान ने फिल्म की सफलता पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. वह दर्शकों से मिल रहे प्यार और सराहना से बेहद खुश हैं. आमिर ने सभी का आभार जताते हुए कहा, फिल्म को जो प्यार और समर्थन मिला है, उसके लिए मैं तहेदिल से सभी दर्शकों का शुक्रगुजार हूं. यह फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है और इसे दर्शकों ने जिस तरह अपनाया है, वो मेरे लिए बहुत खास है. आमिर की यह प्रतिक्रिया दर्शाती है कि वह अपनी फिल्मों को लेकर कितने संवेदनशील और जुड़ाव महसूस करते हैं.

आमिर खान को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां उन्होंने पैपराजी से बातचीत के दौरान फिल्म 'सितारे जमीन पर' की सफलता पर अपनी खुशी जाहिर की. आमिर ने मुस्कुराते हुए कहा, मैं बहुत खुश हूं कि फिल्म को दर्शकों से इतना प्यार मिल रहा है. हमारे जो 10 सितारे हैं, वे भी बेहद उत्साहित हैं कि उन्होंने अपनी पहली फिल्म की और वो सुपरहिट हो गई. इसके साथ ही आमिर ने खुलासा किया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी फिल्म देखी है और उन्हें यह फिल्म बेहद पसंद आई. इस सराहना से आमिर और उनकी टीम का उत्साह और भी बढ़ गया है.

अभिनेता आर माधवन जल्द ही फिल्म 'आप जैसा कोई' में नजर आएंगे, ट्रेलर रिलीज

अभिनेता आर माधवन को पिछली बार 'केसरी-2' में देखा गया था, जहां उनके अभिनय को दर्शकों और आलोचकों से खूब सराहना मिली थी. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन किया था. अब माधवन एक नए प्रोजेक्ट के साथ लौट रहे हैं. वह जल्द ही फिल्म 'आप जैसा कोई' में नजर आएंगे, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है. इस फिल्म में माधवन की जोड़ी पहली बार फातिमा सना शेख के साथ बनी है, अब फिल्म के निर्माताओं ने 'आप जैसा कोई' का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है, जो लोगों को पसंद नहीं आ रहा है. 'आप जैसा कोई' का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं. फिल्म की कहानी एक पितृसत्तात्मक सोच रखने वाले अधेड़ उम्र के शिक्षक और एक खुले विचारों वाली युवा शिक्षिका के बीच रिश्ते को लेकर बुनी गई है. ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे दो विपरीत सोच वाले लोग एक शादी के प्रस्ताव के जरिए एक-दूसरे की जिंदगी से टकराते हैं. जहां कुछ दर्शकों ने ट्रेलर को लीक से हटकर और सोचने पर मजबूर करने वाली कहानी बताया है, वहीं कई सोशल मीडिया यूजर्स इसे फेमिनिस्ट प्रोपेगेंडा कहकर आलोचना कर रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट किया, फिर से एक फेमिनिस्ट प्रोपेगेंडा फिल्म.

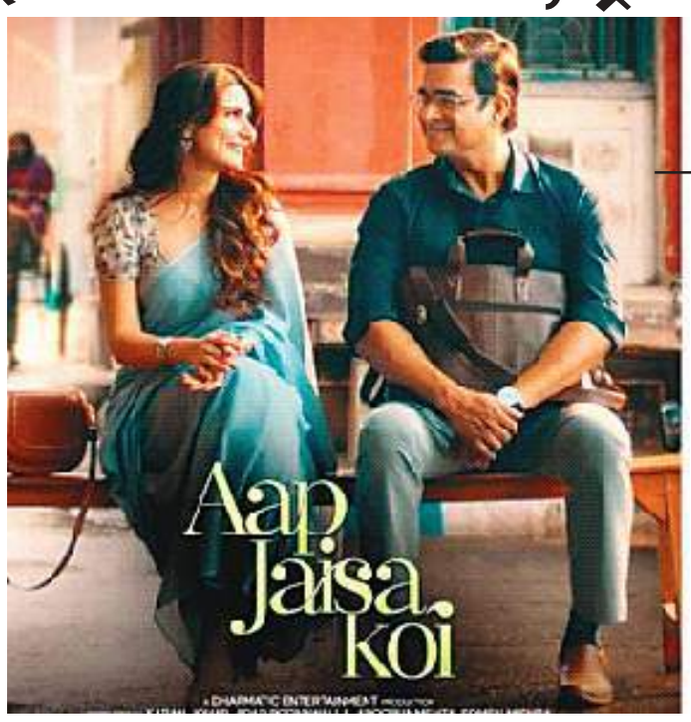

- इस फिल्म में माधवन की जोड़ी पहली बार फातिमा सना शेख के साथ बनी है, अब फिल्म के निर्माताओं ने 'आप जैसा कोई' का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है, जो लोगों को पसंद नहीं आ रहा है.

दूसरे ने इसे सान्या मल्होत्रा की फिल्म 'मिसेस' की कॉपी करार दिया. एक अन्य यूजर ने लिखा, आर माधवन ऐसी चीप फिल्में क्यों कर रहे हैं? हालांकि इन आलोचनाओं के बीच, कुछ लोगों ने ट्रेलर की सराहना भी की है और फिल्म की थीम को समाज की रूढ़िवादी सोच पर सवाल उठाने वाली बताया है. अब देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म दर्शकों के बीच क्या प्रभाव छोड़ती है. 'आप जैसा कोई' का प्रीमियर 11 जुलाई से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा. इस फिल्म का निर्माण करण जौहर ने अदार पूनावाला और सोमेन मिश्रा के साथ मिलकर किया है.

फिल्म 'दुनियादारी' का ऐलान, 6 साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर चमकेंगे गोविंदा

एक दौर था जब गोविंदा का नाम ही हिट फिल्म की गारंटी माना जाता था. अपने शानदार अभिनय, यूनिक स्टाइल और धमाकेदार डांस से उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली थी. लंबे समय से उनके फैंस उन्हें एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. अब गोविंदा ने अपने चाहने वालों को खुशखबरी दी है, उन्होंने अपनी नई फिल्म 'दुनियादारी' का ऐलान कर दिया है. इस घोषणा के साथ ही गोविंदा एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर वापसी के लिए तैयार हैं.

गोविंदा ने हाल ही में अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह मस्ती भरे मूड में थिरकते नजर आ रहे हैं. इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, अपनी आने वाली फिल्म 'दुनियादारी' के लिए रिहर्सल कर रहा हूं. हालांकि उन्होंने फिल्म से जुड़ी ज्यादा जानकारी नहीं दी है, लेकिन सिर्फ इस

ऐलान से ही फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है. सोशल मीडिया पर लोग खुशी जाहिर कर रहे हैं और गोविंदा की वापसी को लेकर बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा भी कई बार यह जाहिर कर चुकी हैं कि वह चाहती हैं अभिनेता एक बार फिर दमदार वापसी करें. वह इस बात से परेशान हैं कि गोविंदा घर पर खाली बैठे रहते हैं और अब भी 90 के दशक की कहानियों में उलझे हुए हैं. सुनीता का मानना है कि उनके करियर में रुकावट की बड़ी वजह उनकी अपनी टीम है, जो सिर्फ उनकी तारीफों के पुल बांधती है, लेकिन उन्हें सही दिशा नहीं दिखाती. उनके मुताबिक, गोविंदा को ऐसा मार्गदर्शन नहीं मिल रहा है, जिसकी उन्हें इस दौर में जरूरत है, और यही कारण है कि वह आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं.

गोविंदा को आखिरी बार बड़े पर्दे पर साल 2019 में रिलीज़ हुई फिल्म 'रंगीला राजा' में देखा गया था. इस फिल्म का निर्देशन सिकंदर भारत ने किया था, जबकि इसके निर्माता पहलाज निहलानी थे. 'रंगीला राजा' की कहानी राजस्थान के दो भाइयों, विजेंद्र प्रताप सिंह और अजय प्रताप सिंह, के इर्द-गिर्द घूमती है. दोनों ही भूमिकाएं गोविंदा ने निभाईं, और फिल्म को कॉमेडी के तड़के के साथ पेश किया गया था. हालांकि, दर्शकों को यह फिल्म खास प्रभावित नहीं कर सकी और बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई.

द ट्रेटर्स के दूसरे सीजन का हुआ ऐलान, करण ही करते नजर आएंगे मेजबानी

मशहूर निर्देशक और निर्माता करण जौहर का रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल कर रहा है. सस्पेंस और ड्रामा से भरपूर यह शो अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है और लगातार चर्चा में बना हुआ है. अब शो की सफलता को देखते हुए निर्माताओं ने इसके दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है. 'द ट्रेटर्स-2' की मेजबानी भी करण जौहर ही करते नजर आएंगे. इस सीजन का प्रीमियर अमेजन प्राइम वीडियो पर ही होगा, हालांकि अभी तक रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया गया है. अमेजन प्राइम वीडियो ने हाल ही में अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स-2' का पहला पोस्टर रिलीज कर दिया है. पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, हम इस खबर को और नहीं छिपा सकते थे. नया सीजन, जल्द आ रहा है. फिलहाल शो का काम पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है. हालांकि, अब तक प्रतियोगियों की लिस्ट सामने नहीं आई है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है. जाहिर है कि करण जौहर की मेजबानी में आने वाला यह सीजन पहले से भी ज्यादा रोमांचक होने वाला है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी. शुभांक-2-5-6

वृष : हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. शुभांक-3-6-7

मिथुन : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. शुभांक-3-5-7

कर्क : किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे. कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. मनोरथ सिद्धि का योग है. शुभांक-4-7-8

सिंह : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं. शुभांक-3-5-7

कन्या : संयमित भाषा का इस्तेमाल करें. कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे. सब्र का फल मीठा होता है अतःधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें. कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. काम में लगे रहें लाभ होगा. राजकीय कार्यों से लाभ. शत्रु से सावधान रहें. शुभांक-1-3-5

तुला : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-2-4-6

वृश्चिक : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. शुभांक-3-4-5

धनु : पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी. खान-पान में सावधानी रखें. व्यापार में प्रगति होगी. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा. शुभांक-2-4-7

मकर : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. आलस्य का त्याग करें. सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी. आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा. शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. समय आपके पक्ष का बना रहेगा. शुभांक-3-5-7

कुंभ : जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें. कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. शुभांक-2-4-6

मीन : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी. महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्घ होगा. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. सारी चिंताएं धीरे-धीरे दूर होंगी. संयम बनाएं रखें. शुभांक-1-3-5

ब्रीफ न्यूज

बस को ट्रक ने मार दी टक्कर, कई लोग घायल

छपरा। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में उमधा के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. मल्लमलिया से छपरा जा रही सवारी बस को तेज़ रफ्तार ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बस का पिछला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में सवार 20 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें चार की हालत नाजुक बताई जा रही है. उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है, जबकि अन्य का इलाज छपरा सदर अस्पताल में चल रहा है. घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और घायल यात्री मदद के लिए तड़पते रहे.

महिला ने घर में फंदे से लटककर दी जान

सहरसा। एक महिला ने अपने घर में फंदे से लटककर जान दे दी. घटना रविवार रात बनमा ईटहरी थाना क्षेत्र के पहलाम वार्ड की बताई जा रही है. मृतका मधु कुमारी की शादी चार साल पूर्व स्वर्गीय विजय ठाकुर के पुत्र विभास ठाकुर के साथ हुई थी. विभास पुणे में रहता है और मधु घर पर अपनी सास के साथ रहती थी. जो एक आगनबाड़ी सहायिका है. ग्रामीणों के अनुसार दंपति के शुरुआती एक दो साल के रिश्ते ठीक थे. लेकिन बाद में सास बहु में छोटी छोटी बातों पर विवाद होना शुरू हो गया. रविवार की रात मधु की ननद ने एक पड़ोसी को फोन कर बताया कि वह फोन नहीं उठा रही है.

582 लीटर विदेशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

भागलपुर। ललमटिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने 582 लीटर विदेशी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. यह जानकारी डीएसपी राकेश कुमार ने सोमवार को दी. उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अवैध शराब, आर्म्स और मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए सघन गश्ती और छापेमारी की जा रही है. गुप्त सूचना मिली कि ललमटिया थाना अंतर्गत जैन मंदिर की मुरी गली में स्थित श्याम कुमार जैन के मकान में शराब की तस्करी हो रही है. सूचना की पुष्टि के बाद एसपी नगर के निर्देशानुसार, पुलिस उपाधीक्षक नगर-02 के नेतृत्व में छापेमारी दल गठित किया गया.

पुल गिरने की घटनाओं पर बिहार सरकार गंभीर, बोले मंत्री अशोक चौधरी

अभियंताओं को आईआईटी विशेषज्ञ प्रशिक्षित कर रहे हैं

शुभम संदेश। पटना

बिहार में बार-बार पुल गिरने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने अब एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. राज्य के ग्रामीण कार्य विभाग के अधीन सभी अभियंताओं को आज एक विशेष कार्यशाला में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया. इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अभियंताओं को आधुनिक तकनीकी दिशा-निर्देश देना है ताकि भविष्य में पुलों की गुणवत्ता में सुधार हो और इस प्रकार की घटनाओं को पूरी तरह से रोका जा सके. इस कार्यशाला में विशेषज्ञों ने अभियंताओं को टिकाऊ, मजबूत और सुरक्षित पुल निर्माण के लिए आवश्यक तकनीक और नवाचारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी. सरकार का यह प्रयास पुल निर्माण में गुणवत्ता की कमी को दूर करने और आम जनता की सुरक्षा को सर्वोपरि रखने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है.

मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि, पिछले वर्ष दो बड़े पुल गिरने की घटनाओं ने सरकार की काफी किरकिरी कराई थी. अब हमने स्पष्ट कर दिया है कि पुल निर्माण में किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. आईआईटी के विशेषज्ञ अभियंताओं को नवीनतम तकनीकों और मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण दे रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके. इसके अलावा मंत्री अशोक चौधरी ने वक्फ बोर्ड विवाद और तेजस्वी यादव के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी जिसमें उन्होंने कहा था कि नीतीश कुमार मुस्लिम वोट बैंक साधने की कोशिश कर रहे हैं. अशोक चौधरी ने इस बयान को कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि, ऐसी बयानबाजी उन लोगों को शोभा देती है जो खुद को 'एम-वाई समीकरण' (मुस्लिम-यादव) का ठेकेदार समझते हैं. मुसलमान भाइयों को यह सोचने की जरूरत है कि जब पिछले 15 वर्षों तक उनकी पार्टी की सरकार थी तो अल्पसंख्यकों के लिए क्या किया गया? कितने विश्वविद्यालय, स्कूल, या ट्रेनिंग सेंटर खोले गए? कितनों को रोजगार मिला?"

अशोक चौधरी ने आगे कहा कि, नीतीश कुमार की सरकार ने अल्पसंख्यक समुदाय के लिए ठोस और ठहरावदार कार्य किए हैं. चाहे शिक्षा हो, प्रशिक्षण हो या रोजगार, हम समावेशी विकास में विश्वास करते हैं. हमारे नेता ने स्पष्ट रूप से कहा है कि 'जो वोट देगा उसका भी काम होगा, जो नहीं देगा उसका भी.' हम जाति और धर्म के आधार पर राजनीति नहीं करते बल्कि विकास की राजनीति करते हैं. तेजस्वी यादव के उस बयान पर जिसमें उन्होंने कहा था कि नीतीश कुमार ने 20 साल में कुछ नहीं कियाऱ, अशोक चौधरी ने जवाब देते हुए कहा कि, "तेजस्वी यादव को खुली बहस के लिए तैयार रहना चाहिए. उन्हें बताना चाहिए कि नीतीश कुमार ने क्या नहीं किया. झूठ और बयानबाजी उनकी आदत बन गई है, लेकिन बिहार की जनता अब सब कुछ समझ चुकी है और सही निर्णय ले रही है. इस प्रकार राज्य सरकार ने पुल सुरक्षा के लिए विशेषज्ञ प्रशिक्षण सहित समावेशी विकास की नीति को भी मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है. बिहार के विकास और सुरक्षा के लिए यह एक नया अध्याय साबित होगा.

बंद घर को बनाया निशाना चोरों ने उड़ाए 7 लाख के जेवर

पटना। बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत मरांची थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव में बीती रात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाया. ठेकेदार सुजीत सिंह के घर में दो नकाबपोश चोर दीवार फांदकर दाखिल हुए और घर की दस आलमारियों के ताले तोड़कर करीब 7 लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवरात—चेन, अंगूठी समेत अन्य सामान—और 66 हजार रुपये नकद चुरा ले गए. घटना की जानकारी सोमवार सुबह हुई, जब सुजीत के रिश्तेदार सुधीर प्रसाद सिंह ने दरवाजा खोलकर देखा कि ताले टूटे हैं और सारा सामान बिखरा पड़ा है. घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरों की पूरी करतूत कैद हो गई है, जिसमें दोनों चोर घर में घुसते नजर आ रहे हैं.

शातिर अपराधी प्रदीप देसी कट्टे के साथ गिरफ्तार

नवादा। काशीचक थाना प्रभारी बसंत कुमार ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शातिर अपराधी प्रदीप कुमार को गिरफ्तार किया है. आरोपी वारसलीगंज थाना क्षेत्र के अब्दलपुर गांव का निवासी है. उसकी गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया है. प्रदीप कुमार पर आर्म्स एक्ट की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने अपने आठ साथियों के साथ मिलकर चार लूट और डकैती की वारदातों को अंजाम दिया था.

न्यूज अपडेट

पटना में अह शुरू होगा ड्राईडाक निर्माण, होगी जहाजों की मरम्मत

पटना। जलमार्ग परिवहन को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही जहाजों की जांच और मरम्मत के लिए ड्राईडाक का निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है. इस परियोजना के पूरा होने से कोलकाता और वाराणसी के बीच गंगा नदी में संचालित मालवाहक और यात्री जहाजों की मरम्मत स्थानीय स्तर पर संभव हो सकेगी, जिससे समय और लागत दोनों की बचत होगी. भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण के निदेशक के अनुसार, हल्दिया से इलाहाबाद के बीच विकसित राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या एक पर चलने वाले जहाजों की मरम्मत पटना में वर्ष 2026 से शुरू हो सकती है. ड्राईडाक की तकनीकी रूपरेखा तैयार करने की जिम्मेदारी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग एवं तट प्रौद्योगिकी केंद्र को सौंपी गई है.

गांधी सेतु के समानांतर बन रहा नया फोरलेन पुलः 2027 तक पूरा होगा

पटना। पटना से उत्तर बिहार के बीच सुगम यातायात के लिए गंगा नदी पर गांधी सेतु के समानांतर एक नया फोरलेन पुल और सड़क का निर्माण कार्य तेज़ी से जारी है. इस परियोजना को मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 1794.37 करोड़ रुपये की लागत से संचालित इस परियोजना में पटना के जीरो माइल से हाजीपुर के बीएसएनएल गोलंबर तक कुल 14.5 किलोमीटर लंबी सड़क और पुल का निर्माण हो रहा है. इसमें 5.6 किलोमीटर लंबा चार लेन का पुल, दोनों ओर 8.9 किलोमीटर लंबी आठ लेन की मुख्य सड़क है.

बिहार में कांग्रेस ने की 58 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी तैयारियों में तेजी ला दी है. पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी सहित कई वरिष्ठ नेता राज्य का दौरा कर चुके हैं, जिससे सियासी माहौल गरम हो गया है. अब कांग्रेस ने चुनावी रणनीति को और धार देने के लिए 58 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है. यह आदेश कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी किया गया है. आदेश के अनुसार, पर्यवेक्षक अन्य राज्यों से हैं उन्हें बिहार में चुनाव अभियान को गति देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इन पर्यवेक्षकों को कौन-कौन से क्षेत्र या विधानसभा सीटें सौंपी जाएंगी.

पूर्वांचल एक्सप्रेस में लूटपाट रेलवे सुरक्षा पर उठे सवाल

मुजफ्फरपुर। हावड़ा से गोरखपुर जा रही पूर्वांचल एक्सप्रेस में सोमवार तड़के एक बड़ी आपराधिक घटना हुई, जिसने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं. यह वारदात समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड के ढोली स्टेशन के आउटर पर उस समय हुई जब ट्रेन करीब 25 मिनट तक रुकी रही. मिली जानकारी के अनुसार, रात लगभग तीन बजे चार से पांच की संख्या में अपराधियों ने वैक्यूम पाइप खींचकर ट्रेन को रोका और कम से कम छह यात्रियों से नकदी तथा दो से अधिक मोबाइल फोन लूट लिए. पीड़ित यात्रियों ने बताया कि शोर मचाने और मदद की गुहार लगाने के बावजूद सुरक्षाकर्मी काफी देर से पहुंचे. इसके बाद ही वैक्यूम को ठीक कर ट्रेन को रवाना किया गया.

बिहार में 1 जुलाई से जमीन रजिस्ट्री के नियमों में बड़ा बदलाव

पटना। बिहार में 1 जुलाई 2025 से जमीन रजिस्ट्री से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है. निबंधन विभाग ने फर्जी दस्तावेज और पहचान के ज़रिए होने वाले धोखाधड़ी को रोकने के लिए चार नए नियम लागू करने का निर्णय लिया है. इन नए नियमों में आधार आधारित बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, दस्तावेजों का डिजिटल अपलोड, ऑनलाइन भुगतान और रजिस्ट्री की डिजिटल कॉपी शामिल हैं. नए प्रावधानों के तहत अब जमीन की खरीद-बिक्री के समय खरीदार और विक्रेता दोनों का आधार बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य होगा. इसके अलावा रजिस्ट्री से जुड़े सभी दस्तावेजों को पोर्टल पर डिजिटल रूप से अपलोड करना होगा और शुल्क का भुगतान भी ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा. रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी होने के बाद जमीन मालिक को उसकी एक डिजिटल कॉपी दी जाएगी, जिसे कभी भी विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है. यह डिजिटल कॉपी पूरी तरह से वैधानिक होगी और दस्तावेज खोने की स्थिति में बेहद उपयोगी सिद्ध होगी. अधिकारियों का मानना है कि इन नियमों से भू-माफियाओं और फर्जीवाड़े पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा.

चुनाव आयोग पर कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु का हमला

पुनरीक्षण की प्रक्रिया अल्पसंख्यक वर्गों के खिलाफ साजिश

शुभम संदेश। पटना

बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु रविवार को पटना पहुंचे और एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट पुनरीक्षण की प्रक्रिया गरीब, अतिपिछड़ा, दलित, महादलित और अल्पसंख्यक वर्गों को वोटर लिस्ट से हटाने की साजिश है. उनका आरोप था कि यह चुनाव आयोग का नया हथकंडा है, जिसका कांग्रेस और महागठबंधन सख्त विरोध करेंगे. उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका सीधा मतलब इन वर्गों को वोटर लिस्ट से बाहर करना है, जिसे महागठबंधन कतई बर्दाश्त नहीं करेगा. कृष्णा अल्लावारु ने कहा कि आज पटना में महागठबंधन की मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक हो रही है, जिसमें बिहार के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे. उन्होंने बताया कि महागठबंधन का मुख्य फोकस बिहार के विकास और समृद्धि पर केंद्रित रहेगा. उन्होंने पांच प्रमुख मुद्दों—दवाई, कमाई, पढ़ाई, स्वास्थ्य और युवाओं के लिए रोजगार—पर विशेष ध्यान देने की बात कही. यही वे मुख्य क्षेत्र होंगे जिन पर महागठबंधन का आगामी चुनावी मेनिफेस्टो आधारित होगा.

कांग्रेस प्रभारी ने महागठबंधन को बिहार में नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध बताया और कहा कि आज की बैठक में इस दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे. जब उनसे यह पूछा गया कि कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने तेजस्वी यादव को महागठबंधन का भावी मुख्यमंत्री बताया है, तो उन्होंने इस पर कोई टिप्पणी करने से इंकार कर दिया. उन्होंने कहा कि फिलहाल उनका फोकस बिहार के विकास, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य पर है, न कि नेतृत्व को लेकर बयानबाजी पर. पटना में आयोजित इस महागठबंधन की मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक में कांग्रेस, राजद, वाम दल और अन्य घटक दल शामिल होंगे. बैठक का उद्देश्य साझा संकल्प पत्र पर मंथन कर आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति को अंतिम रूप देना है.

कारोबार

प्रधानमंत्री जन धन योजना है गरीबों के लिए वरदान

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री जन धन योजना एक क्रांतिकारी पहल है जिसकी शुरुआत 2014 में की गई थी. इसका उद्देश्य देश के हर नागरिक को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ना है, खासकर उन लोगों को जो अब तक बैंकिंग सेवाओं से वंचित थे. इस योजना के अंतर्गत कोई भी नागरिक बिना कोई पैसा जमा किए बैंक खाता खोल सकता है, जिसे जनधन अकाउंट कहा जाता है. में जनधन अकाउंट में न्यूनतम राशि रखने की कोई आवश्यकता नहीं होती. यदि खाते में शून्य बैलेंस भी है, तब भी वह चालू रहता है और कोई पेनाल्टी नहीं लगती.

पानीपत में गोदरेज की 43 एकड़ में बनेगी लग्जरी टाउनशिप

नयी दिल्ली। हरियाणा के पानीपत शहर में अब विकास की नई तस्वीर उभरने जा रही है0. देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने यहां 43 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है, जहां लग्जरी फ्लैट और मकान बनाए जाएंगे. यह भूमि पानीपत के सेक्टर-40 में स्थित है और इस पर करीब 10.2 लाख वर्ग फुट का आवासीय विकास किया जाएगा. कंपनी को इस प्रोजेक्ट से 1,250 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई होने की उम्मीद है.

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स 462 अंक गिरा

नयी दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई, जिससे बीते चार दिनों से जारी तेजी पर ब्रेक लग गया. वैश्विक संकेतों के बावजूद बाजार में दबाव देखा गया और निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान में बंद हुए. बीएसई सेंसेक्स 462.80 अंक यानी 0.55% की गिरावट के साथ 83,596.10 के स्तर पर बंद हुआ. एनएसई निफ्टी भी नुकसान में रहा और दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद 25,644.30 के स्तर पर बंद हुआ. शुरुआती कारोबार में हल्की तेजी देखी गई थी.

भारत ने बांग्लादेश से आने वाले जूट पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं

भारतीय जूट उद्योग को मिलेगी मजबूती

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत सरकार ने हाल ही में बांग्लादेश से आयात होने वाले जूट और उससे बने उत्पादों पर तत्काल प्रभाव से कई पाबंदियां लगा दी हैं. इन पाबंदियों के तहत अब बांग्लादेश से जूट और उससे जुड़े सामान केवल न्हावा शेवा पोर्ट के माध्यम से ही भारत में प्रवेश कर सकेंगे. अन्य सभी जमीनी और समुद्री बंदरगाहों से इन वस्तुओं के आयात पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है. इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय जूट उद्योग को बांग्लादेश से सस्ते आयात के कारण हो रहे नुकसान से बचाना है. भारतीय जूट उद्योग लाखों किसानों और श्रमिकों को रोजगार प्रदान करता है और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इसका महत्वपूर्ण योगदान है. पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश से सस्ते दामों पर आने वाले जूट, धागे, फाइबर और बैग जैसे उत्पादों ने भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा को चुनौती दी है. इससे घरेलू जूट मिलों का उत्पादन कम हुआ है और रोजगार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है. सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि घरेलू उत्पादकों को समान अवसर मिलें और विदेशी प्रतिस्पर्धा से राहत मिले. आयात को केवल न्हावा शेवा बंदरगाह तक सीमित करने का फैसला पारदर्शिता और कस्टम निगरानी बढ़ाने के लिए लिया गया है. जब आयात कई बंदरगाहों से होता है, तो नकली घोषणाओं, कम मूल्यांकन और अन्य अवैध प्रथाओं के जरिये नियमों से बचने की संभावना बढ़ जाती है. एक ही बंदरगाह पर फोकस करने से अधिकारियों को शिपमेंट की गहन जांच करने, उचित मूल्यांकन सुनिश्चित करने और अवैध आयात को रोकने में मदद मिलेगी. यह कदम बांग्लादेश की ओर से किसी भी धोखाधड़ी या नियमों की चोरी की कोशिशों को रोकने के लिए भी है.

भारत सरकार इस बात पर भी कड़ी नजर रख रही है कि बांग्लादेश के व्यापारी जूट के निर्यात के लिए किसी तीसरे देश के रास्ते इसका पुनः आयात न करें. अतीत में कई बार ऐसे मामले सामने आए हैं जहां प्रतिबंधों से बचने के लिए उत्पादों को तीसरे देशों के माध्यम से भारत लाया गया. इस बार भारत सतर्क है और किसी भी ऐसे प्रयास को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करेगा ताकि पाबंदियों का पूरा प्रभाव दिखे. सूत्रों के मुताबिक, बांग्लादेश सरकार जूट निर्यातकों को सब्सिडी देती है जिससे वे सस्ते दामों पर सामान बेच पाते हैं. भारत के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एंटी-डंपिंग एंड अलाइड ड्यूटीज (डीजीएडी) ने भी बांग्लादेश से आने वाले जूट पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी (एडीडी) लगाई थी, लेकिन इसके बावजूद आयात में खास कमी नहीं आई. बड़े निर्यातक तकनीकी छूट और गलत घोषणाओं के जरिये एडीडी से बच निकले. वित्त वर्ष 2016-17 में जूट आयात 13.8 करोड़ डॉलर था, जो 2021-22 में घटकर 11.7 करोड़ डॉलर हुआ, लेकिन 2023-24 में फिर से बढ़कर लगभग 14.4 करोड़ डॉलर हो गया. बांग्लादेश से सस्ते जूट के आयात की वजह से भारत में जूट की कीमतें 5,000 रुपये प्रति क्विंटल से नीचे गिर गईं. इससे जूट किसानों को गंभीर आर्थिक नुकसान हो रहा है. साथ ही, भारतीय मिलों में उत्पादन क्षमता का सही उपयोग नहीं हो पा रहा.

स्टारलिंक और अमेजन कुइपर ने की है रणनीतिक साझेदारियां

नयी दिल्ली। भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू करने की दिशा में बड़ी पहल करते हुए, एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक और अमेजन की कुइपर परियोजना ने पहली बार देश में वाणिज्यिक समझौते किए हैं. दोनों कंपनियों ने भारत की प्रमुख वीसैट सेवा प्रदाताओं जैसे ह्यूजेस कम्युनिकेशंस, नेल्को, और इनमारसैट के साथ साझेदारी की है. खास बात यह है कि ये समझौते सरकारी स्पेक्ट्रम आवंटन से पहले ही किए गए हैं, जिससे इनके इरादों की गंभीरता स्पष्ट होती है. स्टारलिंक और कुइपर, दोनों भारत में बिजनेस-टू-बिजनेस और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट क्षेत्रों को लक्षित कर रही हैं, और साथ ही रिटेल उपभोक्ताओं के लिए भी ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू करने की योजना बना रही हैं. खुदरा बाजार में प्रवेश से पहले फिलहाल प्राइसिंग स्ट्रैटेजी पर काम किया जा रहा है. स्टारलिंक पहले ही रिलायंस जियो और एयरटेल जैसे बड़े टेलीकॉम ऑपरेटरों के साथ साझेदारी की घोषणा कर चुका है. यह रसेल-थ्रू मॉडलर के तहत अपनी सेवाएं देगा, जिसमें कंपनी स्थानीय भागीदारों के माध्यम से अपने प्रोडक्ट्स और सेवाएं बेचती है.

सेव अर्थ मिशन ने ग्लोबल विजन अनविलिंग कार्यक्रम की घोषणा की

एजेंसी। नयी दिल्ली

"एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत मात्र एक घंटे में 5 लाख से अधिक पेड़ लगाने के साथ, सेव अर्थ मिशन ने अहमदाबाद में जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल की है. इस विश्व रिकॉर्ड अभियान को फोर्बेस, फॉक्स, बिजनेस इनसाइडर सहित कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने व्यापक रूप से कवर किया है. अब यह मिशन अपनी उपस्थिति वैश्विक स्तर पर भी दर्ज कराने जा रहा है. सेव अर्थ मिशन ने अपने सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन, "ग्लोबल विज़न अनवीलिंग" कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा की है. यह कार्यक्रम 3 जुलाई को शाम 6 बजे आईएसटी पर अहमदाबाद के प्रतिष्ठित गिफ्ट सिटी क्लब में आयोजित होगा. यह आयोजन सेव अर्थ मिशन की वैश्विक रणनीति की शुरुआत का प्रतीक होगा, जिसमें वर्ष 2040 तक 30 अरब पेड़ लगाने और पृथ्वी को नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन की दिशा में ले जाने का लक्ष्य रखा गया है. कार्यक्रम में मिशन के वैश्विक नेटवर्क से नेता, प्रतिनिधि और स्वयंसेवक शामिल होंगे, जो देश-विदेश में वृक्षारोपण अभियानों, नई साझेदारियों और पुनर्वनीकरण के प्रयासों को मजबूत करेंगे. सेव अर्थ मिशन के भारत चैप्टर के अध्यक्ष संदीप चौधरी ने कहा, यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए गर्व का पल है. अहमदाबाद ने वैश्विक जलवायु एकता की मिसाल कायम की है. इस कार्यक्रम में हम वैश्विक रोडमैप प्रस्तुत करेंगे, जिसमें अंतरराष्ट्रीय वृक्षारोपण अभियानों, सीमापार सहयोग और नागरिकों, कॉर्पोरेट्स व सरकारों को जोड़कर 2040 तक 30 अरब पेड़ लगाने की योजना शामिल है. यह कार्यक्रम सेव अर्थ मिशन की यात्रा में एक निर्णायक और महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा.

धातु — लैटिन अमेरिकी देशों में हैं दुनिया के आधे से अधिक लिथियम

अर्जेंटीना में है लिथियम का बहुत बड़ा भंडार

एजेंसी। नयी दिल्ली

दुनिया में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे लिथियम की मांग भी लगातार बढ़ती जा रही है. लिथियम का उपयोग मुख्य रूप से बैटरी बनाने में होता है, जो स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक लगभग हर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के लिए अनिवार्य हो चुका है. वर्तमान में, लिथियम का सबसे अधिक उत्पादन ऑस्ट्रेलिया और चीन में हार्ड रॉक खनन के जरिए होता है. ऑस्ट्रेलिया विश्व का लगभग 49% लिथियम उत्पादन करता है, जबकि चीन 17% हिस्सेदारी रखता है. इसके अलावा, चिली और अर्जेंटीना में लिथियम को ब्राइन के माध्यम से निकाला जाता है. हालांकि, आने वाले समय में लिथियम के वैश्विक उत्पादन और आपूर्ति की तस्वीर बदलने की पूरी संभावना है. लैटिन अमेरिकी देश विशेष रूप से लिथियम के प्रमुख भंडारों के रूप में उभर रहे हैं, जहां दुनिया के आधे से अधिक लिथियम भंडार मौजूद हैं. इन्हें 'नया तेल' और 'सफेद सोना' कहा जाने लगा है, क्योंकि यह इलेक्ट्रिक वाहनों और स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण धातु बन चुका है.

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण अमेरिका के बोलीविया, अर्जेंटीना और चिली में लिथियम भंडार सबसे बड़े हैं. बोलीविया में लगभग 23 मिलियन मीट्रिक टन लिथियम है, अर्जेंटीना में भी लगभग उतना ही भंडार है, जबकि चिली के पास 11 मिलियन टन लिथियम मौजूद है. ये देश वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं और संसाधन सुरक्षा की रणनीतियों में अहम भूमिका निभा रहे हैं. जैसे-जैसे दुनिया जीवाश्म ईंधनों जैसे पेट्रोल और डीजल की तुलना में बैटरियों का विकल्प चुन रही है, भू-राजनीतिक ध्यान भी अब तेल-समृद्ध मिडिल ईस्ट से हटकर लिथियम-समृद्ध देशों की ओर बढ़ रहा है. अमेरिका के पास लगभग 19 मिलियन टन, ऑस्ट्रेलिया के पास 8.9 मिलियन टन और चीन के पास 6.8 मिलियन टन लिथियम भंडार हैं. लिथियम दुनिया की सबसे नर्म और हल्की धातुओं में से एक है. यह केमिकल ऊर्जा को इलेक्ट्रिक ऊर्जा में परिवर्तित कर सकता है. यह इतनी हल्की धातु है कि इसे आसानी से चाकू से काटा जा सकता है.

मस्क की राजनीति से असहमत होकर टेस्ला इंजीनियर ने छोड़ी नौकरी

नयी दिल्ली। एलन मस्क की राजनीतिक विचारधारा और हालिया सार्वजनिक गतिविधियों ने टेस्ला को आर्थिक ही नहीं, नैतिक मोर्चे पर भी झटका दिया है. मस्क के राजनीतिक रुख, खासकर डोनाल्ड ट्रंप के प्रति झुकाव, ने यूरोप की कई कंपनियों को प्रभावित किया, जिसके चलते उन्होंने अपने फ्लीट से टेस्ला कारों को हटा दिया. अब कंपनी के भीतर से भी विरोध की आवाजें उठने लगी हैं. टेस्ला में सात वर्षों तक कार्यरत इंजीनियरिंग तकनीशियन ट्रे सर्वेंटिस ने इसी वजह से कंपनी को अलविदा कह दिया. उन्होंने बताया कि वे एलन मस्क की मौजूदा विचारधारा और उनकी सार्वजनिक टिप्पणियों से आहत हैं. सर्वेंटिस ने कहा, टेस्ला ने मेरी जिंदगी को एक दिशा दी, लेकिन अब इस कंपनी के साथ बने रहना मेरे नैतिक मूल्यों के खिलाफ है.

अडानी ग्रीन एनर्जी ने पार की 15,000 मेगावाट की रिन्यूएबल क्षमता

नयी दिल्ली। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने 15,000 मेगावाट से अधिक की परिचालन अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल कर ली है, जो भारत में अब तक का सबसे तेज और सबसे बड़ा हरित ऊर्जा निर्माण है. कंपनी के अनुसार, वर्तमान में इसके पास 15,539.9 मेगावाट की कुल ऑपरेशनल क्षमता है, जिसमें 11,005.5 मेगावाट सोलर, 1,977.8 मेगावाट विंड और 2,556.6 मेगावाट की विंड-सोलर हाइब्रिड कैपेसिटी शामिल है. यह क्षमता 79 लाख घरों को बिजली प्रदान करने में सक्षम है. अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए इसे रप्लैनेट के प्रति प्रतिबद्धता और भारत के हरित पुनरुत्थानर की दिशा में एक अहम कदम बताया. उन्होंने खावड़ा के रेगिस्तानी क्षेत्र से लेकर दुनिया के शीर्ष 10 हरित ऊर्जा उत्पादकों में स्थान पाने तक की यात्रा को गर्व का विषय बताया और कहा, "यह मील का पत्थर सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि हमारे संकल्प का प्रतीक है."

यूएस ओपन 2025 : तन्वी शर्मा उपविजेता रहीं

युवा शटलर आयुष शेट्टी ने जीता पहला खिताब

एजेंसी। काउंसिल ब्लफ्स

भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने रविवार को यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया. फाइनल मुकाबले में उन्होंने कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में 21-18, 21-13 से हराया. 20 वर्षीय आयुष, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर हैं, इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने. इसके साथ ही उन्होंने विदेश में भारत को पुरुष एकल खिताब दिलाने का 2 साल का इंतजार भी खत्म किया. पिछली बार 2023 में लक्ष्य सेन ने कनाडा ओपन जीता था.

खिताबी जीत तक का सफर

आयुष का यूएस ओपन में सफर शानदार रहा. उन्होंने पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन को 21-17, 21-19 से हराया. दूसरे राउंड में उन्होंने अपने हमवतन थरुण मन्नेपल्ली को 21-12, 13-21, 21-15 से हराया. क्वार्टर फाइनल में उन्होंने वर्ल्ड नंबर 70 कुओ कुआन लिन को 22-20, 21-9 से मात दी. सेमीफाइनल में आयुष ने सबसे बड़ी चुनौती का सामना किया जब उनका मुकाबला वर्ल्ड नंबर 6 और टॉप सीड चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से हुआ. पिछली हार का बदला लेते हुए आयुष ने जोरदार वापसी करते हुए 21-23, 21-15, 21-14 से मुकाबला अपने नाम किया. वहीं यह मुकाबला काफी जोरदार रहा. दोनों के बीच काफी समय तक खेल में उतार-चढ़ाव जारी रहा.

तन्वी ने रचा इतिहास, बनीं सबसे युवा फाइनलिस्ट

वहीं महिला एकल में भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई, हालांकि वह खिताब जीतने से चूक गईं. फाइनल में उनका सामना अमेरिका की शीर्ष वरीय और विश्व नंबर 21 बेइवेन झांग से हुआ, जहां उन्हें 21-11, 16-21, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा. हालांकि तन्वी ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के किसी भी फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा भारतीय बन गई हैं. विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज तन्वी ने पहले दौर में दूसरी वरीय वियतनामी खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह को 21-19, 21-9 से हराकर तहलका मचा दिया. इसके बाद उन्होंने थाईलैंड की पूर्व जूनियर वर्ल्ड चैंपियन पिचामोन ओपटनिपुथ को 21-18, 21-16 से हराया. क्वार्टर फाइनल में उन्होंने मलेशिया की करुपथेवन लेटशाना को 21-13, 21-6 से हराया. सेमीफाइनल में यूक्रेन की सातवीं वरीय पोलीना बुह्रोवा को 21-14, 21-16 से हराकर उन्होंने फाइनल में जगह बनाई.

लैंडो नॉरिस ने जीता ऑस्ट्रियाई ग्रांप्री

एजेंसी। बीजिंग

मैकलारेन के लैंडो नॉरिस ने रविवार को आयोजित फॉर्मूला-1 ऑस्ट्रियन ग्रांप्री में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की. टीममेट ऑस्कर पियास्त्री दूसरे स्थान पर रहे, जबकि रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन रेस की पहली ही लैप में मर्सिडीज के किमी एंटोनेली से टकराकर बाहर हो गए.रेड बुल रिंग सर्किट पर तेज गर्मी के बीच नॉरिस ने पोल पोजीशन से शुरुआत की और उन्हें जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी. पियास्त्री ने तीसरे स्थान से शुरुआत की और पहले ही कोने पर चार्ल्स लेक्लेर को पीछे छोड़ दिया. इसके बाद उन्होंने पूरे रेस के दौरान नॉरिस पर दबाव बनाए रखा.रेस का अहम मोड़ 11वीं लैप में आया जब पियास्त्री ने डीआरएस का फायदा उठाकर टर्न 3 पर अस्थायी रूप से बढ़त बना ली, लेकिन नॉरिस ने उसी लैप में स्थिति संभाल ली और दोबारा लीड हासिल की.बाद के चरणों में, नॉरिस ने मामूली फ्रंट विंग डैमेज और बैकमार्कर्स के बीच अंतर को बनाए रखते हुए बढ़त कायम रखी. टीम रेडियो पर यह स्पष्ट किया गया कि दोनों मैकलारेन ड्राइवरों को आपस में रेस करने की आज़ादी है, लेकिन शर्त थी कि दोनों कारें सुरक्षित फिनिश करें.आखिरी लाइन तक नॉरिस ने पियास्त्री पर 2.7 सेकंड की बढ़त के साथ रेस जीत ली. यह इस सीजन में उनकी तीसरी जीत रही और इसके साथ ही उन्होंने पियास्त्री के चैंपियनशिप में अंकों की बढ़त को घटाकर सिर्फ 15 अंक कर दिया.कनाडाई ग्रांप्री में पिछली बार नॉरिस की पियास्त्री से टक्कर हो गई थी, जिससे वे रेस से बाहर हो गए थे. उस गलती को नॉरिस ने स्वीकार किया था और अब ऑस्ट्रिया में मिली जीत उनके लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली रही.रेस की शुरुआत ही नाटकीय रही जब कार्लोस सैंज की विलियम्स कार फॉर्मेशन लैप में ही रुक गई, जिससे रेस की दूरी 71 से घटाकर 70 लैप कर दी गई. शुरुआत के तुरंत बाद एंटोनेली ने ब्रेकिंग पॉइंट का गलत आकलन करते हुए वेरस्टैपेन से टक्कर मार दी, जिससे दोनों कारें बाहर हो गईं. इस दुर्घटना से वेरस्टैपेन की 31 रेसों से जारी पॉइंट्स की लय टूट गई.मैकलारेन की जोड़ी के बाद फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर तीसरे स्थान पर रहे, जो इस सीजन में उनका चौथा पोडियम फिनिश है. लुईस हैमिल्टन ने चौथा और जॉर्ज रसेल ने पांचवां स्थान हासिल किया.

टेक्सास सुपर किंग्स ने एमआई न्यूयॉर्क को 39 रन से हरा दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

टेक्सास सुपर किंग्स ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के 21वें मैच को अपने नाम किया. इस टीम ने एमआई न्यूयॉर्क को 39 रन से मात दी. इसी के साथ टेक्सास सुपर किंग्स इस सीजन प्लेऑफ में पहुंचने वाली तीसरी टीम बन गई है. यह सीजन में टेक्सास सुपर किंग्स की पांचवीं जीत रही. टीम ने अब तक सात में से पांच मुकाबले अपने नाम किए हैं. वहीं, सीजन की छठी हार के बाद एमआई न्यूयॉर्क की टीम प्वाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर है. इस टीम के लिए यहां से प्लेऑफ में पहुंचना बेहद मुश्किल नजर आ रहा है.मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टेक्सास सुपर किंग्स ने चार विकेट खोकर 223 रन बनाए.फाफ डु प्लेसिस ने सैतेजा मुक्कामल्ला (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी की. इसके बाद उन्होंने मार्कस स्टोइनिस (25) के साथ तीसरे विकेट के लिए 57 रन जोड़े.टेक्सास सुपर किंग्स की टीम 140 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी, जिसके बाद डु प्लेसिस ने डोनोवन फेरीरा के साथ चौथे विकेट के लिए 81 रन जोड़ते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया.डोनोवन फेरीरा ने 20 गेंदों में पांच छक्कों और तीन चौकों की मदद से 53 रन की पारी खेली, जबकि डु प्लेसिस 53 गेंदों में 103 रन बनाकर नाबाद रहे, जिसमें नौ छक्के और पांच चौके शामिल थे.विपक्षी टीम की ओर से रुशिल उगरकर और जॉर्ज लिंडे को दो-दो सफलता हाथ लगी.इसके जवाब में एमआई न्यूयॉर्क की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट खोकर 184 रन ही बना सकी.टीम 75 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा चुकी थी. यहां से किरोन पोलार्ड ने माइकल ब्रेसवेल (26) के साथ पांचवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े.

किरोन पोलार्ड ने 39 गेंदों में पांच छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से 70 रन की तूफानी पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके.विपक्षी टीम की ओर से अकील हुसैन ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके, जबकि नांद्रे बर्गर और मार्कस स्टोइनिस को दो-दो सफलता हाथ लगी.

विजय अभियान जारी रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम

दूसरे टी20 मुकाबले में होगी हरमनप्रीत कौर की वापसी?

एजेंसी। ब्रिस्टल

भारतीय महिला टीम का इंग्लैंड से पांच मैचों की टी20 सीरीज में सामना हो रहा है. हरमनप्रीत कौर की गैरमौजूदगी में भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 97 रनों से हराया था. अब टीम की नजर दूसरे मुकाबले में जीत दर्ज कर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करने पर होगी. ब्रिस्टल में मंगलवार को दूसरा मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 11 बजे से खेला जाएगा, जिसमें हरमनप्रीत की वापसी की उम्मीद है. पहले मुकाबले में उनकी जगह स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली थी.

अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हुई थीं हरमनप्रीत : नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मंधाना के इस प्रारूप में पहले शतक की बदौलत भारत ने 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी. दूसरे मैच में हरमनप्रीत की वापसी से जहां भारतीय टीम को मजबूती मिलेगी वहीं इंग्लैंड की टीम की चिंताएं बढ़ेंगी. हरमनप्रीत को अभ्यास मैच के दौरान सिर में चोट लगने के बाद एहतियात के तौर पर पहले मैच में आराम दिया गया था.

भारत की गेंदबाजी के आगे पस्त हुई इंग्लैंड की टीम : मंधाना के स्ट्रोक्स से भरे शतक ने इंग्लैंड के खेमे में खतरे की घंटी बजा दी होगी, क्योंकि 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम बुरी तरह बिखर गई और 113 रन पर ढेर हो गई. यह वह दिन था जब मंधाना की पारी ने मेजबान टीम को जबरदस्त दबाव में ला दिया, जिसका बाद में भारतीय गेंदबाजों ने पूरा फायदा उठाया. भारत के स्पिन आक्रमण के सामने इंग्लैंड की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई. उसके बल्लेबाजों के पास भारतीय स्पिनरों विशेषकर बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी का कोई जवाब नहीं था जिन्होंने अपने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लिए. मंधाना और हरलीन की बल्लेबाजी ने बनाया इंग्लैंड पर दबाव

पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरुआत की और इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं.

भारतीय खिलाड़ियों को बंगलुरू में लंबे शिविर के बाद इंग्लैंड में जल्दी पहुंचने और कुछ अभ्यास मैचों में खेलने से लय हासिल करने में मदद मिली और पहले मैच में उसने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया. भारतीय टीम अपनी प्रमुख तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर के चोटिल होने के बावजूद बेहतर टीम नजर आ रही थी. हरलीन देओल को तीसरे नंबर पर उतारने का फैसला भी सही साबित हुआ क्योंकि उन्होंने मंधाना के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी.

यह सीरीज निश्चित रूप से भारत की युवा खिलाड़ियों को अगले साल इंग्लैंड में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों का जायजा लेने में मदद करेगी. खेल के सबसे छोटे प्रारूप में हालांकि समीकरण बदलने में देर नहीं लगती और इसलिए भारतीय टीम को सतर्क रहना होगा क्योंकि इंग्लैंड की टीम वापसी करने के लिए बेताब होगी.

टीम इस प्रकार हैं

भारत

- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, सयाली सतघरे, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्री चरणी, राधा यादव.

इंग्लैंड

- नताली सिवर-ब्रंट (कप्तान), टैमी ब्यूमोंट (विकेटकीपर), सोफिया डंकली, एमी जोन्स (विकेटकीपर), डैनी व्याट-हॉज, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, पैगे शॉल्फिल्ड, एम अर्लट, लॉरेन बेल, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, लिन्सी स्मिथ, इसी वोंग.

एफआईएच प्रो लीग - महिला हॉकी टीम चीन से 2-3 से हारी

एजेंसी। बर्लिन

भारतीय महिला हॉकी टीम को रविवार को बर्लिन में चीन के खिलाफ खेले गए मैच में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 में उसका अभियान समाप्त हो गया.चीन की तरफ से यिंग झांग ने मैच के 19वें और 30वें मिनट में गोल किया. वहीं, जू वेन्यू ने 53वें मिनट में गोल किया. भारत की तरफ से दो गोल सुनलिता टोप्पो (9वें मिनट) और रुजुता दादासो पिसल (38वें मिनट) ने किए.इस सत्र का यह आखिरी मैच था. नीदरलैंड शीर्ष पर रहा, अर्जेंटीना दूसरे और बेल्जियम लीग में तीसरे स्थान पर रहा. चीन अंक तालिका में चौथे स्थान पर रहा. भारत अंतिम स्थान पर रहा. भारतीय टीम को प्रतिष्ठित एफआईएच प्रो लीग में फिर से अपना स्थान हासिल करने के लिए एफआईएच नेशंस कप खेलना होगा.भारत की शुरुआत अच्छी रही. उसने मैच के नौवें मिनट में बढ़त हासिल की, जब नेहा गोयल से मिले पास को सुनिलिता टोप्पो ने गोल में बदला. ओडिशा की युवा खिलाड़ी ने पास को अच्छी तरह से गैदर किया और सीधे गोल पोस्ट पर की तरफ शॉट लगाया. दो मिनट बाद चीन को पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय टीम ने इसका अच्छा बचाव किया.चीन को बराबरी करने में ज्यादा समय नहीं लगा. 18वें मिनट में चीन को पेनाल्टी कॉर्नर मिला. डेंग किउचन को भारतीय डिफेंडर मनीषा चौहान ने उस समय चेहरे पर मारा, जब वह पास को क्लियर करने की कोशिश कर रही थी. किउचन को मैदान से बाहर ले जाना पड़ा और मैदानी अंपायर ने चीन को पेनल्टी स्ट्रोक दिया, जिस पर भारत ने अपील की.वीडियो अंपायर ने चीन को पेनल्टी कॉर्नर दिया, जिसे यिंग झांग ने गोल में बदल दिया. चीन ने दूसरे क्वार्टर के अंत में एक और पीसी हासिल किया. झांग ने एक बार फिर सही जगह बनाई और अपने नाम एक और गोल किया, जिससे चीन की बढ़त सुनिश्चित हुई.भारत को 37वें मिनट में बराबरी का मौका मिला जब उसे मैच का अपना पहला पीसी मिला. पहला पीसी चीनी डिफेंडरों ने रोक दिया, लेकिन बैक स्टिक था. हालांकि मैदानी अंपायर ने इसे नहीं देखा. भारत ने सफल रेफरल लिया और एक और पीसी हासिल किया. अनुभवी नवनीत कौर ने गेंद को रुजुता को पास किया, जो दाएं फ्लैंक पर खड़ी थीं.

अगले साल रिकॉर्ड छठा विश्व कप खेलेंगे क्रिस्टियानो रोनाल्डो

एजेंसी ।लिस्बन

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो रिकॉर्ड छठे फीफा विश्व कप में खेलने के लिए क्लब विश्व कप का हिस्सा नहीं बने हैं. उन्होंने कहा कि उनके लिए यह लंबा सत्र है और वह आराम कर के खुद को फिट और तरोताजा रखना चाहते हैं. रोनाल्ड अगले साल फीफा विश्व कप तक 41 वर्ष के हो जाएंगे.

रोनाल्डो ने सऊदी अरब के अपने क्लब अल नस्र द्वारा पोस्ट किए गए एक इंस्टाग्राम वीडियो में कहा, 'मेरे पास क्लब विश्व कप खेलने के कुछ प्रस्ताव थे, लेकिन मुझे लगता है कि इसका कोई मतलब है क्योंकि मैं अच्छी तरह से आराम करना और बेहतर तैयारी करना पसंद करता हूं. यह सत्र बहुत लंबा होगा क्योंकि सत्र के अंत में विश्व कप खेला जाना है.'उन्होंने अल नस्र के साथ दो साल के अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा, 'इसलिए मैं न केवल अल नस्र के लिए बल्कि राष्ट्रीय टीम के लिए भी तैयार रहना चाहता हूं.' 40 वर्षीय रोनाल्डो ने तीन हफ्ते पहले स्पेन के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट जीत के साथ पुर्तगाल को नेशंस लीग ट्रॉफी जीतने में मदद की थी.इससे पहले ऐसी अटकलें थीं कि वह अमेरिका में चल रहे क्लब विश्व कप में खेलने के लिए किसी अन्य क्लब से जुड़ सकते हैं. वह और लंबे समय से अर्जेंटीना के प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की सह-मेजबानी वाले टूर्नामेंट में छह विश्व कप में खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन सकते हैं.

निकहत और अंकुशिता बोरो ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी। हैदराबाद

दो दफा की विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने यहां एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट के दूसरे दिन शानदार जीत से 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. निकहत ने कल्पना पर 5-0 से शानदार जीत के साथ घरेलू दर्शकों को खुश कर दिया.पूर्व युवा विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और राजस्थान की मुक्केबाज पार्थवी पर 5-0 की शानदार जीत के साथ 65 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. क्वार्टरफाइनल के अन्य नतीजों में प्रीति (54 किग्रा), ज्योति (51 किग्रा) और देविका घोरपड़े (51 किग्रा) ने सर्वसम्मत फैसलों से सेमीफाइनल में जगह बनाई.तमिलनाडु की वी लक्ष्या (51 किग्रा) ने लक्ष्मी देवी पर 5-0 की जीत से प्रभावित किया जबकि तनु (54 किग्रा), शशि (65 किग्रा) और यशी शर्मा (65 किग्रा) भी मजबूत प्रदर्शन की बदौलत अगले दौर में पहुंची.

एवर्टन के स्ट्राइकर कैल्वर्ट-लेविन नौ साल बाद क्लब से होंगे विदा

एजेंसी। लंदन

एवर्टन फुटबॉल क्लब के स्टार स्ट्राइकर डोमिनिक कैल्वर्ट-लेविन ने रविवार को घोषणा की कि वह जून के अंत में अपना अनुबंध समाप्त होने के बाद क्लब को छोड़ देंगे. वह अब फ्री एजेंट के रूप में उपलब्ध होंगे.28 वर्षीय कैल्वर्ट-लेविन ने नौ सीजन तक क्लब का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उन्होंने कुल 274 मैचों में 71 गोल किए.

उन्होंने यह फैसला सोशल मीडिया पर एक ओपन लेटर के ज़रिए साझा किया.उन्होंने लिखा,एवर्टन फुटबॉल क्लब और एवर्टोनियंस को पिछले नौ शानदार वर्षों के बाद मैंने अपने परिवार के साथ मिलकर करियर में एक नया अध्याय शुरू करने का कठिन निर्णय लिया है.उन्होंने आगे लिखा, यह निर्णय लेना मेरे लिए आसान नहीं था. 19 साल की उम्र में जब मैंने इस क्लब में कदम रखा था, तभी से यह मेरा घर बन गया. इस क्लब ने मुझे निखारा, चुनौती दी और एक खिलाड़ी के साथ-साथ एक इंसान के रूप में भी तराशा.उन्होंने लिखा, यह फैसला केवल मेरा नहीं है, बल्कि मेरे परिवार के साथ मिलकर लंबे विचार-विमर्श के बाद लिया गया है. हमें लगता है कि अब एक नई चुनौती को अपनाने और खुद को आगे बढ़ाने का सही समय है. हालांकि इससे एवर्टन से मेरा जुड़ाव कभी कम नहीं होगा.कैल्वर्ट-लेविन ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सीजन 2019-20 और 2020-21 में बिताए थे. हालांकि इसके बाद से वह चोटों से जूझते रहे और केवल 34 लीग मैचों में सात गोल ही कर सके.

फुटबॉल फीफा क्लब विश्व कप: अंतिम आठ में टीमों की जंग शुरु

बायर्न म्यूनिख ने फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया

एजेंसी। मियामी

हैरी केन के दो शानदार गोलों की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया. रविवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बायर्न ने ब्राजील के फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया.जर्मन क्लब के लिए लियोन गोरेट्ज़का ने भी एक गोल किया, जबकि एरिक पुलगार का आत्मघाती गोल टीम के लिए बोनस साबित हुआ. फ्लेमेंगो के लिए गेरसन और जोर्जिन्हो ने गोल किए, लेकिन उनकी कोशिशें टीम को हार से नहीं बचा सकीं.इस जीत के साथ बायर्न अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए शनिवार को अटलांटा में पेरिस सेंट-जर्मेन से भिड़ेगा. ने दिन के पहले मुकाबले में इंटर मियामी को 4-0 से हराया था.

शुरुआती झटकों से उबरने की कोशिश में फ्लेमेंगो असफल

मैच की शुरुआत में ही बायर्न ने जोरदार आक्रमण किया और छठे मिनट में जोशुआ किमिच के कॉर्नर पर क्लियर करने की कोशिश में एरिक पुलगार ने आत्मघाती गोल कर दिया. इसके कुछ ही मिनट बाद फ्लेमेंगो की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए केन ने लंबी दूरी से पोस्ट से टकराता हुआ शानदार गोल दागा.हालांकि, फ्लेमेंगो ने हार नहीं मानी और कई मौकों पर बायर्न के डिफेंस को चुनौती दी. आखिरकार 31वें मिनट में गेरसन ने 15 गज की दूरी से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 2-1 कर दिया.लेकिन बायर्न ने तुरंत जवाब दिया. गोरेट्ज़का ने विरोधी टीम की एक क्लियरेंस को छाती से रोककर 25 गज की दूरी से शानदार गोल कर बायर्न की बढ़त 3-1 कर दी. हाफ टाइम से पहले पुलगार का हैरी केन पर खतरनाक टैकल लगभग झगड़े में बदल गया, हालांकि उन्हें सिर्फ पीला कार्ड दिखाया गया.

दूसरे हाफ में जोर्जिन्हो ने लौटाई उम्मीद, फिर भी हार

दूसरे हाफ में फ्लेमेंगो ने जोरदार वापसी की और मिडफील्ड में नियंत्रण हासिल किया. 55वें मिनट में माइकल ओलिस के हैंडबॉल पर फ्लेमेंगो को पेनल्टी मिली, जिसे जोर्जिन्हो ने गोल में बदला और स्कोर 3-2 कर दिया.लेकिन बायर्न ने एक बार फिर बढ़त कायम कर ली. केन ने फ्लेमेंगो की मिडफील्ड में की गई गलती का फायदा उठाकर किमिच के पास पर चौथा गोल दाग दिया और स्कोर 4-2 कर दिया.अंत में बायर्न की अनुभव और मौके भुनाने की क्षमता फ्लेमेंगो पर भारी पड़ी, और जर्मन क्लब ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली.

पीएसजी ने मेसी की इंटर मियामी को 4-0 से हरा क्वाफा में जगह बनायी

एजेंसी। मियामी गार्डेंस

जोआओ नेवेस के दो गोल की बदौलत चैंपियंस लीग के चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने विश्व के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली इंटर मियामी को 4-0 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. मेसी मेजर लीग सॉकर में आने से पहले दो सीजन पीएसजी से भी खेल चुके हैं. अटलांटा के स्टेडियम में 65,574 दर्शकों के अपार समर्थन के बावजूद अर्जेंटीना का स्टार खिलाड़ी कोई जादू नहीं कर पाया और उनकी टीम को बड़ी हार का सामना करना पड़ा.नेवेस ने मैच के छठे मिनट में अपना पहला गोल दागा. पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने 39वें मिनट में एक और गोल किया. इंटर मियामी पहले हाफ के अंतिम चरण में पूरी तरह से बिखर गया और उसने आत्मघाती गोल कर दिया. अचरफ हकीमी ने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करके पीएसजी को मध्यांतर से पहले चार गोल की बढ़त दिला दी. पीएसजी की इस जीत ने एक महीने पहले खेले गए चैंपियंस लीग के फाइनल की याद ताजा कर दी जब फ्रांस के इस क्लब ने इंटर मिलान को 5-0 से हराकर पहली बार यूरोपीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था. क्वार्टर फाइनल में पीएसजी का मुकाबला शनिवार को अटलांटा में बायर्न म्यूनिख से होगा. जर्मन क्लब ने अंतिम 16 के एक अन्य मैच में ब्राजील के फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया.

ब्रीफ न्यूज

दीक्षा मंडल का स्वच्छता पखवारा

महुदा। रविवार को दीक्षा महिला समिति, बीसीसीएल के अंतर्गत बरोरा क्षेत्र में संचालित प्रेरणा महिला समिति के द्वारा बरोरा क्षेत्र के अतिथि गृह में स्वच्छता पखवारा अभियान के तहत स्वच्छता कर्मियों के बीच प्रतिबंधित प्लास्टिक बैग की जगह जुट बैग का वितरण किया गया. जिससे प्लास्टिक से पर्यावरण को मुक्त किया जा सके और पर्यावरण प्रदूषण मुक्त हो सके. स्वच्छता पखवारा अभियान के उक्त कार्यक्रम को ससफल सम्पन्न करने के लिए प्रेरणा महिला समिति की ओर से ममता सिन्हा, शालिनी, मृगावती राजपूत, अपराजिता सिंह, सोनल सेनगुप्ता, रश्मि, लक्ष्मी वर्णवाल, लता मिश्रा एवं अन्य उपस्थित हुए.

धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में समारोह

धनबाद। सोमवार को धनबाद मंडल में जून माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों का समापक भुगतान किया गया. इस माह में कुल 37 सेवानिवृत्ति के मामले आए थे, जिनमें सभी कर्मचारियों का समापक भुगतान कर दिया गया है. विदित हो कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत कर्मचारियों के समापक भुगतान को प्राथमिकता दी जाती है. मंडल प्रशासन सेवानिवृत कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है. उल्लेखनीय है कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत कर्मचारियों के समापक भुगतान की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं.

गिद्दी अस्पताल कर्मियों ने स्वच्छता अभियान चलाया

गिद्दी। आदर्श क्षेत्रीय अस्पताल गिद्दी में सोमवार को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया. इस दौरान अस्पताल कर्मियों ने श्रमदान करके अस्पताल परिसर और अगल बगल में साफ सफाई की. इस स्वच्छता अभियान में सीसीएल अरगड्डा क्षेत्र के एसओपी मो फैयाजुल हक, कार्मिक प्रबंधक राजीव कुमार, मनीष अंबष्टा, डॉ जेडआई खान, डॉ संजू यादव, रजत जायसवाल, सतीश चौधरी, कौशिक दत्ता सहित अस्पताल कर्मी उपस्थित थे.

आदिवासी संघर्ष मोर्चा ने मनाया हूल दिवस

गिद्दी। आदिवासी संघर्ष मोर्चा ने सोमवार को रेलीगढ़ा दोतल्ला में हुल दिवस मनाया. कार्यक्रम के शुरुआत में आदिवासी संघर्ष मोर्चा के नेताओं कार्यकर्ताओं ने सिद्ध कान्हु के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया के शहिदों को दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दिया. मुख्य अतिथि आदिवासी संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक देवकीनंदन बेदिया, आरडी मांझी, भाकपा माले राज्य कमेटी सदस्य बसंत कुमार, भुनेश्वर बेदिया, धनेश्वर तुरी, हजारीबाग जिला सचिव पच्चू राणा, रामगढ़ जिला सचिव हीरा गोप उपस्थित थे.

रामगढ़ पुलिस ने धनबाद से आरोपी को किया गिरफ्तार

रामगढ़। रामगढ़ थाने में दर्ज कांड संख्या 145/25 में अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने धनबाद से गीता देवी पति जय साव को गिरफ्तार किया गया है। रामगढ़ पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार गीता देवी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मालूम हो रांची रोड के एक व्यवसायी से 75 से 80 लाख रुपए की ठगी के मामले में रामगढ़ थाने में कांड दर्ज किया गया था। जानकारी के अनुसार गीता देवी के बैंक के खाते में भी ठगी के 4.5 लाख रुपए जमा कराए गए थे.

ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर नहीं रहने का लगाया आरोप

सर्पदंश से वृद्ध महिला की मौत, लोगों में आक्रोश

शुभम संदेश । सतगावां

थाना क्षेत्र के ग्राम नावाडीह में सोमवार की सुबह सर्पदंश से एक वृद्ध महिला की मौत हो जाने का मामला सामने आया है. मिली जानकारी के मुताबिक नावाडीह निवासी 60 वर्षीय महिला रुकमणी देवी पति-स्व०प्रकाश शर्मा को सुबह में घरेलू कार्य के दौरान जहरीले सांप ने काट लिया, जिससे उसकी तबियत बिगड़ने लगी.

तबियत बिगड़ते देख परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से आनन फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां लाया गया, लेकिन ड्यूटी पर एक भी चिकित्सक नहीं रहने के कारण करीब आधे घंटे के बाद वृद्ध महिला की मौत हो गयी.इस घटना से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है.

आक्रोश जताते हुए स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि श्रीकांत यादव व ग्रामीण अखिलेश कुमार तथा पिंटू कुमार आदि ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 24 घंटे डॉक्टर की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार से की है.साथ ही ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले चिकित्सक पर कार्रवाई की मांग की है.परिजनों व ग्रामीणों के मुताबिक वृद्ध महिला का समय पर उपचार किया जाता तो शायद उसकी जान बच सकती थी.।बवहीं इस घटना से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है.पूरे गांव में मातम छा गया है.वहीं चिकित्सक के ड्यूटी से गायब रहने के आरोप पर पूछे जाने पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रामाशीष चौधरी ने बताया कि ड्यूटी मेरी थी, लेकिन कोर्ट में मेरी गवाही के कारण मेरे अनुपस्थिति में डॉ. सीरीन बानों ड्यूटी पर थी.

जयनगर में सर्पदंश से महिला अचेत

जयनगर (कोडरमा)। तिलैया डैम ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमरिया गांव में सोमवार की अहले सुबह एक महिला सर्पदंश का शिकार हो गई.महिला की पहचान सिमरिया गांव निवासी 60 वर्षीय मूर्ति देवी, पति पच्चू यादव के रूप में हुई है.घटना को लेकर महिला के परिजनों ने बताया कि सोमवार की सुबह वह अपने गौशाले में गोबर उठा रही थी कि अचानक वहां पर एक सांप आया और इन्हें डस लिया, जिसके पश्चात इन्हें आनन फानन में कोडरमा सदर अस्पताल लाया गया.जहां चिकित्सकों ने इन्हें एन्टी वेनॉम इंजेक्शन लगाया.हालांकि इनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने के कारण इन्हें रिम्स (रांची) रेफर कर दिया गया है.

जहरीली खुखड़ी खाने से पांच लोग बीमार

केरेडारी। केरेडारी प्रखण्ड के लोचर गांव में खुखड़ी खाने से एक ही परिवार के पांच लोग बीमार हो गए. जिसमें लोचर गांव निवासी महावीर महतो उम्र लगभग 60 वर्ष, उनकी पत्नी बेधनी देवी उम्र 55, पुत्र रबिन्द्र कुमार(45)बहु शोभा कुमारी उम्र 40एवं रविन्द्र के नानी सास इटखोरी निवासी चमेली देवी शामिल है. इस बाबत महावीर महतो ने बताया कि हम खेत में धान के बीज बोने गए थे. उसी क्रम में खेत के बगल में खुखड़ी देखे और उठा लिया. उसके बाद घर लाकर बना कर सभी परिवार खाये,खाने के दो घंटे बाद सभी को चक्कर आने लगा एवं साथ ही उल्टी व दस्त शुरू हो गया.

हूल दिवस पर सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि, बोले सांसद मनीष जायसवाल

यह दिन हमारे नायकों के प्रति सम्मान का प्रतीक

शुभम संदेश। हजारीबाग

हूल दिवस के अवसर पर हजारीबाग के सिद्धो-कान्हू चौक पर एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई.

इस अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता, झामुमो नेता फागू बेसरा, सीपीआई नेता गणेश सीटू, भाजपा नेत्री फुलवा कच्छप, भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष रमेश हेंब्रम, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रेणुका साहू सहित कई राजनीतिक व सामाजिक नेता उपस्थित रहे. मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि देश की आज़ादी में झारखंड के असंख्य वीरों ने बलिदान दिया, जिन्हें हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि सिद्धो-कान्हू जैसे योद्धाओं ने जिस न्यायपूर्ण और स्वतंत्र भारत का सपना देखा था, हमें उसी दिशा में कार्य करते रहना है. यह दिन न केवल हमारे इतिहास की याद दिलाता है, बल्कि हमारे मूल्यों, नायकों और संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक भी है. इस दौरान सभी ने वीर शहीद सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके बलिदान को याद करते हुए जयकारे लगाए. इस आयोजन में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक परिधानों में शामिल हुए. वे अपने साथ तीर-धनुष, कुल्हाड़ी और वृक्ष लेकर पहुंचे, जो उनके सांस्कृतिक गौरव और पर्यावरण के प्रति गहरे जुड़ाव को दर्शाता है. यह दृश्य प्रकृति, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम के समन्वय का प्रतीक बन गया. आदिवासी समाज ने इस आयोजन के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया कि वे न केवल अपने पूर्वजों की वीरता को याद रखते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी अपने कर्तव्य का हिस्सा मानते हैं.

हूल दिवस पर डीसी ने दी सिद्धो-कान्हू को श्रद्धांजलि

शुभम संदेश । हजारीबाग

हूल दिवस के अवसर पर उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने पीडब्ल्यूडी चौक स्थित वीर सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. यह स्थल आदिवासी समाज के दो महान सपूतों की वीरता और बलिदान का प्रतीक है, जिन्होंने 1855 में ब्रिटिश शासन के खिलाफ ₹हूल विद्रोह₹ का नेतृत्व किया था. इस मौके पर जिले के कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिक भी उपस्थित थे. कार्यक्रम में उत्साह और गौरव का माहौल देखने को मिला. उन्होंने यह भी कहा कि हूल दिवस केवल एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि यह दिन हमें सामाजिक एकता, समरसता और स्वतंत्रता के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है. आज के दिन हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो जैसे महानायकों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें. कार्यक्रम के दौरान आमजन को हूल विद्रोह और देश की आजादी में आदिवासी समाज के योगदान की जानकारी दी गई. ₹हूल दिवस₹ को गरिमामय रूप से मनाते हुए आज के युवाओं को इतिहास से जुड़ने और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया गया.

भाजपा ने किया गांव जन चौपाल का आयोजन

रामगढ़ । भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ कैंट मंडल में हूल दिवस पर गांव जन चौपाल लगाया गया. इस दौरान भाजपा रामगढ़ कैंट मंडल के वार्ड नंबर 4 कुंवर टोला में कार्यक्रम हुआ. गांव जन चौपाल लगाकर प्रधानमंत्री मोदी के किए गए कार्यों की जानकारी दी गई. मंडल अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ.कार्यक्रम की सफलता को लेकर प्रभारी प्रो संजय प्रसाद सिंह बनाए गए थे. वक्ताओं ने कहा कि ऐतिहासिक संथाल आंदोलन की याद में 30 जून को सम्मान और जुनून के साथ हर जगह हूल दिवस मनाया जाता है. इस दिन 1855 को सिद्धू मुर्मू और कानू मुर्मू के नेतृत्व में हजारों संथाल भगनाडीही मैदान में एकत्र हुए थे.उन्होंने कोलकाता की ओर सामूहिक मार्च शुरू किया था. इसके बाद संथाल विद्रोह एक ऐतिहासिक विद्रोह के रुप में विख्यात हुआ. इसी को सम्मान देने के लिए हर साल 30 जून को हूल क्रांति दिवस मनाया जाता है. ब्रिटिश सेना के सिपाहियों की गोलीबारी में सिद्धू की जान चली गई और 23 फरवरी 1856 को कानू को भोगनाडीह के पास पंचकठिया बरगद के पेड़ पर फांसी दे दी गई. संचालन केंद्र मंडल के महामंत्री ऋषिकेश सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन मंडल की उपाध्यक्ष बृजेश पाठक ने किया. हूल दिवस एवं जन चौपाल कार्यक्रम में रमेश करमाली, इला रानी पाठक, जिला महामंत्री विजय जायसवाल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शीतल सिंह, ओबीसी मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज जायसवाल, राजेश ठाकुर, वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील पासवान, महेंद्र पांडे, अमित कुमार ठाकुर, संजय अग्रवाल, रवि गुप्ता आदि मौजूद थे.

प्रत्येक व्यक्ति को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए : ओझा

शुभम संदेश । झुमरी तिलैया

भारत विकास परिषद झुमरी तिलैया कोडरमा की एक आम बैठक रविवार को बचपन प्ले स्कूल असनाबाद परिसर में आयोजित की गई.बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष अरुण कुमार ओझा तथा संचालन सचिव विमल कुमार पचीसिया ने किया.बैठक में मुख्य रूप से पर्यावरण संरक्षण, परिषद के स्थापना दिवस एवं नए सदस्य बनाने पर विशेष रूप पर चर्चा की गई.बैठक में पर्यावरण कैसे ठीक रखा जाए एवं अधिक से अधिक पौधारोपण को लेकर चर्चा की गई. साथ ही वैसे जगह को चिन्हित करने का निर्णय लिया गया, जहां पर पौधारोपण किया जा सके और उसे बड़ा होने तक देखभाल की जा सके.इसके लिए एक टीम बनाई गई.वही पौधारोपण करने के लिए नगर परिषद एवं जिला प्रशासन को हर संभव सहयोग करने का कोई निर्णय लिया गया. इसके अलावा अड्डी बांग्ला दुर्गा मंडप प्रांगण, ब्लॉक स्थित तालाब परिसर, विश्राम बाग में पौधारोपण जल्द से जल्द करने का निर्णय लिया गया गया.इसके अलावा बैठक में भारत विकास परिषद का स्थापना दिवस 12 जुलाई को बीआर इंटरनेशनल स्कूल चाराडीह में मनाने का निर्णय लिया गया. मौके पर भारत को जानो एवं समूह गान प्रतियोगिता को ससमय कराने का भी निर्णय लिया गया.इसके लिए भी एक टीम का गठन किया गया. बैठक के दौरान झुमरीतिलैया शहर को जाम से निजात दिलाने, स्वच्छ एवं सुंदर रखने को लेकर जिला प्रशासन, खासकर उपयुक्त ऋतुराज, एसडीओ रिया सिंह एवं नगर परिषद के प्रशासक अंकित गुप्ता एवं सिटी मैनेजर लेवांशु कुमार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई. मौके पर सुरेश जैन, मधुसूदन दारूका, नारायण सिंह, प्रोफेसर कैलाश राणा, कुंज बिहारी त्रिवेदी, धर्मेंद्र सिंह, संतोष कुमार सिंह, कैलाश चौधरी, छोटेलाल पांडे, अजय अग्रवाल, मनोज कुमार सिंह, संजय अग्रवाल, कुलबीर सलूजा, जयंती सेठ, जूही दास गुप्ता, अभय चरण पहाड़ी, तेज नारायण ओझा, असीम तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

एचडीसीए की एजीएम से पूर्व तैयारियों को लेकर की बैठक

शुभम संदेश। हजारीबाग

हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ (एचडीसीए) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम), जो आगामी 9 जुलाई को प्रस्तावित है, उससे पहले सोमवार को संघ के अध्यक्ष एवं स्थानीय सांसद मनीष जायसवाल की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई. यह बैठक खजांची तालाब के समीप संघ से जुड़े वरिष्ठ सदस्य अनिल अग्रवाल के आवास पर आयोजित की गई.

बैठक में एचडीसीए की सीनियर कोर कमेटी के सदस्य एवं पदाधिकारी शामिल रहे, जिनमें प्रमुख रूप से विकास चौधरी, प्रमोद कुमार, आशीष चौधरी, अनिल अग्रवाल, रणजीत सिंहा और बंटी तिवारी उपस्थित थे. सभी सदस्यों ने आगामी एजीएम की रूपरेखा, आयोजन की तैयारियां, और उससे संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया. इस मौके पर अध्यक्ष मनीष जायसवाल ने एजीएम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली और आयोजन को सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने हेतु कई निर्देश दिए. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एजीएम संघ की पारदर्शिता और कार्यक्षमता को दर्शाने का महत्वपूर्ण अवसर है, जिसे हर स्तर पर सफल बनाना जरूरी है. यह बैठक एजीएम की तैयारियों को अंतिम रूप देने और उसे सफल बनाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है.

भारी बारिश से कई लोगों का कच्चा मकान गिरा

रामगढ़। रजरप्पा कोयलांचल क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है. जिस कारण क्षेत्र का जन जीवन पूरी तरह से अस्त - व्यस्त हो गया है. वहीं क्षेत्र में कई लोगों के कच्चा मकान भी ध्वस्त हो गया. साथ ही कई पेड़ पौधे की भी गिरने की सूचना है. बारिश के कारण क्षेत्र में लगातार कई घंटे तक विद्युत आपूर्ति ठप रही. जानकारी के अनुसार भारी बारिश से चितरपुर कुर्मी टोला निवासी संजोती देवी पति गुलू चौधरी, ममता देवी पति कृष्णा चौधरी, आशा देवी पति सुलेंद्र चौधरी, बबीता देवी पति स्व जगरनाथ चौधरी सहित कई लोगों का खपरैल मकान गिर कर ध्वस्त हो गया. जिससे अब इनके परिवार के समक्ष रहने को लेकर विकट स्थिति उत्पन्न हो गयी है. कई परिवार किराया के मकान में रहने को मजबूर है. पीड़ित परिवारों ने संबंधित विभाग से मुआवजा और आवास योजना का लाभ देने की मांग की है.

काउंसलिंग

ग्रिज़ली विद्यालय में सीयूईटी काउंसलिंग का आयोजन संपन्न

छात्रों को कोर्स विकल्प व करियर की मिली जानकारी

शुभम संदेश । कोडरमा

ग्रिज़ली विद्यालय में कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सुजीत कुमार उपस्थित थे, जो डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉमर्स विभाग में प्रोफेसर हैं और तीन दशकों से अधिक का शैक्षणिक अनुभव रखते हैं.

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. कुमार को पौधा भेंट कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने सी.यू.ई.टी. पंजीकरण की प्रक्रिया, इस वर्ष के नए बदलाव, पाठ्यक्रम चयन और करियर विकल्पों पर विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पंजीकरण दो चरणों में होगा पहला, अकादमिक व व्यक्तिगत विवरण भरना जिसमें एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज का सही उल्लेख करना जरूरी है.

दूसरा, सीयूईटी के बाद यू.जी. प्रोग्राम के लिए आवेदन. इस वर्ष कुल 74,000 सीटें उपलब्ध हैं।डॉ. कुमार ने बताया कि बीएमएस, बैचलर इन फाइनेंस, बीएसडब्ल्यू. बीएफए., बीए म्यूजिक जैसे पाठ्यक्रमों में बेहतर करियर संभावनाएं हैं.

उन्होंने बी.एड. इन एलीमेंटरी एजुकेशन जैसे कोर्स को भी विदेशों में उच्च वेतन वाली नौकरियों के लिए उपयुक्त बताया. साथ ही, उन्होंने कहा कि सीएसएएस विकल्प भरने में सावधानी बरतनी चाहिए.,

सीयूईटी के लिए उन्हीं विषयों का चयन करें जो 11वीं–12वीं में पढ़े गए हों।उन्होंने छात्रों को मोबाइल से आवेदन नहीं करने की सलाह दी और बताया कि सभी प्रक्रिया ऑनलाइन संभव है। बैंकिंग, हेल्थकेयर, आईटी और रिटेल जैसे वोकेशनल कोर्स को भी रोजगार के अच्छे विकल्प बताया. कार्यक्रम का संचालन प्रसून ने किया और प्रश्नोत्तर सत्र में आर्यन, शीतल कुमारी, अभिषेक कुमार सिंह, दीपिका कुमारी सहित अन्य विद्यार्थियों ने प्रश्न पूछे. कार्यक्रम में वरिष्ठ समन्वयक जितेन्द्र चौधरी, विजय कुमार सिंह, एस.के. जायसवाल, संतोष कुमार, दीप्तिमा मिश्रा सहित शिक्षकगण उपस्थित थे।समापन पर सीईओ प्रकाश गुप्ता ने डॉ. सुजीत कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और धन्यवाद ज्ञापन सुधांशु कुमार ने किया.

धनबाद न्यूज अपडेट

प्रेम विवाह के बाद युवक पर हमला

धनबाद। कोलाकुसमा निवासी गौतम धीवर (21) व कृपा धीवर (18) ने हाल ही में भागकर शादी की थी. कुछ दिनों तक घर से बाहर रहने के बाद सोमवार को युवक ने अपने परिजनों और दोस्तों को पार्टी दी. शाम को जब वह काली मंदिर के पास दोस्तों के साथ बैठा था, तभी लड़की के भाई हीरा धीवर ने वहां आकर उसे गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी. इसके बाद उसने अपने माता-पिता और अन्य परिजनों को बुलाकर गौतम और उसके साथ मौजूद दिलीप धीवर, धयामान धीवर, अशोक धीवर व ममता देवी के साथ मारपीट की. गौतम ने आरोप लगाया कि हमलावरों में हीरा धीवर के अलावा कांता धीवर, मणिकचंद धीवर, कृष्णा धीवर, तितली धीवर और मिथु धीवर शामिल थे.

झरिया थाना में शांति समिति की बैठक

झरिया । झरिया थाना परिसर में मोहर्रम को लेकर सोमवार को शांति समिति की बैठक हुई. झरिया सीओ के अध्यक्षता में हुई. झरिया अंचलाधिकारी मनोज कुमार, झरिया थाना इंस्पेक्टर शशीरंजन कुमार,माडा बिजली विभाग व विधायक प्रतिनिधि केडी पांडेय झरिया क्षेत्र के 25 अखाड़ा उस्ताद व शांति समिति के बैठक में मौजूद रहे. पुलिस द्वारा बताया गया कि जुलूस में अखाड़ा के वॉलिंटियर को एक पहचान पत्र दिया जाएगा. जिससे कोई वारदात होने पर उनसे सहयोग ले सके. किसी प्रकार के डीजे व अश्लील गानों पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा, ड्रोन कैमरा से निगरानी रखी जाएगी. असामाजिक तत्वों व सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखेगी, गैर लाइसेंसी को अखाड़ा नहीं निकलना है, रूट में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा. शांति समिति की बैठक में पहुंचे लोगों ने पानी, बिजली आदि समस्याओं को भी उठाया. भगत सिंह, राजकुमार अग्रवाल,, मीर फिरोज,अख्तर अंसारी दिलीप आडवाणी, अरिंदम बनर्जी, फ़ैज अहमद, संजू वर्मा,अर्जुन विश्वकर्मा, सत्यनारायण भोजगढ़िया, शैलेंद्र सिंह आदि थे.

उत्कृष्ट कार्य के लिए 27 रेलकर्मियों को संरक्षा पुरस्कार

धनबाद। सोमवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में संरक्षा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र ने मई 2025 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 27 रेलकर्मियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया.
सम्मानित कर्मचारियों ने धनबाद मंडल के विभिन्न रेल खंडों में कार्य करते हुए रेल फ्रैक्चर, हॉट एक्सल एवं अन्य संरक्षा संबंधी तकनीकी गड़बड़ियों का समय रहते पता लगाया, जिससे संभावित दुर्घटनाओं और परिचालन में बाधाओं को टालने में मदद मिली. इन कर्मियों के सजग और तत्पर प्रयासों के कारण रेलवे संरक्षा व्यवस्था और मजबूत हुई.

प्रशिक्षण के बाद निम्न वर्गीय लिपिकों ने दी परीक्षा

धनबाद। उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर आज समाहरणालय के सभागार में निम्न वर्गीय लिपिकों को लेखा परीक्षा से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षण के बाद लिपिकों ने इसकी परीक्षा दी . इस संबंध में उपायुक्त ने बताया कि निम्न वर्गीय लिपिकों को विभागीय लेखा परीक्षा उत्तीर्ण होने के उपरांत ही उच्च वर्गीय लिपिक में प्रोन्नति देने का प्रावधान है. सोमवार को उन्हें पंकज कुमार वर्मा, राज्य-कर पदाधिकरी, अन्वेषण ब्यूरो, धनबाद प्रमण्डल ने बोर्ड प्रकीर्ण नियमावली / रूल्स ऑफ एग्जीक्यूटिव बिजनेस, डीएन रॉय, सहायक आयुक्त, नागरीय अंचल ने सेवा नियमावली, पंकज कुमार, कोषागार पदाधिकारी ने सामान्य भविष्य निधि/यात्रा भत्ता का प्रशिक्षण दिया. इसके बाद नारायण राम, कार्यपालक दण्डाधिकारी ने निम्न वर्गीय लिपिकों की परीक्षा ली.

खाते से पांच लाख की निकासी, शिकायत

धनबाद। खाताधारक के खाते से 4.95 लाख की निकासी कर ली गई और धारक को इसकी जानकारी तक नहीं हुई. राशि चेक के माध्यम से निकासी की गई. इस बात की जानकारी होने पर खाता धारक संबंधित बैंक पहुंच गए. बैंक मैनेजर पैसा प्राप्तकर्ता को बैंक भी बुलाया, पहले तो प्राप्तकर्ता ने बैंक मैनेजर को राशि लौटाने का वादा भी किया, जिसके लिए बैंक मैनेजर ने खाता धारक से दो दिन का समय भी लिया. दो दिन बीत जाने के बाद खाता धारक पैसे लेने बैंक पहुंचे पर उन्हें निराशा ही हाथ लगी. खाता धारक के पुत्र उत्तम कुमार ने बताया कि खाते में उनके पिता का रिटायरमेंट का पैसा था. उन्होंने बैंक पर आरोप लगाया है कि नियमानुसार आरबीआई के गाइड लाईन के अनुसार दो लाख से ऊपर के ट्रांजेक्शन होने पर धारक को बैंक इत्तेला करती है पर उनके केस में बैंक ने किसी प्रकार का इनफार्मेशन नहीं दी. उत्तम का कहना है कि एक ऐसे खाते में राशि भेजी गई जो कि साल भर से वह अकॉउंट बंद था. जिसे री-ओपेन किया गया और महज 20 मिनट में ही खाते से रकम निकाल भी ली गई. उत्तम ने बैंक मैनेजर पर भी इस मामले संलिप्त होने का आरोप लगाया है. उत्तम ने बताया कि संबंधित बैंक के हेड ऑफिस गुड़गांव को भी लिखित शिकायत की है.

पेंशनधारी लाभुकों का वन साइन भौतिक सत्यापन शुरू

कुमारधुबी। केन्द्र सरकार की एनएसएपी के तहत पेंशनधारी लाभुकों का वन साइन भौतिक सत्यापन 15 दिनों में होना है. सोमवार को इसकी शुरूआत हो चुकी है. सत्यापन कार्य पंचायत सचिवालय में पंचायत सचिव व प्रखंड कार्यालय में प्रखंड कर्मी द्वारा किया जा रहा है. 15 दिनों के भीतर भौतिक सत्यापन नहीं कराने वाले पेंशनरों का पेंशन बंद हो सकता है. एग्यारकुण्ड प्रखंड कार्यालय के समाजिक सुरक्षा (पेंशन) पदाधिकारी रेणु कुमारी ने कहा कि भौतिक सत्यापन का उद्देश्य है कि पेंशनर जीवित हैं या मृत. सही लोगों के बीच पेंशन योजना का लाभ जा रहा है या नहीं.

गाहिरा में मनाया हूल दिवस

गोविंदपुर। हूल दिवस पर जीटी रोड गहिरा स्थित अमर शहीद सिद्धू कान्हो की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए गोविंदपुर प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में जनजातियों ने बड़ी भूमिका निभाई थी. सिद्धू-कान्हो, चांद-भैरव के नेतृत्व में आदिवासियों ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे. मांझी हड़ाम सुनील टुडू ने कहा कि इस इलाके में सिद्धू कान्हो की प्रतिमा स्थापित कर समाजसेवी डीएन सिंह ने सराहनीय कार्य किया. प्रतिमा पर बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की.

पेज 3 का शेष...

निरसा के बबलू की मौत...

जहां उन्होंने बबलू के शव का दाह संस्कार कर दिया, इस दौरान बबलू के परिजनों ने इस अगजनी की घटना के पीछे सोची समझी और बड़ी साजिश कहा है. आरोप लगाया है की बबलू सिंह की एक स्कार्पियो, एक इनोवा कार, उनकी आठ अंगूठी, गले का चेन, एक ब्रिसलेट गायब है, उसकी कोई खोज खबर नहीं है. उन्होंने कहा की उनको अगर कुछ मिला है तो वह सिर्फ और सिर्फ बबलू का बुलेट मिला है. इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा की बबलू ने आसनसोल फतेहपुर स्थित स्वागतम रेसीडेंसी में एक घर ख़रीदा था, यह उनको मालूम था पर वह उस घर में पहली बार आए हैं, परिजनों ने यह भी कहा कि वह बबलू के घर गए थे, जहां उनकी मुलाकातत स्वागतम रेजीडेंसी के सेकेट्री उत्तम दास से हुई थी. जिन्होंने उनको यह जानकारी दी कि बबलू की तथाकथित पत्नी शिल्पी चटर्जी ने अगजनी की घटना को लेकर उनको बताया कि घर में उनका मोबाइल ब्लास्ट हुआ था, जिससे पूरे घर में आग लग गई और देखते ही देखते दो मंजिला मकान पूरी तरह आग मे जलकर ख़ाक हो गया और इस घटना मे बबलू और उसकी मां और पिता की मौत हो गई. इस घटना में शिल्पी चटर्जी बच गई, ऐसे में बबलू के परिजनों ने शिल्पी चटर्जी को लेकर एक और खुलासा किया है कि शिल्पी ने पूर्व में दो और शादियां की थी और बबलू सिंह तीसरे नंबर पर थे. पहला पति बालू कारोबारी तो दूसरे पति कोई बैंक कर्मी बताए जा रहे हैं, पहले पति से शिल्पी का एक बेटा भी है, जिसका नाम त्रिथानकर चटर्जी है, जो 9 क्लास में झारखंड मधुपुर में पढ़ाई करता है. शिल्पी ने अपने दोनों पतियों को छोड़ दिया है, जिसके बाद वह बबलू के साथ उसके घर में रह रही थी. शिल्पी के माता पिता भी रह रहे थे. शिल्पी के पिता बीरेंद्र नाथ शिल्पी के सौतेले पिता थे. असल में बीरेंद्र नाथ चंद झारखंड जामताड़ा जिले के नोला इलाके के रहने वाले थे, जहां उनका भरा पूरा परिवार है, पर उनकी पत्नी आरती चंद स्वर्गवास हो चुकी है. बीरेंद्र नाथ चंद की उम्र 70 वर्ष थी. शिल्पी की माँ गायेत्री की उम्र करीब 60 वर्ष थी. बबलू के परिजनों ने यह भी बताया की बबलू ने करीब 15 लाख के सोने के गहने बनवाए थे जो गहने वह अपनी बेटी की शादी में देने वाला था. वह तमाम गहने आसनसोल फतेहपुर स्वागतम रेसीडेंसी स्थित हॉउस नंबर B2 में बबलू के कमरे में उसकी आलमारी में रखे हुए थे, वह तमाम गहने भी गायब हैं. परिजनों ने मामले को लेकर स्थानीय पुलिस के समक्ष अपनी बात रखने का मन बनाया है.

शुभम संदेश
धनबाद, मंगलवार 01 जुलाई, 2025

ब्रिटेन के स्लॉ में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की धूम

लंदन : ब्रिटेन के स्लॉ हिन्दू मंदिर से निकाली गई भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में 1000 से अधिक भक्त शामिल हुए. इसमें भारतीय उच्चायोग लंदन के उप उच्चायुक्त सुजीत जॉय घोष ने भी हिस्सा लिया. उन्होंने 'पवित्र छेरा पहारना' अनुष्ठान किया. भारतीय उच्चायोग लंदन ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की सचित्र संक्षिप्त सूचना साझा की है. श्री जगन्नाथ सोसाइटी यूके के तत्वावधान में निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में श्रद्धालुओं ने उत्साह और आस्था के साथ हिस्सा लिया. सभी ने पवित्र रथ को खींचा. स्लॉ हिन्दू मंदिर में भगवान जगन्नाथ के जयकारे गूंजे. 'पवित्र छेरा पहारना' रथयात्रा का सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान होता है. इस अनुष्ठान में देवताओं के सामने रथ को साफ किया जाता है. यह भगवान के सम्मुख विनम्रता और समानता का प्रतीक है. श्री जगन्नाथ सोसाइटी यूके अनुसार, इस दौरान भारत के पुरी के मां गुंडिचा मंदिर का दृश्य जीवंत हो उठा.

मणिपुर में चार लोगों की गोली मार कर हत्या

चुराचांदपुर। मणिपुर में अज्ञात हमलावरों ने चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी. सोमवार दोपहर जिले के मोंगजांग गांव के पास अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा की गई गोलीबारी में 60 वर्षीय महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई है. स्थानीय पुलिस ने घटना की पुष्टि की है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. चुराचांदपुर पुलिस के अनुसार हमलावरों ने दोपहर करीब 2 बजे जब हमला किया, तब पीड़ित एक कार में यात्रा कर रहे थे.

बॉर्डर पार खेती करने गया किसान पहुंचा पाकिस्तान

चंडीगढ़। पंजाब के फाजिल्का से 21 जून से लापता किसान पाकिस्तान पहुंच गया है. बीएसएफ ने लापता किसान के परिजनों को सोमवार को इस बारे में सूचित किया है, लेकिन परिजनों के अनुसार उन्हें अधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी जा रही है. फाजिल्का जिला के गांव खैरे के उताड़ निवासी अमृतपाल सिंह बीती 21 जून को खेती करने के लिए फेंसिंग पार गया था.

इजरायल की अरबों डॉलर खर्च कर शस्त्रागार भरने की तैयारी में

अब लेजर वेपन से होगा लैस

एजेंसी। नयी दिल्ली

इजरायल ने हाल ही में ईरान और उसके सहयोगी गुटों के खिलाफ 12 दिन चले एक तीव्र युद्ध में निर्णायक जीत हासिल की. इस संघर्ष में इजरायली रक्षा क्षमताओं और अत्याधुनिक गुप्त हथियारों का व्यापक रूप से उपयोग किया गया. युद्ध में मिली सफलता के बाद अब इजरायल अरबों डॉलर खर्च कर अपने शस्त्रागार को फिर से भरने और भविष्य के संघर्षों के लिए खुद को तैयार करने में जुटा है. इस युद्ध में इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने अपने स्टैंड-ऑफ हथियारों जैसे ₹रैम्पेजर₹ और ₹रॉक्सर₹ मिसाइलों का प्रभावी इस्तेमाल किया. इन मिसाइलों ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम को दूर से ही निशाना बनाया, जिससे इजरायली लड़ाकू विमानों को ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसे बिना ही हमले करने की सुविधा मिली. इसके अलावा, मोसाद के एजेंटों ने ईरान की धरती पर विशेष ड्रोन अभियानों के जरिए कई शीर्ष सैन्य अधिकारियों और वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिकों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया. रिपोर्ट के अनुसार,

स युद्ध में इजरायल ने कई नए गुप्त हथियारों का भी इस्तेमाल किया, जो पहले कभी सार्वजनिक नहीं हुए थे. इनमें ₹आयरन बीम₹ नामक लेजर आधारित एंटी-रॉकेट डिफेंस सिस्टम भी शामिल है. यह एक 100 किलोवाट-क्लास हाई-एनर्जी लेजर हथियार है, जो दुश्मन के रॉकेटों के विस्फोटक हिस्सों को हवा में ही नष्ट कर सकता है.

यह प्रणाली पारंपरिक ₹आयरन डोम₹ की तुलना में कहीं अधिक लागत-कुशल और सटीक मानी जा रही है. सिद्धांततः इसमें असीमित संख्या में इंटरसेप्शन की क्षमता है, जबकि आयरन डोम एक समय में केवल 20 मिसाइलों तक सीमित होता है. हालांकि इस युद्ध में इजरायल की तकनीकी श्रेष्ठता साबित हुई,

लेकिन इसके चलते उसके कई रणनीतिक हथियार खत्म हो गए हैं. इंटरसेप्टर मिसाइलें, बम, ड्रोन पेलोड और अन्य प्रमुख उपकरण व्यापक रूप से उपयोग हो चुके हैं. इसके परिणामस्वरूप वायु सेना के बुनियादी ढांचे पर गंभीर दबाव पड़ा है और सैकड़ों लड़ाकू विमानों को युद्ध के बाद व्यापक रखरखाव की आवश्यकता है.

अब इजरायल अपने शस्त्रागार को फिर से भरने और नई तकनीक से लैस करने के लिए अरबों डॉलर खर्च कर रहा है. वहीं, यह भी आशंका जताई जा रही है कि ईरान और अन्य दुश्मन देश इजरायल द्वारा उपयोग किए गए हथियारों की बारीकी से जांच करेंगे, ताकि भविष्य में उनके खिलाफ रक्षा तैयार की जा सके. ऐसे में इजरायल को अपने हथियारों को या तो बदलना होगा या उन्हें और उन्नत बनाना होगा. इस संघर्ष के बाद इजरायल की प्रमुख रक्षा कंपनियां – आईएआई, राफेल और एल्बिट सिस्टम्स – पूरी क्षमता से काम कर रही हैं. कैल्केलिस्टेक की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही तक इन कंपनियों का संयुक्त ऑर्डर बैकलॉग लगभग 235 बिलियन शेकेल तक पहुंच गया है. रक्षा मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से आने वाले ऑर्डर में भारी उछाल देखा गया है.

हालांकि, बजट में देरी के कारण वायु सेना के लिए नई हथियार प्रणालियों की खरीद की प्रक्रिया धीमी हो गई है, लेकिन सरकार इसे तेज करने के लिए नई रणनीतियां बना रही है. इसरायली रक्षा उद्योग अब वैश्विक हथियार बाजार में और भी बड़ी भूमिका निभाने की ओर अग्रसर है.

ईरान के साथ हुए हालिया संघर्ष ने इजरायल की सैन्य रणनीति, गुप्त हथियारों और तकनीकी श्रेष्ठता को दुनिया के सामने उजागर किया है. लेकिन यह भी स्पष्ट है कि इस जीत की भारी कीमत चुकानी पड़ी है. अब इजरायल अपनी रक्षा क्षमताओं को पुनः सशक्त करने में जुटा है.

एटॉमिक एनर्जी एक्ट, 1962 में संशोधन की तैयारी में भारत

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी कंपनियों का होगा निवेश

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा कदम उठाने जा रही है. सरकार ₹सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट, 2010 (सीएलएनडीए) और एटॉमिक एनर्जी एक्ट, 1962₹ में महत्वपूर्ण संशोधन करने की तैयारी कर रही है. इन बदलावों का उद्देश्य विदेशी और निजी कंपनियों के निवेश को प्रोत्साहित करना है, ताकि देश के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाया जा सके. सीएलएनडीए के सेक्शन 17 (बी) के तहत, अगर किसी परमाणु दुर्घटना का कारण सप्लायर की गलती होती है, तो ऑपरेटर को सप्लायर से मुआवजा मांगने का अधिकार था. इस प्रावधान के कारण विदेशी कंपनियां भारत में निवेश करने से कतराती थीं, क्योंकि उन्हें मुआवजा देने की आशंका रहती थी. सरकार अब इस सेक्शन को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में काम कर रही है. एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार, सीएलएनडीए में लगभग 11 कानूनी बदलाव प्रस्तावित हैं, जिनमें दो सबसे अहम हैं—सेक्शन 17 का पुनःसंरचनाकरण और ₹सप्लायर₹ की परिभाषा को स्पष्ट करना. छोटे भारतीय वेंडर्स ने भी इस बात पर चिंता जताई थी कि वे भी सप्लायर की श्रेणी में आ जाते हैं, जिससे उन पर भी कानूनी जिम्मेदारी आ सकती है.

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

-:निवेदक:-
आमिर हयात
प्रखंड अध्यक्ष, प्रखंड कांग्रेस कमिटि, बालूमाथ, लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

-:निवेदक:-
नरेश लोहरा
मुखिया बालूमाथ, लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठक और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

-:निवेदक:-
रामराज उरांव
रोजगार सेवक, चंदवा, लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधी पाठक और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

-:निवेदक:-
मोहित कुल्हड़ चाय, चंदवा, लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई
-:निवेदक:-
पथ निर्माण प्रमंडल परिवार
लातेहार, झारखंड

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई...

विजय सिंह
इंटक संगठन सचिव झारखंड

एक राज्य एक अखबार शुभम संदेश के तीसरे स्थापना दिवस पर अखबार प्रबंधन और सुधि पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएं
निवेदक
मनोज कुमार तिवारी
प्रखंड विकास पदाधिकारी लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

लाल विकास नाथ शाहदेव
सांसद प्रतिनिधि कुडू

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

घासी (नायक) समाज युवा कल्याण संगठन झारखंड प्रदेश
मुकेश कुमार नायक
कार्यकारी अध्यक्ष सह आजसू पार्टी रांची जिला सचिव

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठक और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई:-

आदिल जहीर
प्रदेश अध्यक्ष, झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई...

-:निवेदक:-
अरविंद देवाशीष टोप्पो
अंचल अधिकारी, लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठक और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई...

-:निवेदक:-
सुरेंद्र कुमार
जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई

संजीव बेदिया
केंद्रीय कार्यकारणी सदस्य सह जिला अध्यक्ष हजारीबाग झामुमो, झारखंड

सुनील शर्मा
केंद्रीय समिति सदस्य झामुमो हजारीबाग झारखंड

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई

विनोद कुशवाहा
प्रदेश कांग्रेस महासचिव, हजारीबाग, झारखंड

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, मैसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड के लिए के.जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित. संपादक **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक **संजय सिंह***. फोन नंबर 0651-2961734 आरएनआई नंबर **JHAHIN/2023/84487**(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)